Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 24 December 2023 ● Year : 01 ● Issue : 333 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

हम संसार को गलत पढ़ते हैं और कहते हैं कि वह हमें धोखा देता है।

रवीन्द्रनाथ ठाकुर

सीधी-प्यारी लड़की वाली इमेज तोड़नी...

SHARE

सेंसेक्स	:	71,106.96
निफ्टी	:	21,349.40

SARAFA

सोना	:	5,980
चांदी	:	80.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

अखनूर में घुसपैठ करता एक आतंकी ढेर

POONCH : जम्मू कश्मीर के अखनूर में चार आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश को सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया है। सुरक्षाबलों ने अखनूर में चार आतंकियों की संदिग्ध गतिविधि देखी, जिसके बाद जवानों ने फायरिंग कर दी। फायरिंग में चार में से एक आतंकी ढेर हो गये, जिसके शव को लेकर बाकी तीनों आतंकी अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पार भाग गये। इसके बाद सुरक्षाबल पूरे इलाके में सर्च कर रही है। बता दें इससे पहले गुरुवार को जम्मू कश्मीर के पुंछ में सुरक्षा बलों के दो वाहन पर घात लगाकर आतंकियों के किये हमले में चार जवान शहीद हो गये थे। घटना के बाद से ही सुरक्षा बल पूरे इलाके में तलाशी अभियान चला रहे हैं। जम्मू कश्मीर में घुसपैठ के पीछे पाकिस्तान कनेक्शन सामने आ रहा है।

ईडी ने तेजस्वी यादव को फिर भेजा समन

PATNA : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नौकरी के बदले जमीन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को फिर नया समन भेजा है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने तेजस्वी यादव को 5 जनवरी को दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि ईडी ने नौकरी के बदले जमीन घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को पूछताछ के लिए फिर समन जारी किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने तेजस्वी को 5 जनवरी को नई दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया है। इससे पहले ईडी ने तेजस्वी को 22 दिसंबर और लालू प्रसाद यादव को 27 दिसंबर को पेश होने के लिए समन भेजा था। हालांकि, वे कल ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए।

भारत आ रहे जहाज पर हिंद महासागर में ड्रोन अटैक

NEW DELHI : हिंद महासागर में सऊदी से भारत आ रहे एक ऑयल वैसेल एमवी केम प्लूटो पर शनिवार को ड्रोन से हमला हुआ है। भारतीय नौसेना के मुताबिक इस जहाज पर 20 भारतीय क्रू मेंबर्स सवार हैं। वहीं, भारतीय सेना ने कोस्ट गार्ड के पैट्रोलिंग वैसेल आईसीजीएस विक्रम को उस जगह के लिए रवाना कर दिया है, जहां हमला हुआ है। नौसेना भी अलर्ट पर है। वॉरशिप भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं। जहाज सऊदी अरब से मेंगलुरु जा रहा था। इसमें क्रूड ऑयल है। न्यूज एजेंसी एएफपी के मुताबिक हमले में किसी को नुकसान नहीं पहुंचा है, लेकिन जहाज पर आग लग गई। इस आग पर काबू पा लिया गया है। लाइबेरिया के झंडे वाला यह जहाज इजराइल से संबंधित बताया जा रहा है।

6 जनवरी को तय जगह पहुंच जाएगा आदित्य एल-1

इसरो चीफ बोले- किस समय लैगरेंज पॉइंट पहुंचेगा, सही वक्त पर बताएंगे

सोलर मिशन

AGENCY NEW DELHI : भारत का इकलौता सोलर मिशन आदित्य एल-1 6 जनवरी को तय जगह, यानी लैगरेंज पॉइंट पर पहुंच जाएगा। ये जगह धरती से 15 लाख किमी दूर है। इसरो प्रमुख के सोमनाथ ने 23 दिसंबर को ये जानकारी दी। आदित्य एल-1 को 2 सितंबर को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया था। इस मिशन को सूर्य के अध्ययन के लिए लॉन्च किया गया है। सोमनाथ ने ये भी कहा कि आदित्य एल-1 किस वक्त अपनी नियत जगह पहुंचेगा, इसकी घोषणा सही समय पर की जाएगी।

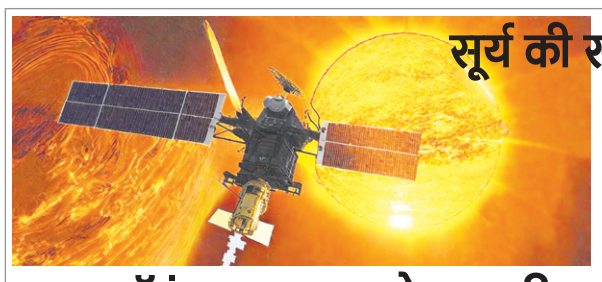

एल-1 पॉइंट पर 5 साल रहेगा स्थापित

सोमनाथ के मुताबिक, जब आदित्य एल-1 लैगरेंज पॉइंट पर पहुंचेगा, हम एक बार फिर इंजन शुरू करेंगे, ताकि ये आगे न बढ़े। जब ये अपने नियत स्थान तक पहुंच जाएगा तो यह उस पॉइंट के चारों तरफ चक्कर लगाएगा और वहीं बना रहेगा। इसरो चीफ ने ये भी बताया कि एक बार जब आदित्य एल-1 अपने तय स्थान लैगरेंज पॉइंट पर सफलतापूर्वक स्थापित हो जाएगा तो यह वहां 5 साल रहेगा। आदित्य एल-1 सूर्य में होने वाली गतिविधियों की जानकारी केवल भारत को नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को देगा। ये डेटा सूर्य के डायनामिक्स को समझने में कारगर होगा। इस डेटा से ये भी मदद मिलेगी कि सूर्य कैसे हमारी जिंदगी पर असर डालता है।

सूर्य की स्टडी जरूरी क्यों?

जिस सोलर सिस्टम में हमारी पृथ्वी है, उसका केंद्र सूर्य ही है। सभी आठ ग्रह सूर्य का ही चक्कर लगाते हैं। सूर्य की वजह से ही पृथ्वी पर जीवन है। सूर्य से लगातार ऊर्जा बहती है। इन्हें हम चार्ज्ड पार्टिकल्स कहते हैं। सूर्य का अध्ययन करके ये समझा जा सकता है कि सूर्य में होने वाले बदलाव अंतरिक्ष को और पृथ्वी पर जीवन को कैसे प्रभावित कर सकते हैं। लैगरेंज पॉइंट का नाम इतालवी-फ्रेंच मैथमैटीशियन जोसेफी-लुई लैग्रेंज के नाम पर रखा गया है। इसे बोलचाल में एल-1 नाम से जाना जाता है। ऐसे पांच पॉइंट धरती और सूर्य के बीच हैं, जहां सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल बैलेंस हो जाता है और सेंट्रिफ्यूगल फोर्स बन जाता है। ऐसे में इस जगह पर अगर किसी ऑब्जेक्ट को रखा जाता है तो वह आसानी उस पॉइंट के चारों तरफ चक्कर लगाना शुरू कर देता है।

एएसआई मनोज कुमार को एसीबी ने रिश्वत लेते रंगे हाथ किया गिरफ्तार

HAZARIBAGH : हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना में पदस्थापित सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) मनोज कुमार को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने छह हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार एएसआई मनोज कुमार विष्णुगढ़ थाना में पदस्थापित हैं। कांड संख्या 246-2023 के आरोपी बद्री यादव से मामले को रफा-दफा करने के नाम पर छह हजार रुपये घूस ले रहे थे। बद्री यादव की शिकायत पर एसीबी की टीम ने जाल बिछाया और जैसे ही मनोज कुमार ने रिश्वत की रकम ली, उन्हें रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार एएसआई केस नंबर 246-2023 के अनुसंधानकर्ता हैं। केस को रफा-दफा करने के नाम पर उन्होंने 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी।

कार्यक्रम की समाप्ति के बाद मुख्यमंत्री जाने लगे, तब उनकी नजर गोला के यूएसएच बरियातु स्कूल में पढ़ाई कर रही अफसाना एवं राखी पर पड़ी। दोनों मुख्यमंत्री की तस्वीर थामे खड़ी थीं। मुख्यमंत्री सीधे उन बच्चियों के पास गए और उनके साथ फोटो खिंचवाया।

लोकसभा चुनाव से पहले कई राज्यों में कांग्रेस प्रभारी बदले

प्रियंका से यूपी की जिम्मेदारी वापस ली, महासचिव बनी रहेंगी

मिशन 2024

AGENCY NEW DELHI : कांग्रेस ने 2024 लोकसभा चुनाव से पहले कई राज्यों के प्रभारी बदल दिए हैं। कुछ नेताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा को यूपी कांग्रेस प्रभारी पद से मुक्त कर दिया गया है, हालांकि वे महासचिव बनी रहेंगी। प्रियंका की जगह अविनाश पांडेय को यूपी की जिम्मेदारी दी गई है। उधर, सचिन पायलट छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी बने हैं। रमेश चेन्निथला को महाराष्ट्र, देवेंद्र यादव को पंजाब और रणदीप सुरजेवाला को कर्नाटक का प्रभार मिला है। जयराम रमेश कम्युनिकेशन, मुकुल वासनिक संगठन के महासचिव और माणिकराव ठाकरे को गोवा की जिम्मेदारी दी गई है। असम के प्रभारी महासचिव जितेंद्र सिंह को मध्य प्रदेश और दीपक बाबरिया के पास दिल्ली और हरियाणा का अतिरिक्त प्रभार है। जीए मीर झारखंड के प्रभारी महासचिव बने हैं, उन्हें पश्चिम बंगाल का अतिरिक्त प्रभार दिया है। दीपा दासमुंशी को तेलंगाना के अतिरिक्त प्रभार के साथ केरल और लक्षद्वीप का महासचिव बनाया गया है। कुमारी शैलजा को उत्तराखंड का प्रभारी महासचिव बनाया गया।

- सचिन पायलट को बनाया गया छत्तीसगढ़ का प्रभारी
- रमेश चेन्निथला को महाराष्ट्र, देवेंद्र यादव को पंजाब और रणदीप सुरजेवाला को कर्नाटक का प्रभार

अविनाश का बढ़ा कद, मीर को झारखंड-बंगाल का प्रभार

झारखंड के कांग्रेस प्रभारी बदल गये। झारखंड के प्रभारी अविनाश पांडे को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। वहीं गुलाम अहमद मीर को झारखंड की कमान सौंपी गई है। अविनाश ठाकुर को उत्तर प्रदेश और गुलाम अहमद मीर को झारखंड प्रभारी का दायित्व सौंपने पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का आभार जताया है। राजेश ठाकुर ने कहा कि श्री पांडे एक कुशल संगठनकर्ता के रूप में झारखंड कांग्रेस को पंचायत स्तर तक पहुंचाने का काम किया है और यह उसी का परिणाम है कि उनकी सांगठनिक क्षमता को देखते हुए कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें बड़े राज्य की जिम्मेवारी सौंपी है। वहीं झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के रूप में गुलाम अहमद मीर के मनोनयन पर भी राजेश ठाकुर ने हर्ष व्यक्त किया है। ठाकुर ने कहा कि इनके संगठनात्मक क्षमता का लाभ झारखंड कांग्रेस को मिलेगा। श्री मीर एक कुशल नेतृत्वकर्ता के रूप में जाने जाते हैं। जम्मू कश्मीर के प्रदेश अध्यक्ष रहते उन्होंने संगठन को गांव तक ले जाने का काम किया।

गृह जिला में गरजे हेमंत बोले- झारखंड में गाजर मूली की नहीं है सरकार

सरकार आपके द्वार

AGENCY RAMGARH : शनिवार को सीएम हेमंत सोरेन रामगढ़ में आयोजित सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान वे मंच से गरजे और केंद्र सरकार को खुली चुनौती दी। उन्होंने कहा कि झारखंड में गाजर मूली की सरकार नहीं है। यहां जनता ने गरीबों और आदिवासियों की सरकार बनाई है। इसे हिलाना नामुमकिन है। उन्होंने केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह लोग दिन में इस सरकार को गिराने का सपना देख रहे हैं। इसकी एकमात्र वजह यह है कि यहां की जनता ने डबल इंजन की सरकार को मखमल से हटकर पत्थर पर सुला दिया है। कार्यक्रम में कृषि मंत्री बादल पत्रलेख और श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने भी जनता को सरकार द्वारा किए जा रहे कार्य के बारे में बताया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने अधिकारियों को योजना की गठरी बनाकर हर गांव में भेजा है। यही वजह है कि सभी को योजनाओं का लाभ उनके घर पर मिल रहा है। झारखंड गरीब प्रदेश है और यहां की जनता योजनाओं को लेकर उतनी जागरूक नहीं है। लेकिन जब अधिकारी खुद उनके घर पहुंच रहे हैं तो ग्रामीणों को भी हर चीज की जानकारी हो रही है। अब आम जनता भी यह समझ रही है सरकार ने उसके लिए किस तरह की योजना बनाई है।

रामगढ़ को 50 करोड़ रुपये की दी सौगात

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रामगढ़ जिले को करीब 50 हजार करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात दी। जिले के गोला स्थित कुसुमडीह-कल्याणपुर में चाड़ी पंचायत के तिरला मैदान में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में 48 योजनाओं का उद्घाटन एवं 98 करोड़ 94 लाख रुपए की 124 योजनाओं का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि गोला को जल्द ही डिग्री कॉलेज का उपहार मिलेगा। कॉलेज की जल्द आधारशिला रखी जाएगी। रामगढ़ जिले में आवागमन को बेहतर करने के उद्देश्य से 250 करोड़ रुपए की लागत से 400 किलोमीटर ग्रामीण सड़क एवं 450 करोड़ रुपए की लागत से 250 किमी उच्चस्तरीय सड़क का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में सरकारी, गैर सरकारी एवं स्वरोजगार से लोगों को जोड़ने का काम हो रहा है। लगातार नियुक्तियां निकालीं जा रहीं हैं। कहा कि रामगढ़ जिला का पतरातु पर्यटन स्थल है। यहां के युवा दर्शनीय स्थलों पर स्वरोजगार के लिए रोजगार सृजन योजना का लाभ लेकर आर्थिक स्वावलंबन की ओर अग्रसर हो सकते हैं।

कोहरे की चादर में लिपटा झारखंड

धूप में भी लोगों को ठंड का हो रहा एहसास : राज्य में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सुबह से शाम तक ठंडी हवाएं बह रही है, जिस कारण धूप में भी लोगों को ठंड का एहसास हो रहा है। राज्य के कई जिलों में कोहरा की स्थिति भी बनी हुई है। दिन के समय में भी राजधानी रांची सहित आसपास के इलाकों में कुहासा देखा गया। शनिवार को राजधानी रांची का तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सबसे कम तापमान पश्चिमी सिंहभूम का 8.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह खूंटी का 9.1 डिग्री सेल्सियस, लोहरदगा का 11.8 डिग्री सेल्सियस, गुमला 10.1 डिग्री सेल्सियस रहा। चतरा, गढ़वा, हजारीबाग, लातेहार, पलामू का तापमान 12.1 से 12.8 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया।

ISIS बल्लारी मॉड्यूल : आठ संदिग्ध आतंकियों को एनआईए ने लिया रिमांड पर

जमशेदपुर का आतंकी उगलेगा राज, हो रही पूछताछ

CRIME REPORTER RANCHI : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) आतंकी संगठन आईएसआईएस बल्लारी मॉड्यूल मामले की जांच कर रही है। इस मामले में एनआईए जमशेदपुर के जुगसलाई निवासी मो. शाहबाज उर्फ जुल्फिकार समेत आठ संदिग्ध आर्तांकों से पूछताछ कर रही है। गौरतलब है कि बीते दिन झारखंड समेत चार राज्यों के 19 ठिकानों पर एनआईए ने छापा मारा था। एनआईए की टीम ने झारखंड के बोकारो और जमशेदपुर में छापेमारी की थी। वहीं कर्नाटक के बल्लारी व बेंगलुरु में भी छापा मारा था। इस छापेमारी के दौरान एनआईए ने बल्लारी मॉड्यूल के नेता मिनाज सहित आठ आरोपित को गिरफ्तार किया था। सभी आईएसआईएस आतंकी संगठन के समर्थन में आतंकी गतिविधियों को संचालित कर रहे थे। उनका नेतृत्व मिनाज उर्फ सुलैमान कर रहा था।

- झारखंड समेत चार राज्यों के 19 ठिकानों पर एनआईए ने था छापा मारा

इधर, पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप का खासमखास सोनू पंडित से भी पूछताछ जारी

RANCHI : लेवी उगाही में अहम भूमिका निभाने वाले पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप का खासमखास सोनू पंडित से एनआईए पूछताछ कर रही है। एनआईए ने रमन कुमार सोनू उर्फ सोनू पंडित को रिमांड पर लिया है। बिहार के पटना स्थित धनरुआ निवासी रमन कुमार सोनू को एनआईए ने 15 दिसंबर को गिरफ्तार किया था। रमन कुमार सोनू आतंकी गतिविधियों के साथ साथ हिंसक गतिविधियों में शामिल रहा है। आरोपित एनआईए की रांची स्थित शाखा में दर्ज (कांड संख्या आरसी-04/2023) मामले में गिरफ्तार किया गया था। यह प्राथमिकी 11 अक्टूबर को दर्ज किया गया था। इसमें पीएलएफआई पर लेवी-रंगदारी से आर्थिक और आतंकी गतिविधियों को संचालित करने का आरोप लगा था। रमन का सहयोगी निवेश पूर्व में धुर्वा में रांची पुलिस के हाथों गिरफ्तार हुआ था।

केरल में सबसे ज्यादा एक्टिव केस, डब्ल्यूएसओ ने कहा- एक महीने में संक्रमण 52% बढ़ा

24 घंटे में कोरोना के 752 नए मामले, 4 की गई जान

रहें सावधान

AGENCY NEW DELHI : देशभर में कोरोना के मामले 4.50 करोड़ के ऊपर पहुंच गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 752 नए मामले दर्ज किए गए हैं। 325 लोग ठीक हुए हैं, जबकि संक्रमण की वजह से 4 लोगों की मौत हुई है। देश में एक्टिव मामलों की संख्या 3 हजार 420 है। एक दिन पहले यह आंकड़ा 2 हजार 998 था। हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक राज्यों में केरल में सबसे ज्यादा 565 केस मिले हैं। 2 लोगों की मौत हुई है। इनमें 297 ठीक हुए हैं, जबकि 266 लोगों का इलाज चल रहा है। एक्टिव केस के मामले में केरल के बाद कर्नाटक 70 केसेस के साथ दूसरे नंबर पर है। कर्नाटक और राजस्थान में 1-1 मौतें दर्ज की गई हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएसओ) के मुताबिक, पिछले एक महीने में दुनियाभर में कोरोना के मामलों में 52% का इजाफा हुआ है। 19 नवंबर से 17 दिसंबर के बीच 8 लाख 50 हजार केस रिपोर्ट हुए हैं और 3 हजार मौतें हुई हैं। हालांकि इस एक महीने के दौरान डेथ रेट 8% घटा है। इसका मतलब पिछले महीने कोरोना से 8% ज्यादा लोगों ने दम तोड़ा था।

- एक्टिव केस के मामले में केरल के बाद कर्नाटक दूसरे नंबर पर

कोरोना के नए वैरिएंट से डब्ल्यूएचओ भी चिंतित

कोरोना के नये वैरिएंट को लेकर डब्ल्यूएचओ ने भी गहरी चिंता जताई है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार पिछले चार हफ्तों के दौरान नये कोरोना मामलों की संख्या में 52 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान 850,000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। डब्ल्यूएचओ ने लोगों को संक्रमण से बचने की सलाह दी है। भीड़-भाड़ वाले, बंद इलाकों में मास्क पहनना, दूसरों से सुरक्षित दूरी बनाए रखना, नियमित रूप से हाथ साफ करना और यदि किसी में कोई लक्षण हो या हो तो परीक्षण कराना शामिल है। कोरोना वायरस के नये वैरिएंट से जो लोग इसकी चपेट में आए, उनके ऊपरी श्वसन तंत्र में हल्का संक्रमण हुआ और हल्की सूखी खांसी, गला खराब होना जैसे लक्षण दिखे तथा बुखार नहीं आया। कोरोना वायरस के मामले जिस तरह से देशभर में बढ़ रहे हैं, नये साल के जश्न और क्रिसमस को लेकर एहतियात बरतने की सलाह दी गई है। गाजियाबाद और नोएडा में संक्रमण का एक-एक मामला सामने आने के बाद जिला स्वास्थ्य विभाग ने परामर्श जारी कर लोगों को कोविड-19 से बचाव संबंधी प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी है। लोगों को भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचना की सलाह दी गई है। सार्वजनिक जगहों पर सामाजिक दूरी का पालन, मास्क का उपयोग जैसे कोविड-19 संबंधी दिशानिदेर्शों का का पालन करने का सुझाव दिया है।

संपूर्ण भारत को एकसूत्र में पिरोएगा अयोध्या उत्सव

AYODHYA : श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की खुशी अयोध्या ही नहीं बल्कि विश्वभर में है। देश की एकमात्र बहुभाषी न्यूज एजेंसी हिन्दुस्थान समाचार, श्रीअयोध्या न्यास एवं प्रज्ञा की ओर से भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), इंडियन ओवरसीज बैंक, डॉ. अमृतलाल इशरत मेमोरियल सनबीम स्कूल, गेल और पेटीएम के सहयोग से शनिवार को तीन दिवसीय अयोध्या उत्सव का शुभारंभ हुआ। उत्सव की कड़ी में 25 दिसंबर तक रंगारंग मंच पर सांस्कृतिक सुरों की शाम सजेगी और भक्ति की रसधार बहेगी। अयोध्या उत्सव में लोक संस्कृति और कला की झलक भी दिखेगी। रामकथा और रामायण परंपरा पर आधारित प्रवचनों की श्रृंखला देखने को मिलेगी। अयोध्या उत्सव का उद्देश्य संपूर्ण देश को एकसूत्र में पिरोने का प्रयास है। श्रीराम सत्संग भवन अयोध्या उत्सव का साक्षी बना।

तारा शाहदेव केस : कोर्ट के आदेश को दी चुनौती

रंजीत और उसकी मां ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया

SPECIAL REPORTER RANCHI : नेशनल राइफल शूटर तारा शाहदेव के साथ यौन उत्पीड़न करने के दोषी रंजीत सिंह कोहली और उसकी मां कौशल रानी ने रांची सीबीआई कोर्ट के आदेश को झारखंड हाईकोर्ट में चुनौती दी है। हाईकोर्ट में दोनों दोषियों ने अपील दायर की है। रांची की सीबीआई कोर्ट ने रंजीत कोहली को अंतिम सांस तक जेल में रहने की सजा दी है और वहीं उसकी मां कौशल रानी को 10 साल की सजा सुनाई है। दोनों दोषी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। अपनी याचिका में दोनों आरोपियों ने कहा है कि वह शादीशुदा थे, लड़की पक्ष एवं सभी सम्मानित लोगों के समक्ष उनकी शादी हुई थी। वे तारा शाहदेव के साथ वैवाहिक जीवन में थे, ऐसे में उन पर आईपीसी की धारा 376 (2एन) नहीं लगाया जाना चाहिए।

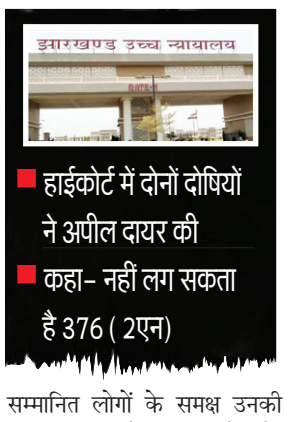

- हाईकोर्ट में दोनों दोषियों ने अपील दायर की
- कहा- नहीं लग सकता है 376 (2एन)

कला-साहित्य

कविता

माला रानी गुरु
प्रोफेसर (से. निवृत), संस्कृत
श्री रामकृष्ण म. महाविद्यालय - गिरिडीह, झारखंड।

समय की धार

कहने को बहुत कुछ था,
गर कहने पर आते,
पर अपने मन को तो ना पहचान पाते।
अब आस की मालाएं, मुझे बांधती नहीं,
ना ही निराशा की जंजीरें जकड़ती हैं।
मेरे सपनो से झांकती जिन्दगी अब धरातल पर चल रही है।
अब दुःख की हवा कंपकंपाती नहीं,
और सुख के पल बहलाते नहीं हैं।

अब मन-पक्षी के पास उन्मुक्त आकाश है,
धरा के सौन्दर्य को झांकने का अवकाश है।
अनंत आकाश के रचयिता की कृपा का भान है,
उनके होने का अब निश्चित अनुमान है।
सुख-दुःख के हिंडोले पर झूलती,
जिन्दगी को सम पे लाकर जीना ही गुरु वरदान है।

जियो तो ऐसे कि हर जन तुम्हारा है,
इस परिवार में ना कोई पराया है
तब जीने का हर पल तुम्हारा है। शिशु की तरह सौंप दो अपने आपको,
तब समय का हर पल तुम्हारा है।

समय की लय में गतिमान होकर,
अपनी गरिमा स्वयं पहचान लो।
काल के लय में प्रवाहित होकर स्वयं में सनातन को पहचान लो।

क्यों गुरु ने ये सद्मार्ग सुझाया है?
इसे आत्मसात कर सदानंद बन जाओ।
सत्यम्, शिवम्, सुन्दरम् की प्रतीति से भर जाओ।

जयशंकर प्रसाद सिंह
वाराणसी, उत्तर प्रदेश

'पथ के हर पर्वत के मद से दशरथ मांझी टकराएगा'

सिल्क्यारा उत्तरकाशी में बन रही टनल जब ध्वस्त हुई,
इकतालिस श्रमिकों की सांसें पर्वत के ही उदरस्थ हुई।
प्रार्थना, दुआ, अरदास, यज्ञ, जिसकी जैसी प्रभुताई थी,
दुनिया से टेक्नोलॉजी की भी मदद निरंतर आई थी।

फिर थकने लगे ज्ञान-कौशल, रह गए प्रार्थनाओं के बल,
खबरों में भय ऐसा व्यापा, ना जाने क्या हो जाए कल।
भीतर जिजीविषा की सांसें, बाहर यंत्रों की धड़कन से,
यह रण था पर्वत के सन्मुख दशरथ मांझी जैसे प्रण से।

यह धरती गिरमिटिया श्रमिकों की सहनशक्ति से परिचित है,
कोविड का त्रासद अवसर भी श्रमिकों से हुआ पराजित है।
श्रम के कर में हैं जगन्नाथ, पर्वत पा सकता पार नहीं,
बीते सप्तदश दिवस चाहे, श्रम की हो सकती हार नहीं।

था अल्पविराम मशीनों से, श्रमिकों ने पूर्ण विराम दिया,
शिक्षा-तकनीक सहायक थी, श्रम ने सर्वोत्तम काम किया।
श्रम की जिजीविषा जीत गई, विजयी श्रम का पुरुषार्थ हुआ,
सौरज, धीरज के पहियों पर श्रम का रथ है, चरितार्थ हुआ।

हर कठिन परिस्थिति साक्षी है, शिक्षित पहले घबराता है,
जिसको अक्षर तक ज्ञान नहीं, हर मुश्किल से टकराता है।
मानवता के कल्याण हेतु जब कदम बढ़ाया जाएगा,
पथ के हर पर्वत के मद से दशरथ मांझी टकराएगा।

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

नाग देवता का पांचवा धाम 'सेममुखेम'

घुमक्कड़ की पाती ऋषिकेश में एक सन्यासी से मेरी मुलाकात हुई, उन्होंने मुझे सेममुखेम के बारे में बताया। मुझमें एक अलग सा आकर्षण इस धाम के प्रति जाग उठा , मन में कौतूहल हुआ की बस जल्दी ही इस धाम को अपनी आंखों से देखूं और महसूस करूं। उनके मार्गदर्शन ने काफी हद तक सफर को आसान कर दिया। उनसे रास्तों और इन रास्तों पर पड़ने वाले सभी प्रमुख जगहों की अच्छी जानकारी प्राप्त हुई।

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

सेममुखेम एक प्रसिद्ध तीर्थस्थल है जिसे लोग सेम नागराजा के नाम से जानते हैं। इसे नाग देवता का पांचवा धाम भी कहा जाता है। घनसाली मार्ग द्वारा उत्तरकाशी से पोखाल के लिए जाते हुए यह जगह करीब 30 किमी चलने पर बीच में पड़ती है। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण दुर्गमता तो है लेकिन यह पूरा रास्ता हरा भरा और बहुत ही खूबसूरत है। दिल्ली से इस जगह पर आने वाले ज्यादातर यात्री नेशनल हाईवे 34 से कोटद्वार, पौड़ी और श्रीनगर होते हुए गडोलिया नाम की एक छोटी सी जगह पर पहुंचने के बाद लंबगांव की तरफ बढ़ते हैं। यहीं से एक रास्ता कटकर नई टिहरी को भी जाता है।

सेम नागराजा के दर्शनों के लिए लंबगांव होते हुए जाना होता है। यह एक तरह से सेम जाने वाले यात्रियों का मुख्य पड़ाव है। पहले जब सेम मुखेम तक सड़क नहीं थी तो यात्री एक रात यहां विश्राम करने के बाद दूसरे दिन अपना सफर शुरू करते थे। ट्रेकिंग के शौकीन लोग यहीं से तकरीबन पन्द्रह किमी की चढ़ाई करके इस जगह पर पहुंचते और अपना कैंप लगाते हैं। यहां का वातावरण कैम्पिंग और हाईकिंग दोनों ही तरह की गतिविधियों के लिए काफी अनुकूल है। सड़क बनने से अब इस मार्ग की दूरी बढ़ गई है लेकिन सफर काफी आसान हो गया है।

लंबगांव से अब कोई भी तैतीस किलोमीटर का सफर बस या टैक्सी से तय करने के बाद तबला सेम पहुंच सकता हैं। यहां से मंदिर पहुंचने के लिए सिर्फ ढाई किमी का पैदल सफर करना होता है। पर वह कहते हैं ना कि हर जगह की अपनी एक चुनौती होती है। पहले के लोगों के लिए पन्द्रह किमी की खड़ी चढ़ाई चुनौती लगती थी अब महज ढाई किमी लगती है। यह चुनौती इस समय मेरे सामने भी है। साइकिल ऊपर जा नहीं सकती है और पैदल आने जाने का मतलब है दोपहर से शाम हो जाना। फिर सोचा कि रात कहीं ना कहीं तो रुकना ही पड़ेगा।

साइकिल एक दुकान पर रखा पीठ पर बैकपैक लादा और चल पड़े। आगे बढ़ने का मतलब प्रकृति के सम्मोहन में एक तरह से खोना ही कहा जाएगा। आखिरकार, डेढ़-दो घंटे की चढ़ाई के बाद सेममुखेम पहुंच गया। यह मंदिर पर्वत के सबसे आखिरी छोर पर स्थित है। इस जगह पर पहुंचने के बाद महसूस किया कि जगहों पर पहुंचने की भी अपनी एक खुशी होती है। इसमें आश्वस्ति का गहरा भाव और बोध निहित होता है। इसलिए ही गंतव्य पर पहुंच रास्तों की सारी उकताहट को भूल इंसान शांत भाव से उस जगह के सम्मोहन में खो जाता है।

इस जगह पर पहुंचकर मेरी भी सारी की सारी भागदौड़ मानोंकि छूमंतर हो गई।मंदिर की भव्यता का अंदाजा मंदिर के मुख्य द्वार से ही लग जाता है। लंबे चौड़े इस द्वार के ऊपर नागराज के फन पर भगवान कृष्ण वंशी की धुन में लीन हैं। आंख मुंह पर पानी की छीटें मारने के बाद मैं मंदिर में प्रवेश करता हूं। महात्मा जी मंदिर के बारे में तरह-तरह की जानकारी देते हैं। वह मन्दिर के गर्भगृह में नागराज की स्वयं भू-शिला दिखाते हुए बताते हैं कि यह शिला द्वापर युग की है। मंदिर के दायीं तरफ कुछ मूर्तियां स्थापित की गईं हैं। वहां भी ले जाते हैं और कहते हैं कि यह गंगू रमोला के परिवार है। इस मंदिर में सेम नागराजा की पूजा करने से पहले गंगू रमोला की पूजा की जाती है। दर्शन तो हो गए लेकिन मेरे मन में बार-बार यही ख्याल आता रहा कि आखिर यह गंगू रमोला कौन हैं?

महात्मा जी ने बताया कि मुखेम गांव- सेम मंदिर के पुजारियों का गांव है जिसकी स्थापना पांडवों ने की थी। गंगू रमोला जो उस समय रमोली पट्टी का गढपति था उसी का ये गांव है। गंगू रमोला ने ही सेम मंदिर का निर्माण करवाया था।

पौराणिक कथाओं के अनुसार यहां भगवान श्रीकृष्ण के रूप में पूजे जाने वाले नागराजा की कथाएं भी वीर भड़ गंगू रमोला से जुड़ी हैं।

गंगू रमोला रमोली व रैका गढ़ के साथ 12 गढ़ों का गढ़पति था। अपनी प्रजा से गंगू को बेहद लगाव था, लेकिन श्री कृष्ण के रूप नागराजा की पूजा करने तथा एक साधु को ढाई गज जमीन देने से गंगू रमोला ने इन्कार किया। जिसकी वजह से उसे श्राप दे दिया गया और उसकी सारी संपन्नता बिखर गई। बाद में उसे अपनी भूल का अहसास हुआ तो उसने यह मंदिर बनवाया और नागराजा जात्रा की शुरूआत की जो वर्तमान में हर तीन साल पर आयोजित की जाती है।

इस मंदिर के यहां होने को लेकर भी एक पौराणिक कथा है। कथा के अनुसार जब गंगू रमोला ने उस साधु को रहने की जगह नहीं दिया तो वे एक डांडा यानि की पौड़ी गढ़वाल जाकर रहने लगे। जिसको वर्तमान में डंडा नागराज के रूप में जाना जाता है।

साधु के जाने के बाद गंगू रमोला के साम्राज्य में अकाल पड़ने लगा, भेड़ बकरियां मरने लगी तो उन्होंने साधु को दोबारा आने का आग्रह किया। साधु वापस आए और सेम में शिला के बगल में अपने रहने के लिए एक घर बनाया। ऐसा माना जाता है कि यह शिला वासुकी नागराज की है जिसे कृष्ण ने गोकुल में हारने के बाद यहां हिमालय सेममूखेम जाने का आदेश दिया था।

इतना कुछ जानने समझने के बाद मेरे मन में कई तरह के ख्याल आये। लेकिन मैंने इन सबमें सिर्फ और सिर्फ लोगों की आस्था, श्रद्धा और विश्वास को तरजीह दिया और मन में भक्ति का भाव लिए वापस आ गया।

व्यंग्य ■ बर्बरीक

'फिजेरिया'

दिलीप कुमार

सूट पहन के, लगा के चश्मा
कहां चले ओ मतवाले,
गिटपिट इंग्लिश बोल रहे हो
हिंदी की गले में तख्ती डाले
मैंने यूं ही पूछा?
'चले हम फीजी, हिंदी के लिये
जल मत ओ बुरी नजर वाले
पूछा नहीं बे, तुझे ओ व्यंगकार
तेरे दिल में क्या चलते भाले'।

उनकी बात सुनकर मैं स्तब्ध रह गया। मैंने उन पर व्यंग्य की चिकोटी काटी थी उन्होंने तो व्यंग्य का ब्रम्हास्त्र छोड़ दिया ।

एक तो मैं वैसे ही सौतिया डाह की ईर्ष्या से जला-भुना बैठा था कि लिस्ट में फिजी जाने वालों में मेरा नाम सबसे ऊपर था । मैंने मंत्री जी की चिट्ठी और अनुसंसा पत्र भी लगवाया था । मंत्रालय की दो महिला सचिवों की अधूरी किताबों को पूरा कर-के उनको दिखवा लिया था और कई पत्रिकाओं के सम्पादकों से बात भी कर ली थी। बाकी केक, मिठाई, और यशोगान, परिक्रमा तो मैं मंत्रालय की बरसों से कर रहा हूं, ये उसी का पुण्य प्रताप था कि देश में भले ही औसत से भी कमतर ग्रेड का लेखक लोग मुझे समझते रहे हैं, लेकिन सरकारी फाइलों में मेरी कीर्ति का मौसम गुलाबी ही रहता है। मैं वहां पर हिंदी साहित्य के प्रमुख हस्ताक्षर के तौर पर दर्ज हूं, ये अलग बात है कि हर फाइनल लिस्ट में मेरा नाम होने के बावजूद फाइनली मेरा नाम छूट ही जाता है। न जाने कब ये शनि की साढ़ेसाती दूर होगी और मैं हिंदी सम्मेलन में विदेश जाऊंगा। मैंने पंडित जी को हाथ दिखाया और पूछा 'हिंदी सम्मेलन में स्वर्ग जैसे विदेश जाने की चाह कब पूरी होगी'।

उन्होंने स्पष्ट कहा-
'स्वर्गवासी होने के बाद'।

फीजी की अपने साथियों के होटल, समुद्र तट और रंगीन तस्वीरों को देखकर मैं अंगारों पर लोट रहा था। वैसे तो मैं सम्मेलन की आखिरी उड़ान के बाद ही मैंने उधर की तरफ सोचना -देखना बंद कर दिया था।

लेकिन मेरे व्यंग्यकार साथियों ने फिजी में सुबह मिलने वाली चाय से लेकर सोने के समय तक की फोटुओं में टैग कर के इतना जलाया है कि ईर्ष्या के मारे मेरा बीपी लो हो गया। वो लोग भी जानते थे कि मैं कुढूंगा, चिढूंगा, जलूंगा, इसलिये फिजी से वो लोग फोटो डालकर मुझे ही फेसबुक पर टैग करते थे, वो जानते थे कि व्यंग्य बिरादरी अपनी तरक्की नहीं बल्कि अपने साथी व्यंग्यकारों को चिढ़ने-चिढ़ाने से ही चलती है ।

मैंने निराशा में फेसबुक ही आन करना छोड़ दिया कि अब जब फिजी सम्मेलन की चर्चा खत्म ही हो जाएगी तभी उधर जाएंगे।

लेकिन मेरे साथी व्यंग्यकार मुझे घाव देने का कोई भी अवसर छोड़ना नहीं चाहते थे, सो उन सारे व्हाट्सएप समूहों में जबरदस्ती जुड़कर अपने खूब फोटो -वीडियो भेजी और मुझे ललकार कर सार्वजनकि रूप से मेरी प्रतिक्रिया भी मांगी। मन के अंदर अंगारों पर लोट रहा था लेकिन मन मारकर मुझे उन सभी को सार्वजनिक रूप से बधाई देनी पड़ी।

ऊपर से लोगों के सवाल कि 'तुम फीजी क्यों नहीं गये'

पहले तो कुछ दिन टालता रहा कि मैं व्यस्त हूं। आफिस से परमीशन और छुट्टी दोनों नहीं मिलेगी। लेकिन ये चोंचले जब पुराने पड़ गए और लोगों ने मेरा मजाक उड़ाना शुरू कर दिया इस बात की नजीर देकर कि फिजी जाने वाले भी लोग तो आफिस के और सरकारी लोग ही हैं।

उनके इन तर्कों से मैं जवाब दे पाता तब तक किसी ने श्रीमती जी को बता दिया कि सरकार हिंदी के साहित्यकारों को फ्री में फिजी घुमा रही है, आप भी चाहें तो सपरिवार फिजी जा सकती हैं।

मेरे मन के अंदर की उठापटक और सोशल मीडिया के स्यापे अचानक उछलकर मेरे घर में पहुंच गए।

सुबह -शाम वो पूछने लगीं 'हम फिजी क्यों नहीं जा रहे हैं'?

अब इस यक्ष प्रश्न का मैं क्या जवाब देता कि किसी नामाकूल साथी ने फाइनल लिस्ट में मेरी जगह अपना नाम डलवा लिया हमेशा की तरह फाइनली।

काफी लानत-मलानत और फजीहत के बाद मैं उन्हें समझा पाया कि-

'सपरिवार जाने के लिये पूरे परिवार का पासपोर्ट होना जरूरी है। उस सम्मेलन में जाने के लिये बहुत पहले वीजा के लिये एप्लाई करना पड़ता है । वीजा मिल जाने के बाद भी कई बार नामालूम वजहों से लोगों को हवाई अड्डे पर रोक लिया जाता है' ये कहते हुए मैंने 17 ऐसे अधिकारियों की खबर गूगल पर दिखाई जो उल्टे पांव फिजी से बाफजीहत लौटा दिए गए थे, क्योंकि उनका वहां होना गैर जरूरी था ।

श्रीमती जी इन तर्कों से न पिघलीं। उन्होंने साफ-साफ कहा-
'वो सब तो अधिकारी थे, साहित्यकार थोड़े न थे, जब साहित्यकारों का सम्मेलन था तो अधिकारियों की वहाँ क्या जरूरत थी। जिनकी जरूरत हो उन्हें ही वहां जाना चाहिए था'।

मैं श्रीमती जी को कैसे समझाता कि इस क्रॉनिक प्रश्न का उत्तर बरसों से हिंदी के लेखक और पाठक ढूंढ रहे हैं कि लेखक से ज्यादा अधिकारी विश्व हिंदी सम्मेलनों में क्यों जाते रहते हैं?

मुझे कुछ न सूझा तो मैंने मस्का मारते हुए बात को लपेटा-
'यही तो बात है बेबी, यही तो यूयसपी है इस मेले की , यहां पर वही जाते हैं, जिन्हें वहां नहीं होना चाहिए था, ये हमेशा से होता आया है,आगे भी होता रहेगा'।

श्रीमती मेरे तर्कों से हल्का सा मुतमईन तो हुईं लेकिन अगले ही पल उन्होंने अपनी असहमति का रोना रोते हुए कहा-

'चलो ठीक है, हम पकड़ लिए जाते फिजी के हवाई अड्डे पर तो कुछ ले-देकर छूट जाते । वहां भी पुलिस ही तो होती ,जैसे यहां कि पुलिस वैसे ही वहां की पुलिस। यहां भी तो हम एक ही मोटरसाइकिल पर हम -तुम और हमारा बेटा कितनी बार पकड़े गए हैं लेकिन कभी चालान हुआ क्या। कभी बातचीत से कभी कुछ ले-देकर छूट ही गए। लेडीज साथ में हो तो पुलिस वाले भी कुछ नहीं बोलते, इतना तो मैं भी समझती हूं, ज्यादा मत समझाओ मुझे, तुम्हारे ही मन में खोट था, जो मुझे कहीं साथ नहीं ले जाना चाहते। अब मैं तुम्हारे लायक नहीं हूं ना'

ये कहकर पहले तो वो सुबकने लगी फिर उसकी आँखों से जार-जार आंसू बहने लगे।

मैं इस इमोशनल अत्याचार से पूरी तरह बोल्ड हो गया। बात कहां से निकली थी और कहां लाकर पटक दी। वाह री नारी शक्ति तुझे प्रणाम, तुम विधाता को प्रणाम क्यों करती हो, विधाता को तुम्हें प्रणाम करना चाहिए।

ये सब कुछ देर तक चलता रहा और मैं किंकर्तव्यविमूढ़ होकर सोचता रहा।

किंतु हा, धन्य मानव।
'मानुष जब जोर लगाता है
पत्थर पानी बन जाता है।'

सहसा मुझे एक तरकीब सूझी। मैंने अपने स्मार्ट टीवी पर डिस्कवरी के बेहद लोकप्रिय शो 'बैंगड्डु अब्राड' शो को लगाया और उसकी भाषा को मोबाइल रिमोट से बदलकर अंग्रेजी से हिंदी कर दी। मैं जानता था कि भले ही अंग्रेजी फिल्मों का श्रीमती जो को बहुत शौक था मगर वो अंग्रेजी फिल्में हिंदी चैनलों पर ही देखना पसंद करती थीं, क्योंकि मेरी तरह उनका हाथ भी अंग्रेजी में खासा तंग था। मुझे उम्मीद थी कि हिंदी की वजह से जो संकट मेरे घर -गृहस्थी में पैदा हुआ है वो अंग्रेजी भाषा ही दूर कर सकती है।

'बैंगड्डु अब्राड' के दो तीन शो उन्होंने देखे और शाम तक उनकी समझ में कुछ न कुछ आ ही गया। वो कुछ समझीं -कुछ बूझी और अंत में मुझसे पूछ बैठीं-

'देखिये हम कोई ड्रग्स या बम बारूद लेकर तो जा नहीं जा रहे थे जो पकड़े जाते तो जेल जाते। वैसे भी हिंदी के लेखक के पास होता ही क्या है?'

उनके इस सवाल ने मेरे मर्म पर बड़ी गहरी चोट की।

हिंदी का लेखक अगर शादीशुदा हो तो उसे दोहरी चोट मिला करती है, घर-बाहर दोनों जगह।

मैंने श्रीमती जी को समझाना चाहा-

'तनिक सोचो अगर हम फिजी हवाई अड्डे पर भले ही जेल न जाते लेकिन अगर वहां हवाई अड्डे अगर डिपोर्ट किये जाते या उल्टे -पांव लौटा दिए जाते तो हमारी कितनी बेइज्जती होती, हमारे सब रिश्तेदार हमारी खिल्ली उड़ाते कि चौबे जी छब्बे जी बनने गए थे, दुबे जी बनकर लौटे। और खास तौर से तुम्हारी सखियां -सहेलियां तुम्हारा अपमान करतीं तब।'

मैंने शब्दों की गुगली डाली।

श्रीमती जी ने मेरे शब्दों की गुगली को जांचा -परखा और फिर उस पर अपने तर्क का छक्का लगाते हुए बोलीं-

'वो सब मैं सह लेती , कम से कम इसी बहाने हम मुफ्त में हवाई जहाज से फिजी तो पहुंच जाते। वैसे तो तुम्हारा लेखन दो कौड़ी का भी नहीं है ,लेकिन अगर कभी लेखन काम भी आने लगे तो तुम्हारी भूसा -बुध्दि पूरा गुड़ गोबर कर देती है। फुद्दू कहीं के'

ये कहते हुए वो वहां से पैर पटकते हुए चली गयीं।

उनके जाने पर मैंने चैन की सांस ली और बाजार की तरफ चल पड़ा कि आज हिंदी सम्मेलन में न पहुंच पाने का गम अंग्रेजी पीकर मनाया जाएगा। रास्ते में अकारण मेरे मुंह से एक गीत फूट पड़ा

'न छेड़ो हमें हम फिजीयाये हुए हैं'

अचानक दूसरी तर्ज का गीत याद आया-

'सर्दी -खांसी न मलेरिया हुआ
ये गया यारों, इसको फिजेरिया हुआ'

आपको भी तो लवेरिया की तरह फिजेरिया नामक लाइलाज मर्ज नहीं हो गया है?

खुदा या,,, खैर।

ईडी के साक्ष्य के बावजूद आरोपियों पर FIR न करने को लेकर HC में PIL दायर

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपियों के खिलाफ ईडी के दिए साक्ष्य के साथ राज्य सरकार को सूचना उपलब्ध कराने के बावजूद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं होने के खिलाफ रिटायर्ड आईपीएस अरुण कुमार उरांव ने शनिवार को जनहित याचिका दाखिल की है।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अभय कुमार मिश्रा ने यह जनहित याचिका दाखिल की है। इसमें कहा गया है कि सेक्शन 66(2) ऑफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2002 के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राज्य सरकार को आरोपियों के खिलाफ साक्ष्य एवं सूचना उपलब्ध करायी जाती है लेकिन राज्य सरकार इस पर कोई एक्शन नहीं लेती है। मनी लॉन्ड्रिंग करनेवाले भ्रष्ट अधिकारियों एवं अन्य आरोपितों के खिलाफ झारखंड सरकार को साक्ष्य एवं सूचना मिलने के बाद भी कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा रही है। राजीव अरुण एक्का, प्रेम प्रकाश आदि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई से सरकार बचती है।

ईडी के साक्ष्य एवं सूचनाओं के बाद भी आरोपितों की फाइल को सरकार के अधिकारी दबा कर बैठ जाते हैं। याचिकाकर्ता ने कहा है कि निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम की 36 फेक सेल डीड पकड़ी गई, उनकी कई संपत्तियों को ईडी ने अटैच किया। इसके बाद भी पीसी एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज नहीं की गयी।याचिका में कहा गया है कि ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर प्रार्थी ने राज्य के मुख्य सचिव के पास 11 अक्टूबर को अभ्यावेदन दिया था लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

साहिबगंज में चाइल्ड ट्रैफिकिंग मामले में एफएसएल ने हाईकोर्ट को दी जानकारी

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट में साहिबगंज में चाइल्ड ट्रैफिकिंग से जुड़े एक मामले में आरोपित कुलदेव साह की दो क्रिमिनल अपील मामले में विधि विज्ञान निदेशालय एवं प्रयोगशाला, रांची ने हाई कोर्ट में जवाब दाखिल किया है। यह रिपोर्ट विधि विज्ञान निदेशालय के डिप्टी डायरेक्टर बृज कुमार ठाकुर ने दायर किया है। उन्होंने बताया है कि कोर्ट ने आठ नवंबर को विधि विज्ञान निदेशालय से बरामद बच्चे एवं उसके पिता की डीएनए रिपोर्ट मांगी थी। डीएनए रिपोर्ट में बरामद बच्चे और उसके तथा पिता की डीएनए मैच नहीं हुआ है, जिससे यह निष्कर्ष निकलता है कि बरामद लड़का पीड़ित पिता का बायोलॉजिकल पुत्र नहीं है। पिछली सुनवाई में साहिबगंज एसपी नौशाद आलम ने हाई कोर्ट में शपथ पत्र दाखिल कर डीएनए टेस्ट को एक जटिल प्रक्रिया बताते हुए कोर्ट से समय की मांग की थी। मामले की सुनवाई जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अध्यक्षता वाली खंडपीठ कर रही है। खंडपीठ ने पिछले सुनवाई में दो गुमशुदा बच्चों में से बरामद किए गए एक बच्चे के डीएनए टेस्ट की रिपोर्ट डायरेक्टर फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी रांची मांगी थी। उल्लेखनीय है कि कुलदेव साह व वीरेंन साह के खिलाफ परिवादी एम हेंब्रम ने साहिबगंज कोर्ट में अपने बेटे की चाइल्ड ट्रैफिकिंग करने को लेकर कंप्लेन केस संख्या 148/ 2022 दर्ज कराई थी। उनका बच्चा वर्ष 2018 से लापता है।

जिस राज्य में हुआ जन्म, वहीं मिलेगा आरक्षण का लाभ : हाईकोर्ट

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा है कि अगर कोई महिला बिहार में या किसी दूसरे राज्य में आरक्षित श्रेणी में आती है, लेकिन उसकी शादी झारखंड में हुई है तो उसे आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया है कि जिस राज्य में किसी व्यक्ति का जन्म हुआ है, उसे उसी राज्य में आरक्षण का लाभ मिलेगा। दरअसल वर्ष 2016 में जेएसएससी ने शिक्षक नियुक्ति के लिए विज्ञापन जारी किया था। इस नियुक्ति प्रक्रिया में रीना राणा भी शामिल हुई थीं। मेंस परीक्षा में सफल होने के बाद प्रार्थी को इंटरव्यू और सर्टिफिकेट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया गया था। जहां उन्होंने अपने पति के कास्ट सर्टिफिकेट के आधार पर आरक्षण का दावा किया था। लेकिन जेएसएससी ने रीना राणा को आरक्षण का लाभ देने से इनकार कर दिया। जिसके बाद उसने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर आरक्षण की मांग की थी।

BRIEF NEWS

स्वास्थ्य विभाग ने कोरोना को लेकर जारी किया सामान्य अलर्ट

RANCHI : देश में कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर राज्य में स्वास्थ्य विभाग ने कोरोनो के प्रसार को रोकने के लिए सामान्य अलर्ट जारी किया है। हालांकि, रांची नगर निगम को अभी भी दिशा-निदेशों का इंतजार है। निगम सामान्य निगरानी और स्वच्छता के माध्यम से कोरोना के प्रसार रोकेगा। वायरस के प्रसार से निपटने के लिए किसी भी तरह के विशेष उपायों को लागू नहीं किया गया है। इस बाबत नगर प्रशासक अमित कुमार ने बताया कि शहर में लोगों के बीच जागरुकता फैलाई जाएगी। जैसे-जैसे मामले बढ़ते हैं उस आधार पर आगे के उपाय किये जाएंगे।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने गरीबों के बीच कंबल बांटे

RANCHI : कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने रांची स्थित पार्टी कार्यालय में शनिवार को गरीब लोगों के बीच कंबल का वितरण किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हाथ गरीबों के साथ हमेशा रहा है। महागठबंधन सरकार भी ह्यआपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारह्ल कार्यक्रम के तहत राज्य के गरीब जरूरतमंदों के बीच कंबल बांटती रही है। कांग्रेस पार्टी के नेता भी ठंड को देखते हुए लोगों के बीच कंबल बांटते रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कंबल कांग्रेस नेता सह समाजसेवी अजय जैन गंगवाल ने पिता कन्हैयालाल जैन गंगवाल की पुण्यस्मृति पर दिया। इसे गरीब लोगों के बीच बांटा गया।

छोटे कारोबारियों को जागरूक करने के लिए राज्य सरकार देगी प्रशिक्षण

RANCHI : नगर विकास एवं आवास विभाग राज्य के फुटपाथ पर कारोबार कर रोजी-रोटी कमाने वालों को उनके लिए बने कानूनों की जानकारी दी जायेगी। नगरीय प्रशासन निदेशालय इस काम में एजेंसियों, एनजीओ और कंपनियों की मदद लेगा। निदेशालय के मुताबिक पथ विक्रेताओं के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 तथा 2024-25 में दिन-एनयूएलएम के एसयूएसवी घटक के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम तय किया गया है। यह दो दिवसीय प्रशिक्षण गैर आवासीय उन्मुखीकरण सह प्रशिक्षण कार्यक्रम होगा। राज्य के 49 नगर निकायों के पथ विक्रेताओं को इसका लाभ मिलेगा। ये ऐसे लोग हैं जो फुटपाथ पर फल, सब्जी, अंडा, मांस, मछली, खाने-पीने (भुंजा, सौंदर्य सामग्री), स्टेशनरी, बांस से बनी सामग्री, मिट्टी से बने बर्तन, कपड़े इत्यादि की बिक्री करते हैं। ऊन से बनी सामग्री, रूई से बनी तोशक, रजाई, तिरपाल, प्लास्टिक और इससे बनी सामग्रियां भी बेचने का काम करते हैं। दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिये पथ विक्रेताओं को उनसे संबंधित नीतियां, कानूनी अधिकार, दायित्व, खाद्य सुरक्षा, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य बनाए रखने, अपशिष्ट निपटान आदि से संबंधित जानकारी मिलेगी। उनकी जागरुकता ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम से बढ़ेगी।

पुलिस ने अपहरण कर हत्या करने के दो आरोपियों के घर चिपकाया इश्तेहार

RANCHI : रांची के पंडरा ओपी पुलिस ने रोशन कुमार की अपहरण कर हत्या करने के दो आरोपितों के घर पुलिस ने शनिवार को इश्तेहार चिपकाया है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में पंडरा ओपी की पुलिस की टीम ने राहुल दयाल के टेंडर ग्राम स्थित आवास और पंडरा आईटीआई बस स्टैंड के समीप बिन्नी दयाल के घर पहुंचे और इश्तेहार चिपकाया है। उल्लेखनीय है कि 25 अप्रैल 2018 में पंडरा ओपी क्षेत्र के हेसल जतरा टांड़ के फागू कुजूर के पुत्र रोशन कुजूर का अपहरण कर लिया गया था। इसके बाद उसे झिरी टेंडर ग्राम ले जाकर उसकी गोली मार हत्या कर दी गयी थी।

टेट पास सहायक अध्यापक 26 को करेंगे मुख्यमंत्री आवास का घेराव

राजभवन के समीप पिछले 124 दिनों से दे रहे अनिश्चितकालीन धरना

PHOTON NEWS RANCHI : टेट सफल सहायक अध्यापक समन्वय समिति के प्रदेश संरक्षक प्रमोद कुमार ने कहा कि टेट पास सहायक अध्यापक 26 दिसम्बर को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। उन्होंने शनिवार को कहा कि राजभवन के समीप पिछले 124 दिनों से अनिश्चित कालीन धरना दे रहे है। उन्होंने कहा कि सरकार के तरफ से सिर्फ आश्वासन आश्वासन ही मिल रहा है। अगर 25 दिसम्बर तक वेतनमान सरकार नहीं देगी और टेट पास पारा शिक्षकों के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री फैसला नहीं लेते है तो 26 दिसम्बर को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा।

धरने पर बैठे सहायक अध्यापक। ● फोटोन न्यूज

हेमंत सोरेन बीते 2019 के विधानसभा चुनाव में विभिन्न मंचों से घोषणा की थी कि उनकी सरकार राज्य में बनती है तो तीन माह के अंदर में पारा शिक्षकों को वेतनमान दिया जायेगा। लेकिन अबतक ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि 26 दिसम्बर को मुख्यमंत्री आवास घेराव का नेतृत्व दशरथ ठाकुर, मिथलेश उपाध्याय, मोहन मण्डल सहित अन्य करेंगे।

नशे में युवक ने हाईकोर्ट के जस्टिस की कार में मारा धक्का, गिरफ्तार

RANCHI : शराब के नशे में युवक ने झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस की कार में धक्का मार दिया। यह घटना शुक्रवार की रात धुर्वा थाना क्षेत्र स्थित वाईबीएन स्कूल के पास हुई। जहां स्पीड ब्रेकर के पास शराब के नशे में दिनेश कुमार राम नाम के युवक ने जस्टिस आनंद सेन की कार में पीछे से धक्का मार दिया। इस घटना के बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। जिसके बाद पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक को गिरफ्तार कर लिया। जस्टिस आनंद सेन अपनी गाड़ी से धुर्वा जेएससीए स्टेडियम होते हुए अपने घर लौट रहे थे। उसी समय दिनेश कुमार राम ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। वह शराब के नशे में था। उसके पास बाइक चलाने का लाइसेंस तक नहीं था।

न्यूटन ट्यूटोरियल्स का सेमिनार, आईआईटी और मेडिकल परीक्षा में अच्छे अंक लाने के दिये गये टिप्स

PHOTON NEWS RANCHI : पतरातू डीएवी पब्लिक स्कूल और केंद्रीय विद्यालय में न्यूटन ट्यूटोरियल्स ने सेमिनार का आयोजन किया। सेमिनार का विषय था आगामी आईआईटी (जेईई) और मेडिकल की परीक्षाओं में कैसे ज्यादा से ज्यादा अंक एवं अच्छा रैंक प्राप्त किये जाये। भविष्य में इन परीक्षाओं के लिए बच्चे कैसे योजना पूर्ण ढंग से तैयारी करें ताकि सफलता मिले।इस अवसर पर एनके मुरलीधर ने कहा की पैरेंटस को अपने व्यवहार में बदलाव कर बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए। मौके पर बोलते हुए मदन मोहन ने कहा कि बच्चों को किन बातों पर ध्यान देना चाहिए। रसायन विज्ञान के शिक्षक पंकज कुमार ने कहा कि लगातार प्रयास की जरूरत है। प्रणव कुमार ने भौतिकी की तैयारी से संबंधित जानकारी दी।

सेमिनार में शामिल छात्र-छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

समारोह के अंत में न्यूटन ट्यूटोरियल्स के डाइरेक्टर इमरान अली ने बोर्ड और प्रतियोगिता परीक्षा के अंतर को स्पष्ट किया। इमरान अली ने कहा कि जेईई और मेडिकल की तैयारी के लिए सबसे उपयुक्त समय है 8वीं। हालांकि अगर योजना क्लास 9वीं से बनाते हैं तो बहुत ही अच्छा, मगर 10वीं के बाद तो जरूर से जरूर शुरू कर दें। तैयारी शुरू करने से पहले क्लास 10वीं में अपना बेसिक जरूर सुधार लें ताकि आगे आपको कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

इस दौरान क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें डीएवी पब्लिक स्कूल और केंद्रीय विद्यालय के बच्चों के बीच पुरस्कार वितरित किया गया। जिसमें श्रीशा श्रेया, अमन कुमार, प्रियांशु कुमार साव, आरुषि

आर्चबिशप हाउस पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन राज्यवासियों को दी क्रिसमस पर्व की बधाई

आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो के साथ सीएम हेमंत सोरेन व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन शनिवार को पुरुलिया रोड स्थित आर्चबिशप हाउस पहुंचकर आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो से मुलाकात कर उन्हें क्रिसमस पर्व की हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आर्चबिशप हाउस परिसर में बालक प्रभु यीशु के दर्शन किए।

मौके पर आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो ने भी मुख्यमंत्री को क्रिसमस पर्व की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रिसमस का पर्व हम सभी के लिए बहुत उत्साह, उमंग और खुशी का पर्व होता है। मैं क्रिसमस पर्व के मौके पर पूरे झारखंड वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं एवं प्रभु यीशु से राज्यवासियों के लिए अमन-चैन तथा सुख, समृद्धि की कामना करता हूं।

इस अवसर पर आर्च बिशप फेलिक्स टोप्पो, सहायक धर्माध्यक्ष बिशप थियोडोर मास्करेन्हास, फादर मुकुल कुल्लू, फादर असित टोप्पो, फादर अजीत कुमार खेस, फादर सहदेव प्रजापति, फादर सुशील बेक सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

चोरी का खुलासा, पांच गिरफ्तार

एक कार, एक लैपटॉप, एक बाइक, दो लाख नकद सहित कई सामान बरामद

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के पिठौरिया थाना पुलिस ने चोरी का खुलासा करते हुए एक गिरोह के पांच चोर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोरों में मो फैजान आलम, मो साद, मोहित कुमार राम, पकंज इन्दुआर और शेख अनवर शामिल है। इनके पास से एक आई 20 कार, एक लैपटॉप, एक प्लसर एनएस 200 बाइक, पर्श, आधार कार्ड, पैन कार्ड, मोबाईल फोन तीन पीस, चोरी का करीब दो लाख रुपया और सोने एवं चांदी के विभिन्न जेवरात बरामद किये गये है।

ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 13 दिसम्बर को पिठौरिया के केलाबागान और ओएना के पास दिन में ही घर का ताला तोड़कर जेवरात एवं अन्य सामानों की चोरी की गयी थी। मामले की

मीडिया को जानकारी देते ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो। ● फोटोन न्यूज

गंभीरता को देखते हुए सदर पश्चिमी अंचल इंस्पेक्टर राजकुमार यादव के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चोरी की घटना में शामिल लोगों को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपितों ने पूछताछ के क्रम में पिठौरिया थाना क्षेत्र के अलावे अनगड़ा थाना, एयरपोर्ट थाना, जगरनाथपुर थाना, बीआईटी मेसरा ओपी, लोअर बाजार थाना सहित अन्य थाना क्षेत्रों में भी चोरी करने की बात स्वीकार की है। गिरफ्तार आरोपितों ने बताया कि चोरी के सामान को बेचकर इनके जरिये कार, बाइक, लैपटॉप सहित अन्य सामान खरीदा गया है, सभी सामानों को भी विभिन्न स्थानों से बरामद किया गया।

फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन की कार्यकारिणी गठित

अधिकारियों को दिया गया दायित्व, आगामी कार्यक्रमों और संगठन विस्तार पर हुई चर्चा

PHOTON NEWS RANCHI : फेडरेशन ऑफ ऑल व्यापार संगठन की कार्यकारिणी की बैठक आज रांची प्रेस क्लब में अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला की अध्यक्षता में संपादित हुई, जिसमें संगठन के आगामी कार्यक्रमों और संगठन की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई और पदाधिकारी को मनोनयन-पत्र का वितरण किया गया।

संगठन में उपाध्यक्ष के पद पर रेणुका तिवारी और उमाशंकर सिंह को शामिल किया गया है, महासचिव के पद पर सत्येंद्र प्रसाद सिंह और कोषाध्यक्ष के रूप में विनोद कुमार बेगवानी मनोनीत किए गए हैं तथा कार्यकारिणी सदस्य के रूप में पीयूष अग्रवाल, ऋषभ सिन्हा, मनोज कुमार गोयल, प्रशांत कुमार प्रधान, हरीश नागपाल, श्वेता सांवरिया, शाहिद आलम, और संगीता अग्रवाल को सम्मिलित किया गया है।

संगठन ने अपने लॉ एंड ऑर्डर सब-कमिटी की जिम्मेवारी सत्येंद्र प्रसाद सिंह को सौंपी है और उन्हें इस कमिटी का चेयरमैन और हरीश नागपाल को को-चेयरमैन नियुक्त किया गया है, साथ ही प्रशांत कुमार प्रधान को प्रेस एंड मीडिया सब-कमिटी का चेयरमैन बनाया गया है। मृदुला और सुषमा सदस्य के रूप में सम्मिलित हुई। आज की बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई है और संगठन विस्तार पर उपस्थित पदाधिकारी के साथ चर्चा हुई।

29 दिसंबर को मुख्यमंत्री के मोरहाबादी कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

- मोरहाबादी मैदान में खुले आसमान के नीचे होगा भव्य कार्यक्रम का आयोजन
- विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभुकों के बीच किया जाएगा परिसंपत्तियों का वितरण

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के मोरहाबादी मैदान में मुख्यमंत्री के 29 दिसंबर को आयोजित किये जानेवाले राज्यस्तरीय कार्यक्रम की तैयारी जारी है। इसे लेकर उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में शनिवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम को लेकर अब तक गयी तैयारी की जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों

अधिकारियों संग बैठक करते उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा। ● फोटोन न्यूज

को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

उन्होंने बताया कि इस बार मोरहाबादी मैदान में खुले आसमान के नीचे भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, इसमें हजारों की संख्या में लोग पहुंचेंगे। उपायुक्त ने इस संबंध में लोगों के बैठने की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये। कार्यक्रम स्थल में लोगों के लिए पीने का पानी, शौचालय और आस पास साफ-सफाई को लेकर उपायुक्त ने नगर निगम के पदाधिकारी को निर्देशित किया। राज्यस्तरीय कार्यक्रम में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सरकार के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया जाएगा।

उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को विभिन्न योजनाओं के लाभुकों की सूची फाइनल करने के निर्देश दिये। विभिन्न प्रखण्डों से आनेवाले लाभुकों के आवागमन और खाने की व्यवस्था को लेकर भी उपायुक्त ने आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिये। कार्यक्रम के लाइव टेलीकास्ट के लिए उपायुक्त जरिये आवश्यक संख्या में एलईडी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था, वाहन पार्किंग, विभिन्न विभागों के झांकी-प्रदर्शन आदि को लेकर भी उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

अलीजा हज व उमराह टूर एंड ट्रावेल्स एजेंसी के कार्यालय का हुआ उद्घाटन

रांची व आसपास के क्षेत्रों से हज व उमराह पर जाने वालों को मिलेगा फायदा : हफीजुल हसन

PHOTON NEWS RANCHI : ओरमांझी-हज व उमराह पर जाने वाले लोगों के लिए नेवरी चौक में आज शनिवार को अलीजा हज व उमराह टूर एंड ट्रेवल्स एजेंसी कार्यालय का उद्घाटन झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक व खेल-कुद विभाग के मंत्री हफीजुल अंसारी व कांग्रेस पार्टी के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शहजादा अनवर ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

इस अवसर पर मंत्री हफीजुल हसन ने टूर एंड ट्रेवल्स एजेंसी खोलने वाले कारी मोइनुद्दीन रहमानी को बधाई देते हुए कहा कि इस्लाम मजहब में हज व उमराह को बड़ा इबादत माना गया है। अल्लाह के पाक घर मक्का और मदीना हज व उमराह पर जाने वाले यात्रियों के लिए हज व उमराह ट्रेवल्स एजेंसी का उद्घाटन होने से रांची आसपास के लोगों को अब काफी सहूलियत मिलेगा। शादी ब्याह में हो रहे फजूल खर्ची बंद होनी चाहिए।

फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन करते मंत्री हफीजुल हसन। ● फोटोन न्यूज

वहीं कारी मोईनुद्दीन रहमानी ने बताया कि क्षेत्र के लोगों को मक्का व मदीना जाने की बड़ी खाहिश होती है। लेकिन बेहतर इंतजाम नहीं रहने के कारण लोग हज व उमराह पर जाने के लिए सोचते थे। लेकिन अब क्षेत्र के लोगों को हज व उमराह पर जाने के लिए हमारे यहां सहूलियत उपलब्ध है। महज 01 लाख में दो व्यक्ति और 55 हजार में एक व्यक्ति अलीजा टूर एंड ट्रेवल्स के माध्यम से लोग उमराह पर आसानी से जा सकते हैं। इस एजेंसी के माध्यम से आने को सुविधा लोगों को दी जाएगी। जिसमें दोनों ओर की टिकट,तीन टाइम का खाना, उमराह वीजा व इंश्योरेंस,7 दिन मक्का और 7 दिन मदीना के साथ सभी जगहों का जियारत, लॉण्ड्री, सहित कई अन्य सुविधाएं दी जाएगी।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

BRIEF NEWS

बॉलीबॉल प्रतियोगिता का विजेता बना राइजिंग क्लब

ROURKELA : राउरकेला नगर निगम स्तर की खेल प्रतियोगिता 'नुआ-ओ जुबा ओडिशा-नवीन ओडिशा' की पहल के तहत युवा खेल प्रतिभाओं की खोज के लिए चल रही है। बॉलीबॉल टूनार्मेंट का फाइनल मैच आज सेक्टर 20 में राइजिंग फील्ड में आयोजित किया गया था। फाइनल मैच में, राइजिंग क्लब ने बीआर अंबेडकर क्लब को हरा कर चैंपियन बने।

एनआईटी में अपशिष्ट निपटारे पर तीन दिवसीय सम्मेलन

ROURKELA : मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी राउरकेला के तत्वावधान में अपशिष्ट से ऊर्जा, कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। अपशिष्ट-से-ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में शामिल हैं किसी भी अपशिष्ट उपचार प्रक्रिया का जो अपशिष्ट स्रोत से ऊर्जा बनाता है। सम्मेलन का उद्घाटन टाटा स्टील के वाइस प्रेसीडेंट डीबी सुंदर रामम ने किया। मुख्य अतिथि राउरकेला के सएसपी मित्रभानु महापात्रा थे। इस दौरान अतिथियों ने तकनीक के इस्तेमाल से अपशिष्ट को उपयोगी बनाने की बात कही।

जेवियर पब्लिक स्कूल कीताडीह के बच्चों ने लिया पिकनिक का आनंद

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के कीताडीह स्थित जेवियर पब्लिक स्कूल की ओर से जूनियर बच्चों के लिए पिकनिक का आयोजन किया गया। पिकनिक टाटा जूलॉजिकल पार्क में हुई। इसमें बच्चों का उत्साह देखने योग्य था। पिकनिक के साथ ही बच्चों के लिए क्रिसमस के उपलक्ष्य में केक की व्यवस्था की गई थी। डांस म्यूजिक के साथ बच्चों ने पिकनिक का भी आनंद उठाया। स्कूल की उप प्राचार्य सुमन शर्मा ने बच्चों को बताया कि वन्य जीव हमारे जीवन और पर्यावरण के लिए कितने जरूरी हैं। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव रमन झा, उप प्राचार्य सुमन शर्मा, आकांक्षा दुबे, सुष्मिता, पीएन शर्मा, अल्का, रश्मि समेत सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

आरवीएस इंजीनियरिंग कॉलेज में कर्मचारी कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

JAMSHEDPUR : स्थानीय आर वी एस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में कर्मचारियों के लिए चल रहे कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हुआ। कार्यक्रम के पांचवें व अंतिम माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के अन्तर्गत सिखाये गये सभी सॉफ्टवेयर टूल्स के लिए सभी कर्मचारियों का एक टेस्ट लिया गया। आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के आईक्यूएसी सेल की ओर से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य डॉ राजेश कुमार तिवारी ने प्रमाणपत्र वितरण किए। कार्यक्रम में प्राचार्य के अलावा आईक्यूएसी के सदस्य प्रो शैलेंद्र कुमार प्रसाद, प्रो कृष्ण मुरारी, प्रो शरद चंद्र महतो, डॉ शमशीर आलम, प्रो हेमंत कुमार महतो, एवं डॉ सुरजीत कुमार समेत सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

पुलिस ने व्यवसायी संदीप जैन की हत्या के प्रयास का किया पदार्फाश

दिल्ली की युवती से प्रेम प्रसंग के चलते संदीप की हत्या की दी गई थी सुपारी

PHOTON NEWS SUNDARGARH : रायपुर पुलिस ने व्यवसायी संदीप जैन की हत्या के प्रयास का पदार्फाश किया है। हत्या का प्रयास व्यावसायिक शत्रुता से प्रेरित नहीं था। संदीप को एक युवती से प्रेम प्रसंग के चलते हत्या की सुपारी दी गई थी। इस घटना के मास्टरमाइंड झारसुगुड़ा कोल ट्रांसपोर्ट के सुनील केडिया, सुनील के साथी सुंदरगढ़ ट्रांसपोर्ट के संतोष सिंह और सुपारी किलर अमन शर्मा को रायपुर तेलीबांधा पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है।

20 तारीख को रायपुर के कारोबारी संदीप जैन की हत्या के प्रयास में तेलीबांधा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए सुपारी किलर अमन शर्मा से पूछताछ की गई। अमन द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, उसने संतोष सिंह और सुनील केडिया के आदेश पर संदीप जैन पर गोली चलाई थी। अमन शर्मा और संतोष सिंह दोनों को थाने लाया गया और आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की गई। जांच से पता चला है कि पूरी घटना का मास्टरमाइंड झारसुगुड़ा ट्रांसपोर्ट के सुनील केडिया की दिल्ली की एक युवती से लंबे समय से दोस्ती थी। सुनील केडिया ने उस युवती को दिल्ली में एक फ्लैट खरीद कर तोहफे में दे दिया। हालांकि, इसी वक्त अचानक रायपुर के बिजनेसमैन संदीप जैन सुनील केडिया और उनकी महिला मित्र के बीच आ गए।

गिरफ्तार आरोपी की जानकारी देती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

संतोष और सुनील के आदेश पर मारी संदीप को गोली

गिरफ्तार आरोपी सुपारी किलर अमन शर्मा से पूछताछ की गई तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। अमन ने कहा कि संतोष सिंह और सुनील केडिया के आदेश पर संदीप जैन को गोली मारी गयी। बाद में दोनों आरोपियों को थाने लाकर पूछताछ की गई। आरोपियों ने घटना में अपनी संलिप्त होने का स्वीकार कर ली है। हालांकि, पुलिस ने खुलासा किया कि यह घटना व्यावसायिक दुश्मनी के कारण नहीं बल्कि प्रेम त्रिकोण के कारण हुई थी।

सुनील की गर्लफ्रेंड की संदीप जैन से नजदीकियां और रिश्ते के बारे में सुनील केडिया को जब पता चला तो दिल्ली में रहने वाली सुनील की महिला मित्र ने सुनील का मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया। सुनील केडिया ने दूसरे नंबर से युवती से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन असफल रहे। इस घटना में सुनील केडिया ने जल्दबाजी की और रायपुर के कारोबारी संदीप जैन की जिंदगी से खत्म करने की योजना बनाई। सुंदरगढ़ ट्रांसपोर्ट के संतोष सिंह की मदद से सुंदरगढ़ के अपराधी अमन शर्मा को रायपुर के व्यवसायी संदीप जैन की सुपारी के जरिये रास्ते से हटाने की योजना बनायी गयी थी। हालांकि इस घटना में रायपुर की तेलीबांधा पुलिस ने मास्टरमाइंड सुनील केडिया, संतोष सिंह और अमन शर्मा को गिरफ्तार कर लिया।

बीजेडी का तीन दिवसीय सक्रिय सदस्य प्रशिक्षण शिविर का समापन

कार्यक्रम में उपस्थित लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : प्रदेश बीजेडी अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री नवीन पटनायक द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राउरकेला बीजू जनता दल के सक्रिय सदस्यों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में 1500 से ज्यादा कार्यकताओं ने भाग लिया।

शिविर का समापन श्रम मंत्री शारदा प्रसाद नायक ने किया। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने ओडिशा के लोगों के आशीर्वाद से सत्ता संभाली, 1999 के महाचक्रवात में ओडिशा का हालत खस्ता हो गया था। पेड़ों को काटने के लिए आरी तक नहीं थी, पेड़ काटने वाले और बिजली संजोगकारी टीम दूसरे राज्यों से आ रही थीं, पुराने कपड़े पहनने के लिए बांटे जा रहे थे। सरकारी कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलता था। नवीन पटनायक ने जनता के भलाई के लिए योजनाएं चलाई। आज राज्य प्रगति कर रहा है। इसका संदेश हमे लोगो तक पहुंचाना है।

सरयू राय के आग्रह पर हाईकोर्ट के जस्टिस ने बिरला मंदिर का लिया जायजा

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : गोलमुरी केबुल टाउन स्थित निमार्णाधीन स्वामी लक्ष्मीनारायण बिरला मंदिर का जायजा लेने शनिवार को रांची हाईकोर्ट के जस्टिस एसएन पाठक पहुंचे। उन्होंने मंदिर निर्माण कार्य का जायजा लिया। वे विधायक सरयू राय के आग्रह पर मंदिर पहुंचे थे। इस अवसर पर जस्टिस एस एन पाठक ने कहा कि ह्यराइट टू वरशिपह्ल हमारा संवैधानिक अधिकार है। हमे कोई भी पुजा पाठ करने से रोक नहीं सकता है। मंदिर का जीर्णोद्धार होना चाहिए और अधिकारपूर्ण होना चाहिए। मंदिर के अर्ध निर्माण पर प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया और लोगों में भी इस मंदिर निर्माण के लिए जागरूकता नहीं आई थी।

सरयू राय ने फैली भ्रांतियों से कराया अवगत

सरयू राय ने जस्टिस एसएन पाठक को बताया कि मंदिर को लेकर यह भ्रांति फैल गई थी की जो कोई भी इस मंदिर निर्माण कार्य आगे बढ़ाएगा उसका नुकसान हो जाएगा। जिसके बाद उन्होंने सभी भ्रांतियों व दावों के इतर स्वयं मंदिर निर्माण कराने का बीड़ा उठाया। जस्टिस श्री पाठक ने कहा कि सभी नागरिकों को भ्रांतियां और कुप्रथाओं से आगे बढ़कर कार्य करना चाहिए। कहा कि सरयू राय एक प्रबुद्ध व्यक्ति है और जमशेदपुर पूर्वी के जन प्रतिनिधि भी है। उनके द्वारा मंदिर निर्माण का कार्य होना एक अच्छी पहल है।

निरीक्षण के दौरान सरयू राय व हाईकोर्ट के जस्टिस एसएन पाठक। ● फोटोन न्यूज

बमार्माइंस कैलाश नगर व्यापारी संघ ने विधायक सरयू राय का किया स्वागत

JAMSHEDPUR : कैलाशनगर लाल बाबा व्यापारी संघ के द्वारा लाल बाबा धर्म कांटा के समक्ष शनिवार को एक कार्यक्रम आयोजित कर जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय का भव्य स्वागत किया गया. सरयू राय के पूर्वी विधानसभा में विजय के चार वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था. संघ के लोगों ने सरयू राय की अनुसंशा पर क्षेत्र में पूर्ण हो चुके विकास कार्यों के लिए विधायक का आभार प्रकट किया. इस दौरान विधायक ने लोगों को आश्वस्त किया कि क्षेत्र की जो भी समस्याएं और आवश्यक विकास कार्य हैं, उसके लिए संघ का प्रतिनिधिमंडल उनसे मिले. सभी समस्याओं के निराकरण के लिए सार्थक पहल की जाएगी. इस दौरान मुख्य रूप से भारतीय जनतंत्र मोर्चा जिलाअध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, अशोक गोयल, दुर्गा राव, अनिल अग्रवाल, विष्णु नरेड्डी, संजय सिंह, पिंटू भाटिया, गुड्डू जैसवाल, पंकज शर्मा, मलखान सिंह, आनंद शर्मा, मनोज सिंह उज्जैन, धर्मेंद्र प्रसाद सहित अन्य उपस्थित थे.

राउरकेला में डायरिया से मरने वालों की संख्या नौ नियंत्रण और इलाज को लेकर प्रशासन प्रयासरत

PHOTON NEWS ROURKELA : राउरकेला में डायरिया की स्थिति में सुधार हो रहा है। स्थिति से निपटने के लिए राउरकेला महानगर निगम, जिला प्रशासन और जिला स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयास जारी हैं। राउरकेला में फिलहाल 53 डायरिया मरीजों का इलाज चल रहा है। लोगों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार के निर्देशानुसार राउरकेला शहर के सभी 10 स्वास्थ्य और उपचार केंद्रों को 24 घंटे खुला रखा गया है। स्वास्थ्य केन्द्रों पर एम्बुलेंस सेवाओं के साथ-साथ पर्याप्त दवाएँ एवं चिकित्सा सुविधाएँ

उपलब्ध हैं।

डायरिया से होने वाली मौतों का पता लगाने के लिए जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में एक ऑडिट समिति का गठन किया गया था। इस ऑडिट कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक डायरिया से अब तक 9 लोगों की मौत हो चुकी है। अब संक्रमण की दर कम हो रही है।

इस बीच, क्षेत्रीय चिकित्सा अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसी) और एससीबी मेडिकल सेंटर की एक प्रतिनिधि टीम ने डायरिया की स्थिति का सटीक कारण जानने के लिए नमूने एकत्र किए। डायरिया की स्थिति से सफलतापूर्वक निपटने के लिए प्रशासन द्वारा विभिन्न जागरूकता उपाय किये गये हैं। शहर की गलियों में आशा व आंगनबाड़ी कर्मी के माध्यम से लोगों को प्रतिकार का उपाय करने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है। इसके साथ ही रैपिड रिस्पांस टीम के माध्यम से लक्षण वाले लोगों के घर-घर जाकर उपचार की व्यवस्था की जा रही है। राउरकेला शहर में 56 हजार से अधिक ओआरएस पैकेट बांटे गये हैं। इसके साथ ही 68 हजार से अधिक संख्या में हैलोजन टेबलेट का भी वितरण किया गया है। लोगों को साफ-सफाई और स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए झुग्गी बस्तियों में 30,000 से अधिक साबुन वितरित किए गए हैं।

शहर में पाइपों की मरम्मत युद्धकालीन आधार पर किया जा रहा है। राउरकेला में अब तक लगभग 15,000 से ज्यादा जल के नमूने एकत्र कर उनका परीक्षण किया जा चुका है। शहर के विभिन्न फूड स्टॉलों, होटलों और रेस्टोरेंटों में रोजाना भोजन की गुणवत्ता और मानकों की जांच की जा रही है।

आरवीएस एकेडमी में विंटर फेस्ट में बच्चों ने की खूब मस्ती

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के मानगो डिमना रोड स्थित आरवीएस एकेडमी में शनिवार को विंटर फेस्ट का आयोजन किया गया। फेस्ट का उद्घाटन स्कूल के चेयरमैन बिंदा सिंह ने किया। मेले में स्कूल प्रबंधन के बिंदा सिंह, सचिव भरत सिंह, कोषाध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह , कार्यकारी समिति के सदस्य, प्रिंसिपल वीशा मोहिंद्रा और वाइस प्रिंसिपल अनीता तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित थीं। विभिन्न मसालेदार और नमकीन व्यंजनों और रोमांचक खेल वाले स्टालों की एक श्रृंखला मेले का मुख्य आकर्षण रहीं। स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाओं की मदद से बच्चों की रुचि की विभिन्न वस्तुओं को प्रदर्शित करने वाले स्टॉल लगाए गए थे।

छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सभी स्टॉल पर जाकर स्नैक्स का लुत्फ उठाया। बच्चों ने खेलकूद के माध्यम से मस्ती के साथ ही विभिन्न खाद्य सामग्रियों का लुत्फ उठाया. इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन ने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से स्कूल बच्चों के जीवन कौशल को निखारना चाहता है. इस आयोजन का उद्देस्य बच्चों को मस्ती और आनंद के क्षण प्रदान करना भी है.

शीतलहर के प्रकोप से बचाने के लिए विधायक दीपक बिरुवा ने जरूरतमंदों व बुजुर्गों के बीच बांटे 150 कंबल

PHOTON NEWS CHAIBASA : 4-2

सर्दी का सितम बढ़ने के साथ ही समाज के निर्धन असहाय लोगों को शीतलहर के प्रकोप से बचाने के लिए विधायक दीपक बिरुवा सक्रिय हो गए है। बढ़ते ठंड को देखते हुए सदर चाईबासा विधानसभा क्षेत्र के विधायक दीपक बिरुवा ने जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण करना प्रारंभ कर दिया।

शनिवार को सदर प्रखंड अंतर्गत पांपड़ा गांव में शीतलहर को देखते हुए असहाय तथा कमजोर वर्ग के असुरक्षित बुजुर्गों को सर्दी से राहत दिलाने के लिए कंबल वितरित किए। कंबल लेने के लिए गांवों के काफी संख्या में बुजुर्ग पहुंचे थे। ठंड में कंबल मिलते ही गरीबों के चेहरे खिल गए। धीरे-धीरे बढ़ रही कड़ाके की ठंड एवं सर्दी के मौसम को देखते हुए गरीब एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को ठंड से बचाव के लिए पांपड़ा के ग्रामीण से आए 150 लोगों के बीच कंबलों का वितरण किया।

विधायक ने कहा कि ठंड से कोई भी जन हानि नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अत्याधिक ठंड व शीतलहर से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को देखते हुए निराश्रित एवं असहाय तथा कमजोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कंबलों का वितरण किया जा रहा है। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क से संबंधित समस्याएं रखते हुए उनका समाधान करने की मांग की। विधायक जी ने लोगों की समस्याएं सुनी और समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया। मौके पर ग्रामीण मुंडा लक्ष्मी नारायण देवगम, गणेश देवगम,भरत भूषण देवगम, नारायण देवगम, पिंटू देवगम, जगदीश चंद्र देवगम, मोती देवगम, सिद्धेश्वर देवगम, यदु देवगम, विकी देवगम, लक्ष्मी नारायण देवगम उर्फ छोटू समेत अन्य उपस्थित थे।

जरूरतमंदों व बुजुर्गों के बीच कंबलों का वितरण करते लोग। ● फोटोन न्यूज

तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

किंग बॉयज जूनियर ने अरुण ब्रदर्स को ट्राईब्रेकर में हराकर बना चैंपियन

PHOTON NEWS CHAIBASA : झींकपानी प्रखंड के हाथीमंडा आरा गोड़ा फुटबॉल मैदान में आल्डा स्पोर्टिंग क्लब की ओर से आयोजित तीन दिवसीय प्रतियोगिता का फाइनल सह समापन शनिवार को हुआ। फाइनल सह समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि विधायक दीपक बिरुवा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रखंड प्रमुख प्रदीप तामसोय, जोड़ापोखर मुखिया गुरुचरण मुंडा उपस्थित हुए।

प्रतियोगिता का फाइनल मैच अरुण ब्रदर्स बनाम किंग बॉयज जूनियर एफसी के बीच खेला गया। इसमें किंग बॉयज जूनियर एफसी की टीम ने अरुण ब्रदर्स को ट्राईब्रेकर में हराकर चैंपियन बनी। विधायक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करने के बाद गेंद को किक मार कर फाइनल मैच का शुभारंभ किया।

मौके पर विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। इसे देखते हुए झारखंड के हेमंत सोरेन की सरकार पंचायत व प्रखंड स्तर पर फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन कर युवाओं को आगे बढ़ने का मौका प्रदान कर रही है।

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते विधायक दीपक बिरुवा। ● फोटोन न्यूज

पश्चिमी सिंहभूम जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2023 शुरू

जिले मे खेल की भरपूर प्रतिभा : डीसी

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2023 का विधिवत उद्घाटन उपायुक्त अनन्य मित्तल के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला उपायुक्त अनन्य मित्तल ने कहा कि पश्चिमी सिंहभूम जिले मे खेल की प्रतिभा भरपूर हैं। जिसको संवारने का काम पश्चिमी सिंहभूम एथलेटिक्स एसोसिएशन के द्वारा लगातार किया जाता रहा हैं। ज़िला एथलेटिक्स एसोसिएशन के प्रयास से आज पंचायत स्तर से जिला स्तर होते हुए, इन सभी खिलाड़ियों को कल राज्य और देश के स्तर पर खेलते भी दिखेंगे। जिला उपायुक्त ने कहा कि ज़िले में खेल एक मुख्य पेशा के रूप मे दिखाई देता है।

दीप जलाकर प्रतियोगिता का उद्घाटन करते उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि आप सभी खिलाड़ियों में उच्चतम प्रतिभा दिखाई देती है। सभी खिलाड़ी इस प्रकार के आयोजन का भरपूर फायदा उठाएंगे और जिला, राज्य, देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ज़िले का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ दिनों पूर्व ओलंपिक संघ कार्यालय का भी विधिवत उद्घाटन किया गया हैं। जहां कार्यालय में जाकर खिलाड़ी खेल से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मौके पर जिला एथलेटिक्स संरक्षक अनिल खिरवाल, अध्यक्ष नितिन प्रकाश, जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की सहित जिला एथलेटिक्स समिति के अन्य सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित एस आर रूंगटा ए-डिवीजन क्रिकेट लीग

यंग झारखंड ने एमसीसी को एक विकेट से हराया

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे एस आर रूंगटा ए-डिवीजन लीग के अंतर्गत शनिवार को खेले गए मैच में यंग झारखंड क्रिकेट क्लब चाईबासा ने मिडिलसेक्स क्रिकेट क्लब चाईबासा को एक रोमांचक मुकाबले में मात्र एक विकेट से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए। इस प्रकार आपने ग्रुप लीग के सभी पाँचों मैच जीतकर यंग झारखंड की टीम 20 अंकों के साथ ग्रुप में पहले स्थान पर है और इसका फाईनल खेलना तय हो गया है। मैच में टॉस यंग झारखंड के कप्तान ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एमसीसी चाईबासा की पूरी टीम 26.4 ओवर में 168 रन बनाकर आल आउट हो गई। सुरज कुमार ने पाँच चौकों एवं पांच छक्कों की सहायता से सर्वाधिक 59 रन बनाए जबकि शिवम कुमार ने 20 तथा जय प्रकाश राजपूत ने 19 रनों का योगदान दिया। यंग झारखंड की ओर से आयुष पाल ने 28 रन देकर तीन विकेट तथा सत्यम यादव ने 47 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए। सन्नी मिश्रा को दो तथा फरमान इलाही को एक विकेट प्राप्त हुआ।

एम सी सी चाईबासा की ओर से गेंदबाजी करते हुए अजीत कुमार सिंह ने 31 रन देकर चार विकेट, तथा कप्तान अनुराग संजय पुर्ति ने 27 रन देकर दो विकेट अपने नाम किए। आदित्य पुष्कर एवं तन्मय तंतुबाई को एक-एक सफलता हाथ लगी।

लीग मैच में विजेता यंग झारखंड की टीम। ● फोटोन न्यूज

यंग झारखंड ने 32.3 ओवर में प्राप्त किया निर्धारित लक्ष्य

जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य को यंग झारखण्ड क्रिकेट क्लब के बल्लेबाजों ने 32.3 ओवर में प्राप्त कर लिया हलांकि इस प्रयास में उनके नौ बल्लेबाज पैविलियन लौट गए। एक समय यंग झारखंड का स्कोर 116 रन था और उसके मात्र तीन विकेट गिरे थे और ऐसा लग रहा था मानों ये लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर लेंगे। परंतु तेज गेंदबाज अजीत कुमार सिंह ने लगातार तीन ओवर में तीन विकेट चटकाकर सनसनी फैला दी।166 रन पहुँचते-पहुँचते यंग झारखंड के नौ बल्लेबाज आउट हो चुके थे और एम सी सी चाईबासा को जीत के लिए मात्र एक विकेट की आवश्यकता थी परंतु आशीष चौधरी एवं अनिकेत सिंह ने अंतिम विकेट के लिए आवश्यक रन जोड़कर टीम की नैया पार लगा दी। यंग झारखंड की ओर से प्रज्जवल झा ने छः चौकों एवं चार छक्कों की मदद से 59 रन बनाए। अन्य बल्लेबाजों में आशीष चौधरी ने 29 नाबाद, हर्ष कुमार ने 29 तथा अरुण यादव ने14 रन बनाए।

पंचायत में एक भी जलकुप नहीं

दरभंगा । बिरौल प्रखंड मुख्यालय से ढाई किलोमीटर दूर एसएच 56 पर स्थित बिरौल अनुमंडल का डुमरी पंचायत विकास से दूर है। इस पंचायत में पहले 12 वार्ड हुआ करते थे, लेकिन दो वार्ड से बना गांव बलाठ को काटकर उसे बिरौल नगर पंचायत में शामिल कर दिया गया। तब से यह पंचायत मात्र 10 वार्डो में ही सीमित हो गया। दस हजार की जनसंख्या वाले पंचायत में 70 प्रतिशत लोग कृषि पर निर्भर हैं। जहां कृषि के क्षेत्र में संसाधनों का घोर अभाव है। पूरे पंचायत में एक भी स्टेट वोर्डिंग नहीं है। पंचायत के सीमावर्ती क्षेत्र बिरौल नगर पंचायत में एक स्टेट बोर्डिंग जर्जर अवस्था है। इससे किसानों को खेती करने में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। पंचायत में गंदगी का अंबार लगा रहता है।सफाई के नाम पर कागजी खाना पूर्ति की जाती है। दस वार्डो में नलजल योजना तो लगाई गई। लेकिन आधे से ज्यादा वार्डो में नल जल योजना बंद पड़ी है। जिससे पंचायत के आधे आबादी से अधिक लोग दूषित जल पीने पर विवश हैं। पहले 20 प्रतिशत लोग पशु को पालते थे। लेकिन पशुपालकों को सरकारी लाभ नहीं मिलने से मात्र 5 प्रतिशत लोग ही पशु पालन करते हैं। सात आंगनवाड़ी केंद्रों में 5 आंगनवाड़ी केंद्रों का अपना भवन नही है। ऐसे में भवनहीन केंद्र का संचालन निजी घर या दरवाजा पर किया जाता है। पशुपालक इंद्रमोहन चौधरी कहते हैं कि पशुपालन में किसी भी तरह के कोई भी सरकारी मदद नहीं मिल रही है।

पहले एक दर्जन से अधिक गाय एवं भैंस की पालन करते थे। लेकिन सरकारी लाभ नहीं मिलने से अब मात्र तीन पशु को ही पालते हैं। पशु शेड है लेकिन भुगतान के लिए दौड़ लगा रहे है। जहां भुगतान के एवज में कमिशन की मांग की जाती है। वार्ड सदस्य छोटे पासवान ने बताया कि वार्ड दो में नल जल का पाइप लाइन को ठीक कराने का काम चल रहा है। मरम्मती कार्य के बाद सभी के घरों में नियमित रूप से पानी पहुंचेगा। वहीं मुखिया राम प्रवेश साहू ने बताया की जल नल में जो भी समस्या है। वो मेरे संज्ञान में है। हमलोग उस पर काम कर रहे हैं। जल्द समाधान निकाल लिया जाएगा। पंचायत में दो प्रवेश द्वार एवं दो सार्वजनिक शौचालय और पांच सौ फीट नाला सड़क का निर्माण कराया गया है। पंचायत सरकार भवन एवं कचरा संग्रह केंद्र के लिए प्रयासरत है।और भी बाकी बचे जनहित के कार्य को भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

पंचायत एक नजर में

वार्ड की संख्या 10, प्रवेश द्वार 2, जनसंख्या 10 हजार, मतदाता 4 हजार, हाई स्कूल 1, मध्य विद्यालय 1, आंगनबाड़ी 7, जन वितरण प्रणाली 4, पोखर 3, नल जल योजना 10

संक्षिप्त डायरी

कुख्यात नक्सली अर्जुन गिरफ्तार

जमुई । सशस्त्र सीमा बल की 16वीं वाहिनी ने घुटिया थान सिंह के कुख्यात नक्सली अर्जुन यादव को पकड़ने में सफलता पाई है। सशस्त्र सीमा बल के अधिकारी ने कहा कि कुख्यात नक्सली के खिलाफ जमुई जिला के खैरा थाना में आर्म्स एक्ट और नक्सल विरोधी सहित कई अन्य मामले में प्राथमिकी दर्ज है। गिरफ्तार कुख्यात नक्सली अर्जुन यादव पुलिस को कई सालों से चकमा दे रहा था और वह फरार था। एसएसबी को सूचना मिली कि वह चनरवर गांव में अपने रिश्तेदार के घर छुपा है। सूचना मिलते ही एसएसबी ने उस गांव की घेराबंदी कर नक्सली अर्जुन यादव को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार नक्सली अर्जुन यादव से एसएसबी ने पूछताछ करने के बाद उसे गरही थाना की पुलिस को सौंप दिया। गरही थाना की पुलिस उसे खैरा थाना की पुलिस को सौंप दिया। गिरफ्तार नक्सली अर्जुन मंडल पर खैरा थाना में आर्म्स एक्ट के अलावा कई नक्सल कांड दर्ज है। खैरा पुलिस ने गिरफ्तार नक्सली अर्जुन यादव से पूछताछ के बाद उसे न्याय हिरासत में भेज दिया।

चार मंजिला इमारत में लगी आग

बेतिया । बेतिया शहर के चर्च रोड स्थित एक चार मंजिला इमारत में आग लगी है। हालांकि सूचना पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। आग शॉर्ट-सर्किट कारण लगी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि चर्च रोड स्थित गौतम प्रसाद के चार मंजिला इमारत में शनिवार दोपहर अचानक आग लग गई। लोग कुछ समझ पाते हैं तब तक आग फैल चुकी थी।स्थानीय लोगों ने कहा कि जिस वक्त आग लगी उस वक्त गौतम प्रसाद के सभी परिजन इस चार मंजिला इमारत में सबसे ऊपरी मंजिल पर मौजूद थे। हालांकि फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद सभी लोगों को छत के रास्ते बाहर निकाला। घटना के बाद पूरे इमारत में दरार पड़ गई है। गौतम प्रसाद ग्राउंड फ्लोर पर कॉस्मेटिक की दुकान खोलकर रखे हैं। फर्स्ट सेकंड और थर्ड फ्लोर पर उनकी फैमिली रहती है। हालांकि कोई हताहत की सूचना नहीं है। मौके पर कालीबाग टाउन थाना की पुलिस पहुंची।

शराबबंदी वाले बिहार में पिस्टल से फोड़ी दारू की बोतल

मुंगेर । बिहार में शराबबंदी है, लेकिन मुंगेर में एक पार्टी में शराब की बोतल पर निशाना लगाने का वीडियो सामने आया है। प्लास्टिक की कुर्सी पर दारू की बोतल रखकर एक शख्स ने पिस्टल से उस पर निशाना साधा। गोली बोतल पर लगी और फूट गई। जिसके बाद उसका साथी कहता है, वाह...क्या निशाना है। इतना ही नहीं पार्टी में हथियार लहराए गए और शामियाने के बाहर पिस्टल निकाल कर फायरिंग की गई। ये वीडियो 17 दिसंबर को हुई एक रिसेप्शन पार्टी का बताया जा रहा है। मामला कासिम बाजार थाना क्षेत्र के लल्लू पोखर का है। आरोपी की पहचान लल्लू पोखर निवासी फिरोज सहनी के बेटे राहुल कुमार के रूप में हुई है। तस्वीरों में देखिए कैसे हथियार का प्रदर्शन किया गयाबताया जाता है कि 17 दिसंबर को एक रिसेप्शन पार्टी का आयोजन हुआ था। उसमें कई युवक नाच-गाना कर रहे थे। साथ ही तमंचा भी लहरा रहे थे। इसके दो वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में कुछ युवा भोजपुरी गाने पर डांस कर रहे हैं। हाथों में तमंचा लिए हुए है, जिसे लहरा रहे हैं। इस बीच शामियाने से हाथ बाहर कर एयर फायरिंग भी करते हैं। वहीं दूसरे वीडियो में शख्स कुर्सी पर रखी शराब की बोतल पर पिस्टल से निशाना साधते हुए नजर आ रहे हैं।कासिम बाजार थानाध्यक्ष मिंटू सिंह ने बताया कि उन्हें इस तरह की कोई जानकारी नहीं है। वीडियो की जांच की जाएगी और दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

थाना से कुछ ही दूरी पर मिला शव

दरभंगा । दरभंगा के जमालपुर थाना के बड़गांव ओपी से महज एक किलोमीटर की दूरी पर कमला बांध के नीचे शनिवार के अहले सुबह एक युवक लाश मिली। स्थानीय लोगों के सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों को बुलाकर शव की पहचान कराई जा रही है। मृतक की उम्र 35 से 40 के बीच बताई जा रही है।इस बाबत बड़गांव ओपी प्रभारी कल्पना कुमारी से पूछने पर उन्होंने बताया कि सुबह में सूचना मिली की कोठराम बांध के पास एक अज्ञात शव मिला है। हमलोग मौके पर पहुंचे और शव की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। कोठराम बांध पर मिट्टी का काम चल रहा है। थाना से कुछ ही दूरी पर ये घटना हुई है। इस पर उन्होंने कहा कि मिट्टी के काम के वजह से गाड़ी आने जाने में कठिनाई होती है। बाकी पोस्टमार्टम के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

रेलवे लाइन पर मिली महिला की लाश

हाजीपुर । हाजीपुर-सोनपुर रेलखंड पर नगर थाना क्षेत्र के जगजीवनपुर के पास रेलवे ट्रैक किनारे एक महिला का शव संदिग्ध हालत में कटा हुआ मिला है।

घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटनास्थल पर भारी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। महिला की पहचान नहीं होने पर लोगों ने घटना की जानकारी नगर थाने की पुलिस अधिकारी और जीआरपी की पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस और नगर थाना के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। मामले की जांच में जुट गए।नगर थाना क्षेत्र में आने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि ट्रेन की चपेट में आने और कट जाने से 40 वर्षीय महिला की मौत हो गई होगी। महिला के दोनों पैर कटे हुए थे। सिर भी पूरी तरीके से कुचला हुआ था। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। नगर थाने की पुलिस अधिकारी महिला की शव की पहचान करने में जुटी है। नगर थाना अध्यक्ष अश्मित कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि रेलवे ट्रैक पर महिला का शव पड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम भेज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। महिला की पहचान नहीं हो पाई है। महिला की पहचान की जा रही है।

कोरोना को लेकर प्रशासन अलर्ट

दरभंगा । कोरोना को लेकर एक बार फिर से दरभंगा प्रशासन अलर्ट मोड में है। कोरोना के नये जेएन-1 सचवैरिएंट के मद्देनजर जिले को आरटीपीसीआर और एंटीजन जांच कराने को कहा गया है। जिले में इसे लेकर तैयारी शुरू कर दी गयी है। हालांकि, सीएस कार्यालय के पास आरटीपीसीआर किट सही मात्रा में उपलब्ध नहीं है। इसे उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है।कोरोना के नये सब वैरिएंट से निपटने के लिए उत्तर बिहार के सबसे बड़े स्वास्थ्य संस्थान डीएमसीएच में तैयारी कर लिये जाने का दावा किया गया है। 20 बेड के आइसीयू व 20 बेड के कोरोना वार्ड में व्यवस्था दुरुस्त कर ली गयी है। डीएससीएच उपाधीक्षक हरेंद्र कुमार ने बताया कि कोरोना से डरने की जरूरत नहीं है, अफवाहों से बचने व सर्तक रहने की आवश्यकता है। डीएमसीएच में ऑक्सीजन, दवा, जांच आदि की सुविधा उपलब्ध है। ट्रेड स्वास्थ्यकर्मी प्रतिनियुक्त है। कोरोना वार्ड में सभी उपकरण दुरूस्त है।

सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार सिन्हा ने बताया कि पीएचसी में प्रत्येक दिन 25 लोगों की आरटीपीसीआर जांच का निर्देश दिया गया है। रेलवे स्टेशन, बस पड़ाव आदि जगहों पर एक हजार लोगों की एंटीजन किट से जांच की जायेगी।

अपराध की साजिश रचते 6 गिरफ्तार

मोतिहारी । मोतिहारी पुलिस ने पिछले 24 घंटे के अंदर जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में अपराध की साजिश रचते 6 अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। एसपी कांतेश मिश्रा को गुप्त सूचना मिली कि सिकरहना अनुमंडल क्षेत्र के सिकारगंज थाना क्षेत्र में अपराधी को देखा गया है। जिससे बाद शिकारगंज थानाध्यक्ष शाहरुख ने छापेमारी कर एक अपराधी आकाश ठाकुर को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि लूट की घटना को अंजाम देने के फिराक में था। एसपी को सूचना मिली कि पिपरा थाना क्षेत्र में भी कुछ अपराधी जमा हुए हैं। किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। पिपरा थानाध्यक्ष सुनील कुमार को निर्देश दिया कि सभी को गिरफ्तार करें। छापेमारी कर तीन अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया। नगर थाना क्षेत्र से भी दो अपराधी को अपराध की साजिश रचते गिरफ्तार किया गया है।

चकिया थानाक्षेत्र के अमित कुमार, नगर थाना क्षेत्र में रूद्र प्रताप, फेनहारा थाना क्षेत्र के आकाश ठाकुर, पिपरा थाना क्षेत्र के अंगद कुमार, नितेश कुमार और नीरज कुमार शामिल है। इनके पास से मेड इन ईटली का एक पिस्टल, एक देसी पिस्टल, कट्टा, गोली, बाइक, 5 चोरी के मोबाइल, एक चाकू बरामद हुआ।सदर एएसपी राज ने कहा कि एसपी कांतेश मिश्रा के निर्देश पर सभी अपराधी की गिरफ्तारी की गई है। सभी ने पूछताछ में खुलासा किया है।

बिहार की लट्ठबाज लेडी पुलिस सस्पेंड

बक्सर । बिहार के बक्सर शहर में एक महिला पुलिसकर्मी की ड्राइवर को पीटते और गाली देते हुए का वीडियो सामने आया है। ड्राइवर की गलती यह थी कि वह नो एंट्री में ट्रक लेकर घुस गया था। पहले महिला पुलिसकर्मी ने उसे पकड़वाया। फिर डंडे, लात-घूंसे से पिटाई की। वीडियो में दिख रहा है कि ड्राइवर को कुछ लोग पकड़े हुए हैं। महिला ड्राइवर उनकी पिटाई कर रही है। वीडियो बक्सर शहर के गोलंबर का है। वीडियो एसपी के पास पहुंचा, तो उन्होंने जांच कराई और महिला पुलिसकर्मी को सस्पेंड कर दिया। महिला सिपाही अमृता कुमारी है। वहीं, ट्रक ड्राइवर का नाम भगवान यादव के पुत्र ओम प्रकाश यादव है और वह चक्की के लक्ष्मण डेरा का रहने वाला है।पिटाई के बाद ट्रक ड्राइवर ओम प्रकाश यादव ने अपनी पूरी बात रखी। उसने कहा- 'मैं ड्राइवर हूं मुझे नो एंट्री के बारे में पता नहीं था। जिससे में बक्सर शहर में घुस गया, तभी मैडम आ गईं और डांटने लगी और गाली देने लगीं। मैंने बोला मैम गाली क्यों दे रही हैं? मैं गाड़ी पीछे कर लेता हूं। इसी पर मैडम मुझे गाड़ी से उतार कर बहुत मारा मुझे जमीन पर भी गिरा दिया। उसके बाद लात और लाठी से बहुत मारा।जिस समय महिला सिपाही ट्रक ड्राइवर की पिटाई कर रही थी, उसी दौरान किसी ने इसका वीडियो बना लिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिया। वीडियो बक्सर एसपी मनीष कुमार को मिला। उन्होंने कहा की वीडियो प्राप्त हुआ है।

लूटपाट करने पहुंचे बदमाश को ग्रामीणों ने दबोचा

पूर्णिया । बीती रात साहस दिखाते हुए ग्रामीणों ने लूट की वारदात को अंजाम देने पहुंचे बदमाशों को पकड़ लिया और उनकी पिटाई दी। बदमाश के पास से लोगों ने पिस्टल भी बरामद किया है। वहीं पकड़े गए बदमाश ने अपना जुर्म कुबूल करते हुए बताया है कि वे 5 की संख्या में लूट की वारदात को अंजाम देने पहुंचे थे। पकड़े गए बदमाश को कुटाई के बाद लोगों ने मौके पर पहुंची पुलिस के हवाले कर दिया है। वारदात बनमनखी थाना क्षेत्र के बॉर्डर चौक की है। ग्रामीणों ने बताया कि बीते कई महीनों से बॉडर चौक पर लूटपाट और छिनतई की घटनाएं हो रहीं थी। आने -जाने वाले राहगीरों का रास्ता रोक बदमाश हथियार के नोक पर लूटपाट और छिनतई की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। वहीं बीती रात 10 बजे आस-पास पिपारा पंचायत के बिशनपुर रिकावगंज वार्ड 1 और महराजगंज वार्ड 1 के बॉडर चौक पर बदमाश राहगीरों से लूट की वारदात को अंजाम देने पहुंचे।

कार से 3 लाख का कोडिनयुक्त कफ सिरप

मधेपुरा । मधेपुरा के सिंहेश्वर थाना क्षेत्र के पथराहा वार्ड-4 चार में मद्य निषेध विभाग ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित कोडिनयुक्त कफ सिरप पकड़ा है। मद्य निषेध अधीक्षक सुरेंद्र प्रसाद ने कहा कि गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग बाहर से प्रतिबंधित कफ सिरप लाकर पथराहा में रखे हुए हैं।

सूचना के सत्यापन के लिए त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान उत्तर प्रदेश नंबर की लाल रंग की कार की डिक्की से 15 पेटी कोडिनयुक्त कफ सिरप बरामद किया गया। गाड़ी को जब्त कर लिया गया। मौके से कार चालक अखिलेश कुमार को भी गिरफ्तार किया गया। जबकि वाहन मालिक के ऊपर फरार अभियोग दर्ज किया गया। जब्त कप सिरप का बाजार मूल्य लगभग 3 लाख रुपए है।साथ ही उन्होंने कहा कि विशेष छापेमारी अभियान के दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र के अलग-अलग जगहों से 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

सीनेट की बैठक से पहले छात्रों ने किया हंगामा

भोजपुर । वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में सीनेट की बैठक से पहले छात्र राजद और एबीवीपी के कार्यकताओं ने जमकर विरोध जताया। छात्र सीनेट कराने के विरोध में लगातार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को देख यूनिवर्सिटी के वीसी ने छात्रों से बात करने के पहुंचे। लेकिन छात्रों ने उनकी भी नहीं सुनी। छात्रों के बवाल के बाद वीसी को कड़ी सुरक्षा में दोबारा गेट के अंदर किया गया। बढ़ते हंगामे को देखते हुए पुलिस ने बल प्रयोग किया। पहली बार सीनेट की बैठक में राज्यपाल पहुंचे है। राज्यपाल को वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में पहुंचने के बाद गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया है। उसके बाद तिलक और माला पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया गया। वहीं सीनेट के बैठक का विरोध कर रहे छात्रों को पुलिस ने बल प्रयोग कर उन्हें गेट से हटाया। यूनिवर्सिटी का गेट तोड़कर छात्र अंदर घुसना चाहते थे। जिसके बाद छात्रों ने यूनिवर्सिटी का गेट तोड़ दिया। जिसके बाद पुलिस बल प्रयोग किया। इस दौरान कई छात्रों को गंभीर चोटें आई हैं। जिसके बाद छात्र गेट छोड़कर भागने लगे। हालांकि उसके बाद भी छात्र अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखे हुए है। छात्र नेता अपनी मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं।वहीं एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि छात्र अपनी मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे थे। जिसके बाद छात्रों ने गेट को तोड़ दिया। उसके बाद छात्र और पुलिस में धक्का मुक्की हुई। लेकिन किसी भी छात्रों पर पुलिस द्वारा लाठी चार्ज नहीं किया गया है। धक्का मुक्की में चोटें आई हैं

किस तरह की विरासत छोड़ रहे हमारे सांसद

संसद में शोर-शराबा, वेल में जाकर नारेबाजी, एक-दूसरे पर निजी कटाक्ष करना यहां तक कि कई बार हाथापाई पर उतारू हो जाना आज संसद की आम तस्वीर है। आखिर सियासी पार्टियों और सांसदों का बर्ताव इतना अराजक क्यों हो गया है? क्या आज पार्टियों के निहित स्वार्थों ने संसद को मजाक बनाकर रख दिया है। अब समय आ गया है कि हमारे सभी सांसद इस बात पर ध्यान दें कि संसदीय लोकतंत्र को कैसे मजबूत किया जा सकता है। अन्यथा जनता ही उसका उपहास करने लगेगी। हमारे सांसदों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि वे किस तरह की विरासत छोड़ रहे हैं। क्या वे संसद को इसके पतन के भार के नीचे दबने देंगे? आज जो हो रहा है, वो हम देख ही रहे हैं। उम्मीद है कि देश के सांसदों को, सांसद चलाने वालों को इस बात का भान जल्द हो कि देश का नागरिक उन्हें कितनी उम्मीद के साथ देखता है। साथ ही उन्हें कई मौकों पर उदाहरण की तरह रखता है। पिछले कुछ दिनों से संसद में जो कुछ हो रहा है, उससे देश निराश है। संसद चला कर ही सरकार विपक्ष के सवालों के जवाब सही ढंग से दे सकती है। हंगामे के माहौल में सांसदों को अपनी बात रखने का मौका ही नहीं मिलता। कोई बच्चा भी समझ सकता है वेल में जाकर नारेबाजी और हंगामा कर सदन की कार्यवाही रोकने से कैसे विरोध जताया जा सकता है। अच्छी बात तो तब कही जाएगी, जब आप अपने सवाल साफ-साफ रखें और सरकार साफ-साफ जवाब दे पाए। लेकिन इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि संसद की कार्यवाही में बाधा अपवाद की बजाय नियम बन गया है और हमारे राजनेताओं को इस पर कोई पछतावा नहीं होता है। पिछले वर्षों में यह गिरावट बड़ी तेजी से आई है। सांसद एक-दूसरे पर चिल्लाते हैं, विधायी कागजों को छीन कर फाड़ देते हैं, छोटे से मुद्दे पर सदन के बीचों-बीच आ जाते हैं। पिछले वर्षों में ज्यादातर विधेयकों को बिना चर्चा के ही पारित किया गया है। यह संसदीय प्रणाली का दुरुपयोग है। सांसदों के रवैये को देखते हुए लगता नहीं है कि उनकी मंशा देश की विकास योजनाएं बनने देने की है। ऐसा लग रहा है कि सांसदों ने पूरे संसदीय लोकतंत्र को बंधक बना लिया है। क्योंकि लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही आजकल टीवी पर लाइव दिखाई जाती है, लिहाजा देश का आम आदमी भी वह सबकुछ देखता है, जो संसद में रोज हो रहा है। आखिर सांसद लोगों के सामने अपनी क्या छवि पेश कर रहे हैं? जरा सोचिए कि देश के लोगों के मन में आपकी क्या छवि बनती जा रही है? इस गिरावट का कारण यह है कि राजनीति आज संख्या का खेल बन गई है जिसके चलते क्षेत्रीय क्षत्रप अपनी मनमर्जी कराने के लिए दबाव डालते हैं। वे न केवल दादागिरी की राजनीति में विश्वास करते हैं अपितु सफल संसद सत्र के पैमाने को ह्यजिसकी लाठी, उसकी भैंसह्ल भी बनाते हैं। आज विषय-वस्तु की बजाय आकार महत्वपूर्ण बन गया है जिसके चलते संसद में गली-मोहल्लों के झगड़ों जैसे दृश्य देखने को मिलते हैं। इसलिए इस गिरती राजनीतिक संस्कृति और नैतिक मूल्यों में संसदीय कार्यवाही में राजनीति को प्रभावित करने वाली विषय सामग्री नहीं मिलती है। कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि संसद अब महज एक स्कोरिंग क्लब बन कर रह गई है। बहुतों को पता होगा कि संसद की एक मिनट की कार्यवाही पर ढाई लाख रुपए खर्च हो जाते हैं। इस तरह एक दिन की सामान्य कार्यवाही पर औसतन छह करोड़ रुपए का खर्च आता है। जिस दिन कार्यवाही लंबी चलती है, उस दिन खर्च और बढ़ जाता है। जरा सोचिए कि यह पैसा आता कहां से है। जाहिर है कि देश के आम लोगों की जेब से ही आता है। लोकतंत्र में इससे बड़ा और क्या मजाक होगा कि संसद की कार्यवाही लगातार ठप रही या फिर दिनभर रह-रह कर हंगामा होता रहे, फिर भी एक दिन में छह करोड़ रुपए खर्च हो जाएं। जरा सोचिए कि छह करोड़ रुपए से क्या-क्या हो सकता है? हजारों गांवों की किस्मत संसद की एक दिन की कार्यवाही पर होने वाले खर्च से बदल सकती है। लघु और कुटीर उद्योगों से हजारों नौजवानों की किस्मत संवर सकती है। लेकिन सांसद यह सब नहीं सोचते। विकास योजनाएं भले न बनें, व्यक्तिगत हित जरूर सुधरने चाहिए। एक बात और सारे सांसद हंगामेबाज हों, ऐसी बात नहीं हैं। जो कामकाज को लेकर गंभीर हैं, वे कुछ नहीं कर पाते। सवाल है कि सांसद हर बार माहौल क्यों नहीं बनाते? क्या सांसद केवल हंगामा करने के लिए ही पहुंचते हैं? हकीकत यह है कि लोकतंत्र का लोक यानी देश की जनता लोकसभा का चुनाव सीधे तौर पर करती है। ऐसे में अप्रत्यक्ष रूप से चुने गए सदन को लोक के सदन यानी लोकसभा की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि लोकसभा में हुए हर काम में अड़ंगा डाल दिया जाए। लोकसभा में तय दिनों में सभी सांसदों को तीन-तीन मिनट ही सही, अपने चुनाव क्षेत्र के बारे में बोलने दिया जाए। बार-बार हंगामा करने वाले सांसदों को चिन्हित किया जाए और उनकी सूची प्रचारित कराई जाए। ऐसे नियम बनाए जाएं कि वेल में आने या पर्चा लहराने या दूसरा किसी भी किस्म का हंगामा करने वाले सांसद के खिलाफ खुद-ब-खुद कोई तय कार्रवाई हो जाए। कुछ सांसद वॉकआउट करने के बाद दोबारा सदन में क्यों आ जाते हैं? केवल दिखावा करने के लिए ऐसा करते हैं, उन्हें देश के विकास से कोई लेना-देना नहीं है। वे संसद में कुछ कर नहीं पा रहे हैं और उधर उनके लोकसभा क्षेत्र की जनता त्रस्त।

जीवाष्म ईंधन पर नियंत्रण के उपायों तक सिमटा दुबई जलवायु सम्मेलन

ANALYSIS

प्रमोद भार्गव

मनुष्य और जलवायु बदलाव के बीच की दूरी निरंतर कम हो रही है। अतएव इस संकट से निपटने के उपायों को तलाशने की दृष्टि से 198 देश दुबई जलवायु सम्मेलन कॉप-28 में एकत्रित हुए। परिचर्चाओं और वाद विवाद से निकले निष्कर्ष के तहत कोयला, तेल और गैस अर्थात जीवाश्म ईंधन का उपयोग धीरे-धीरे खत्म करना है। लेकिन विकासशील देश इस बात को लेकर थोड़े असहमत रहे कि इस समझौते की जो शर्तें हैं, एक तो वे पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं, दूसरे उन्हें अमीर देशों की आर्थिक मदद के बिना उसे पूरी करना आसान नहीं होगा। इस सम्मेलन का एक ही प्रमुख लक्ष्य था कि दुनिया उस रास्ते पर लौटे, जिससे बढ़ते वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक केंद्रित किया जा सके। 100 से ज्यादा देश 2030 तक दुनिया की नवीनीकरण योग्य ऊर्जा को बढ़ा कर तीन गुना करने पर सहमत भी हो गए। इसके अंतर्गत अक्षय ऊर्जा के प्रमुख स्रोत सूर्य, हवा और पानी से बिजली बनाने के उपाय सुझाए गए हैं।

धरती पर रहने वाले जीव-जगत पर करीब तीन दशक से जलवायु परिवर्तन के वर्तमान और भविष्य में होने वाले संकटों की तलवार लटकी हुई है। मनुष्य और जलवायु बदलाव के बीच की दूरी निरंतर कम हो रही है। अतएव इस संकट से निपटने के उपायों को तलाशने की दृष्टि से 198 देश दुबई जलवायु सम्मेलन कॉप-28 में एकत्रित हुए। परिचर्चाओं और वाद विवाद से निकले निष्कर्ष के तहत कोयला, तेल और गैस अर्थात जीवाश्म ईंधन का उपयोग धीरे-धीरे खत्म करना है। लेकिन विकासशील देश इस बात को लेकर थोड़े असहमत रहे कि इस समझौते की जो शर्तें हैं, एक तो वे पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं, दूसरे उन्हें अमीर देशों की आर्थिक मदद के बिना उसे पूरी करना आसान नहीं होगा। इस सम्मेलन का एक ही प्रमुख लक्ष्य था कि दुनिया उस रास्ते पर लौटे, जिससे बढ़ते वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक केंद्रित किया जा सके। 100 से ज्यादा देश 2030 तक दुनिया की नवीनीकरण योग्य ऊर्जा को बढ़ा कर तीन गुना करने पर सहमत भी हो गए। इसके अंतर्गत अक्षय ऊर्जा के प्रमुख स्रोत सूर्य, हवा और पानी से बिजली बनाने के उपाय सुझाए गए हैं। इस सिलसिले में प्रेरणा लेने के लिए उरुग्वे जैसे देश का उदाहरण दिया गया, जो अपनी जरूरत की 98 फीसदी ऊर्जा इन्हीं स्रोतों से प्राप्त करता है। लेकिन यह एक अपवाद है, हकीकत यह है कि यूक्रेन-रूस तथा इजरायल-हमास के बीच चलते भीषण युद्ध के कारण कोयला जैसे जीवाश्म ईंधन से ऊर्जा उत्पादन का प्रयोग बढ़ा है और बिजली उत्पादन के जिन कोयला संयंत्रों को बंद कर दिया गया था, उनका उपयोग फिर से शुरू हो गया है। पर्यावरण विज्ञानियों ने बहुत पहले जान लिया था कि औद्योगिक विकास से उत्सर्जित कार्बन और शहरी विकास से घटते जंगल से वायुमंडल का तपमान बढ़ रहा है, जो पृथ्वी के लिए घातक है। इस सदी के अंत तक पृथ्वी की गर्मी 2.7 प्रतिशत बढ़ जाएगी, नतीजतन पृथ्वीवासियों को भारी तबाही का सामना करना पड़ेगा। इस मानव निर्मित वैश्विक आपदा से निपटने के लिए प्रतिवर्ष एक अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन जिसे कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी/कॉप) के नाम से भी जाना जाता है। इस बार सीओपी की 28वीं बैठक दुबई में संपन्न हुई। सम्मेलन में बहुत कुछ नया नहीं हुआ। लगभग पुरानी बातें दोहराई गई। पेरिस समझौते के तहत वायुमंडल का तापमान औसतन 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के प्रयास के प्रति भागीदार देशों ने वचनबद्धता भी जताई। लेकिन वास्तव में अभी तक 56 देशों ने संयुक्त राष्ट्र के मानदंडों के अनुसार पर्यावरण सुधार की घोषणा की है। इनमें यूरोपीय संघ, अमेरिका, चीन जापान और भारत भी शामिल है। लेकिन रूस और यूक्रेन तथा इजरायल और फिलिस्तीन युद्ध के चलते नहीं लगता कि कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण नवीकरणीय ऊर्जा को जो बढ़ावा दिया जा रहा है, वह स्थिर रह पाएगा। क्योंकि जिन देशों ने वचनबद्धता निभाते हुए कोयला से ऊर्जा उत्सर्जन के जो संयंत्र बंद कर दिए थे, उन्हें रूस द्वारा गैस देना बंद कर दिए जाने के बाद फिर से चालू करने की तैयारियां हो रही हैं। 2018 ऐसा वर्ष था, जब भारत और चीन में कोयले से बिजली उत्पादन में कमी दर्ज की गई थी। नतीजतन भारत पहली बार इस वर्ष के ह्यजलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांकह्य में शीर्ष दस देशों में शामिल हुआ है। वहीं अमेरिका सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में शामिल हुआ था। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में ह्यकॉप 25ह्य जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में यह रिपोर्ट जारी की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार 57 उच्च कार्बन उत्सर्जन वाले देशों में से 31 में उत्सर्जन का स्तर कम होने के रुझान इस रिपोर्ट में दर्ज थे। इन्हीं देशों से 90 प्रतिशत कॉर्बन का उत्सर्जन होता रहा है। इस सूचकांक ने तय किया था कि कोयले की खपत में कमी सहित कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। इस सूचकांक में चीन में भी मामूली सुधार हुआ था। नतीजतन वह तीसवें स्थान पर रहा था। जी-20 देशों में ब्रिटेन सातवें और भारत को नवीं उच्च श्रेणी हासिल हुई है। जबकि आस्ट्रेलिया 61 और सऊदी अरब 56वें क्रम पर हैं। अमेरिका खराब प्रदर्शन करने वाले देशों में इसलिए आ गया है, क्योंकि उसने जलवायु परिवर्तन की खिल्ली उड़ाते हुए इस समझौते से बाहर आने का निर्णय ले लिया था। दुबई सम्मेलन में भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन निजी तौर पर शामिल नहीं हुए। लेकिन उनके जलवायु प्रतिनिधि जॉन कैरी ने मीथेन गैस का उत्सर्जन कम करने का भरोसा जताया। यही स्थिति चीन की रही। चीन और अमेरिका का इस सम्मेलन से दूर रहना इसलिए नागवार है, क्योंकि यही देश सबसे ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले देश हैं। हकीकत है कि अमेरिका ने वास्तव में कॉर्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण के कोई प्रयास ही नहीं किए। दुनिया की लगभग 37 प्रतिशत बिजली का निर्माण थर्मल पावरों में किया जाता है। इन संयंत्रों की भट्टी में कोयले को झोंका जाता है, तब कहीं जाकर बिजली का उत्पादन होता है। दो युद्धों के चलते कोयले से बिजली उत्पादन पर निर्भरता बढ़ती दिखाई दे रही है। ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। 1500 ईसवीं में बड़ी मात्रा में कोयले के उत्खनन की शुरूआत हुई थी। इसके बाद जिन देशों में भी कारखाने लगे, उनमें लकड़ी और कोयले का प्रयोग लंबे समय तक होता रहा। दुनिया की रेलें भी कोयले से ही लंबे समय तक चलती रही हैं। भोजन पकाने, ठंड से बचने और उजाले के उपाय भी लकड़ी जलाकर किए जाते रहे हैं। अतएव धुएं के बड़ी मात्रा में उत्सर्जन और धरती के तापमान में वृद्धि की शुरूआत औद्योगिक क्रांति की बुनियाद रखने के साथ ही आरंभ हो गई थी। इसके बाद जब इन दुष्प्रभावों का अनुभव पर्यावरणविदों ने किया तो 14 जून 1992 में रियो डी जनेरियो में पहला अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप जापान के क्योटो शहर में 16 फरवरी 2005 को पृथ्वी के बढ़ते तापमान के जरिए जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए क्योटो प्रोटोकॉल अंतरराष्ट्रीय संधि अस्तित्व में आई। इस संधि में शामिल देशों ने ग्रीन हाउस अर्थात मानव उत्सर्जित गैसों को कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। दुनिया के विज्ञानियों ने एक राय होकर कहा कि मानव निर्मित गैस सीओ-2 के उत्सर्जन से धरती का तापमान बढ़ रहा है, जो जीवाष्म ईंधन का पर्याय है। 192 देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए हुए हैं। लेकिन वर्तमान में चल रहे दो भीषण युद्ध ने हालात बदल दिए हैं। नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का प्रयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत-चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन 40 देषों ने कोयले से पल्ला झाड़ लेने का भरोसा दिया था। 20 देषों ने विश्वास जताया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों को बंद कर दिया जाएगा। आस्ट्रेलिया के सबसे बड़े कोयला उत्पादक व निर्यातक रियो टिंटो ने अपनी 80 प्रतिशत कोयले की खदानें बेच दीं थीं, क्योंकि भविष्य में कोयले से बिजली उत्पादन बंद होने के अनुमान लगा लिए गए थे। भारतीय व्यापारी गौतम अडानी ने इस अवसर का लाभ उठाया और अडानी ने ह्यआस्ट्रेलिया कोल कंपनीह्य बनाकर ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड क्षेत्र में कोयला खदानें भी हासिल कर लीं। अडानी ने कारमिकेल कोयला खदान पर पर्यावरण संबंधी मंजूरी मिलने के बाद 2019 से कोयले का खनन शुरू कर इसे बेचना भी आरंभ कर दिया है। अडानी ने ऑस्ट्रेलियाई मूल के 1500 बेरोजगारों को प्रत्यक्ष और 6,750 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार देने का अनुबंध करके इस खदान से उत्खनन शुरू किया है। फरवरी 2022 में जब भारत में कोयले का संकट खड़ा हुआ था, तब आस्ट्रेलिया से ही भारत की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने कोयला खरीदा था। 2019 तक यूरोप केवल 20 प्रतिषत बिजली का उत्पादन कोयले से करता था। ऊर्जा की शेष जरूरतों की आपूर्ति गैस से होती थी। इसलिए अनेक यूरोपीय देशों ने 2025 तक अधिकतर ताप विद्युत घरों को बंद करने की परियोजनाओं पर काम करना शुरू कर दिया था। लेकिन अब रूस से गैस की आपूर्ति बंद हो जाने के कारण इटली, जर्मनी, नीदरलैंड और ऑस्ट्रिया ने अपने कोयले से बिजली उत्पादन जारी रखने का फैसला ले लिया है।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

संविधान के आधार स्तम्भ को तो मत हिलाओ!

संसद को लोकतंत्र के मंदिर के रूप में देखा जाता है। भारतीय संसद न सिर्फ कानून बनाती है, बल्कि देश कैसे चलेगा, भारत के लोक का भविष्य क्या होना चाहिए, उसके लिए कौन से निर्णय लेने के साथ समाज की व्यवस्थाओं से लेकर लोक कल्याणकारी राज्य शासन के लिए जो भी कुछ श्रेष्ठ किया जा सकता है या किया जाना चाहिए वह सभी निर्णय लेने और उसके लिए कोष उपलब्ध कराने का काम यही संसद करती है। ऐसे में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री करने का जो मामला हुआ है, उसने आज बहुत कुछ सोचने में मजबूर कर दिया है। क्या हम ऐसा करके अपनी ही संवैधानिक संस्थाओं की मयार्दा तार-तार नहीं कर रहे? अभी यही काम संविधान की एक अन्य स्तम्भ कही जानेवाली न्यायपालिका के प्रमुख को लेकर किया जाता तो क्या होता? आप विचार करिए। इस मामले में स्थिति की गंभीरता समझिए कि देश की 'राष्ट्रपति' तक को कहना पड़ रहा है कि जो हुआ वह नहीं होना चाहिए था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बोल रही हैं कि जिस तरह से हमारे सम्मानित उपराष्ट्रपति को संसद परिसर में अपमानित किया गया, उसे देख कर निराशा हुई। निर्वाचित प्रतिनिधियों को खुद को व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र होना चाहिए, लेकिन उनकी अभिव्यक्ति गरिमा और शिष्टाचार के मानदंडों के भीतर होनी चाहिए। भारत में उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद के साथ संसद में ऐसा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। राष्ट्रपति मुर्मू की तरह ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस घटना पर क्षोभ जता चुके हैं। उन्होंने भी माना, विपक्षी संसद सदस्यों ने संसद परिसर में जो किया वह अत्यधिक आपत्तिजनक है। संसद परिसर में कुछ सांसदों के व्यवहार को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। आज संसद सदस्य होकर इस तरह से राज्यसभा के सभापति का अपमान कर रहे हो, कल जब आप अपने क्षेत्रों में जाएं या अन्य स्थानों पर जहां संसद सदस्य इस नाते नियमानुसार जो प्रोटोकॉल आपको मिलता है, वह देनेवाला शासन और प्रशासन यदि उसे देने में मना कर दे या आपका किसी तरह से अपमान कर दे, तब आप क्या कहेंगे और करेंगे? क्या आप उस अपमान को सामान्य मानेंगे? जैसा कि इस वक्त उक्त टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी द्वारा उपराष्ट्रपति धनखड़ की नकल उतारने पर सफाई दी जा रही है। कल्याण मुखर्जी कह रहे हैं कि मिमिक्री करना तो एक कला है। वे अपने किए पर माफी मांगने को लेकर 'नो' कह चुके हैं। यदि इस प्रकार की अमर्यादित गतिविधियों को तत्काल नहीं रोका गया तो यहां जैसे संवैधानिक मयार्दा को तोड़ने का प्रयास हुआ है, वैसे ही कल इसी प्रकार से न्यायालयीन निर्णयों का मजाक बनना शुरू हो जाएगा। साथ ही आयोग और संबद्ध गतिविधियों का मजाक बनाना शुरू हो जाएगा। वैसे आयोगों को सिविल न्यायालय के रूप में कार्य करने की शक्ति उन्हें सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 (1908 का 5) के अधीन प्रदान की गई है जो केंद्र के स्तर पर समस्त भारत भर में और राज्य के स्तर पर संपूर्ण राज्य के किसी भी भाग से किसी व्यक्ति को ह्यसमनह्ल करने के साथ अपने समक्ष उपस्थिति के लिए बाध्य करने जैसे अनेक अधिकार प्रदान करता है। इसी प्रकार से हमारी सभी संवैधानिक संस्थाओं को अधिकार दिए गए हैं और उस अधिकार की पूर्ति के लिए एक प्रोटोकॉल निर्धारित है, जिसे पूरा करना शासन एवं प्रशासन का काम है। नियम यह है कि आपको किसी बात पर आपत्ति है या दिए गए निर्णय से आप असंतुष्ट हैं तो उसके ऊपर की इकाई में उसकी पुनः तथ्यों के साथ शिकायत करें और अपना पक्ष ठीक ढंग से रखें । ये क्या बात है, जो आप मजाक बनाने लगेंगे? हमें आज जानना चाहिए कि राज्यसभा और राज्यपाल की शक्तियां क्या हैं। भारतीय संविधान का अनुच्छेद-80, राज्यसभा के गठन का प्रावधान करता है। 12 सदस्यों को राष्ट्रपति द्वारा साहित्य, विज्ञान, कला और समाज सेवा से संबंधित क्षेत्रों से मनोनीत किया जाता है। राज्यसभा को गैर-वित्तीय विधेयकों के संदर्भ में लोकसभा की भांति शक्तियां प्राप्त हैं। ऐसे विधेयक दोनों सदनों की सहमति के बाद ही कानून बनते हैं। संविधान संशोधन विधेयकों के संदर्भ में राज्यसभा की शक्तियाँ लोकसभा की शक्तियों के बराबर है। देश के संघात्मक ढाँचे को बनाए रखने के लिये राज्यसभा के पास दो विशिष्ट अधिकार हैं, जो कि लोकसभा के पास नहीं है- अनुच्छेद 249 के अंतर्गत राज्यसभा उपस्थित और मतदान करने वाले दो तिहाई सदस्यों के बहुमत से राज्य सूची में शामिल किसी विषय को राष्ट्रीय महत्त्व का घोषित कर सकती है। अनुच्छेद 312 के अंतर्गत राज्यसभा उपस्थित और मतदान करने वाले दो तिहाई सदस्यों के समर्थन से कोई नई अखिल भारतीय सेवा स्थापित कर सकती है। आपातकाल की अवधि यदि एक माह से अधिक है और उस समय लोकसभा विघटित हो तो राज्यसभा का अनुमोदन कराया जाना जरूरी होता है। उपराष्ट्रपति के महाभियोग तथा उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों और अन्य संवैधानिक पदाधिकारियों को पद से हटाने में अपनी भूमिका निभाते हैं। राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में उसके पद का कार्यभार संभालने का दायित्व उपराष्ट्रपति का है । इस अवधि के दौरान, उप-राष्ट्रपति को राष्ट्रपति की सभी शक्तियां, उन्मुक्तियां और विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं । भारत गणराज्य का कोई भी निर्णय जो राज्यसभा से पास होकर आता है, उस पर उपराष्ट्रपति के सभापति होने के नाते से हस्ताक्षर होते हैं, यानी यदि उनके हस्ताक्षर न हों और न उनकी इच्छा हो तो कोई भी निर्णय मान्य नहीं होता है। वैसे किसी को भी किसी के द्वारा मिमिक्री किए जाने पर आपत्ति नहीं हो सकती, किंतु जब कोई व्यक्ति किसी की नकल या मिमिक्री किसी को प्रताड़ित करने, मानसिक दबाव बनाने, उपहास उड़ाने के साथ किसी को नीचा दिखाने के लिए करता है तो कहना होगा कि यह कानून की भाषा में अपराध की श्रेणी में आ जाता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

बहुत ही उत्साहित करने वाली जानकारी! विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य भी तो यही है कि देशभर के मेरे सभी गरीब भाई-बहनों तक हमारी योजनाओं का लाभ पहुंचे।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

किसानों के संघर्ष के साथी व भूतपूर्व प्रधानमंत्री, श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह जी की 121वीं जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। किसान ही हिन्दुस्तान है। देश के सभी अन्नदाताओं को सादर वंदन। सभी किसान बहन-भाइयों को, खेत-मजदूरों को किसान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

(कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का 'एक्स' पर पोस्ट)

दमनकारी हेमंत सोरेन सरकार से युवाओं का धैर्य समाप्त हो चुका है। अपने हक अधिकारों के लिए आवाज उठाने पर लाठी-डंडों के बलबूते उनकी आवाज को दबाना आम बात हो गयी है, मगर अब झारखण्ड के कर्णधार युवा जाग चुके हैं। लगता हैं अपने खिलाफ उठते युवाओं के आवाज सुन महठगबंधन की सरकार थरथरा गयी है। हेमंत जी आप जितना युवाओं की आवाज को दबाने की कोशिश करोगे, उससे कहीं अधिक गति से झारखंड की जनता 2024 में आपको मुंह तोड़ जवाब देगी।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

राष्ट्रीय गणित दिवस

प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को भारत में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया जाता है, जो देश के महान गणितज्ञों में से एक श्रीनिवास रामानुजन को सम्मान देने के उद्देश्य से उनकी स्मृति में उनके जन्मदिवस पर मनाया जाता है। करीब एक दशक पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने चेन्नई में रामानुजन की 125वीं जयंती समारोह में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था कि ऐसे प्रतिभावान तथा गूढ़ ज्ञान वाले पुरुषों और महिलाओं का जन्म कभी-कभार ही होता है। गणित में रामानुजन के अविस्मरणीय योगदान को याद रखने और सम्मान देने के लिए उसी अवसर पर रामानुजन के जन्मदिन पर प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को राष्ट्रीय गणित दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया था। मद्रास से करीब चार सौ किलोमीटर दूर तमिलनाडु के ईरोड शहर में 22 दिसम्बर 1887 को जन्मे श्रीनिवास अयंगर रामानुजन का बचपन कठिनाइयों और निर्धनता के दौर में बीता था। तीन वर्ष की आयु तक वह बोलना भी नहीं सीख पाए थे और तब परिवार के लोगों को चिंता होने लगी थी कि कहीं वह गूंगे न हों लेकिन कौन जानता था कि यही बालक गणित के क्षेत्र में इतना महान कार्य करेगा कि सदियों तक दुनिया उन्हें आदर-सम्मान के साथ याद रखेगी। उन्हें गणित में इतनी दिलचस्पी थी कि गणित में उन्हें प्रायः सौ फीसदी अंक मिलते थे लेकिन बाकी विषयों में बमुश्किल परीक्षा उत्तीर्ण कर पाते थे क्योंकि गणित के अलावा उनका मन दूसरे विषयों में नहीं लगता था। उन्होंने कभी गणित में किसी तरह का प्रशिक्षण नहीं लिया था। गणित में अतुलनीय योगदान के लिए श्रीनिवास रामानुजन को के. रंगनाथ राव पुरस्कार भी दिया गया था। उनका गणित प्रेम इतना बढ़ गया था कि उन्होंने दूसरे विषयों पर ध्यान देना ही छोड़ दिया था। दूसरे विषयों की कक्षाओं में भी वे गणित के ही प्रश्नों को हल किया करते थे। नतीजा यह हुआ कि 11वीं कक्षा की परीक्षा में वे गणित के अलावा दूसरे सभी विषयों में अनुत्तीर्ण हो गए और इस कारण उन्हें मिलने वाली छात्रवृत्ति बंद हो गई। परिवार की आर्थिक हालत पहले ही ठीक नहीं थी, इसलिए परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए उन्होंने गणितज्ञ रामास्वामी अय्यर के सहयोग से मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्क की नौकरी करनी शुरू की। नौकरी के दौरान भी वे समय मिलते ही खाली पन्नों पर गणित के प्रश्नों को हल करने लग जाया करते थे। एक दिन एक ब्रिटिश की नजर उनके द्वारा हल किए गए गणित के प्रश्नों पर पड़ी तो वह उनकी प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुआ। उसी अंग्रेज के माध्यम से रामानुजन का सम्पर्क जाने-माने ब्रिटिश गणितज्ञ और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जीएच हार्डी से हुआ। हार्डी ने उनकी विलक्षण प्रतिभा को भांप कर उन्हें अपनी प्रतिभा को साकार करने के लिए लंदन बुला लिया और उनके लिए कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में व्यवस्था की, जिसके बाद उनकी ख्याति दुनियाभर में फैल गई। जी. एस. हार्डी ने रामानुजन को यूलर, गोस, आर्किमिडीज, आईजैक न्यूटन जैसे दिग्गजों के समकक्ष श्रेणी में रखा था। 1917 में उन्हें लंदन मैथेमेटिकल सोसायटी का सदस्य चुना गया और अगले ही वर्ष इंग्लैंड की प्रतिष्ठित संस्था रॉयल सोसायटी ने उन्हें अपना फैलो बनाकर सम्मान दिया। रामानुजन ने करीब पांच साल कैम्ब्रिज में बिताए और उस दौरान गणित से संबंधित कई शोधपत्र लिखे। इंग्लैंड में उन पांच वर्षों के दौरान उन्होंने मुख्यतः संख्या सिद्धांत के क्षेत्र में कार्य किया। प्रोफेसर जी एच हार्डी के साथ मिलकर रामानुजन ने कई शोधपत्र प्रकाशित किए और उन्हीं में से एक विशेष शोध के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने रामानुजन को बी.ए. की उपाधि भी प्रदान दी। महान गणितज्ञ रामानुजन की गणना आधुनिक भारत के उन व्यक्तित्वों में की जाती है, जिन्होंने विश्व में नए ज्ञान को पाने और खोजने की पहल की।

अभिनय का रंगमंच नहीं संसद

संसद लोकतंत्र का मंदिर है जहां देश की जनता के कल्याण से जुड़े विषयों पर गहन चर्चा की जाती है और जरूरी फैसले लिए जाते हैं। वहीं भारत का संविधान अंगीकृत किया गया था और अभी भी वहाँ कानून बनाए जाते हैं जिनका राष्ट्रीय जीवन और अंतरराष्ट्रीय सम्बन्ध के लिए बड़ा महत्व होता है। इस तरह संसद एक बेहद गंभीर परिवेश में जिम्मेदारी से काम करने का परिसर होता है। देश की जनता अनुभव कर रही है कि विगत वर्षों में संसद में माननीय जन प्रतिनिधियों का आचरण शिष्टाचार और संसदीय कार्यकलाप की मयार्दाओं को सुरक्षित रखने में लगातार गिरावट दर्ज कर रहा है। विपक्ष के लिए संसद आंदोलन का रंगमंच होता जा रहा है। विरोध जताने का विपक्ष का अधिकार है और वह उनका कर्तव्य भी है। इसका अतिरेक और उद्दंडता जैसा रुख अख्तियार करना किसी भी तरह शोभा नहीं देता। पर इससे संगीन बात यह है कि संसद के सदनों की कार्यवाही को रोकना, ठप करना और सरकारी कामकाज को बाधित करना जायज नहीं ठहरता। उल्लेखनीय है कि माननीय सांसद गणों द्वारा इस तरह गैर जिम्मेदारी से काम करना करोड़ों रुपये की भी बबार्दी करता है। यह फिजूल खर्ची का सबब बनाता है जो संसद की कार्यवाही संचालित करने पर खर्च होता है जिसकी भरपाई जनता से की जाती है। सांसद की गरिमा को तार-तार करते विभिन्न घटनाओं और अवसरों का दर्शन आम जनता भी करती रहती है। टीवी पर प्रसारित संसद की कार्यवाही देखने का नुकसान देने वाला असर दर्शकवृंद पर यदि पड़े तो कोई आश्चर्य नहीं। भारत में बड़े लोगों का आचरण देख उसको अपनाना एक सहज स्वाभाविक व्यवहार है जैसा कि इस उक्ति से प्रकट होता है- महाजनो येन गतः सपंथाः। संसदीय हंगामे की भेंट चढ़ता संसद का यह सत्र लोकतंत्र पर दाग सरीखा लगता है। यह बेहद खेदजनक घटना है जब सौ से ज्यादे झ्र 143 सांसद निलम्बित किए गए हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899 Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

क्रिसमस पर नहीं बढ़ा हवाई किराया

- मांग गिरने से यात्रियों के लिए तरस गईं कंपनियां

नई दिल्ली ।

क्रिसमस पर्व के दौरान हवाई किराए में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई है। दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-पुणे, मुंबई-गोवा और मुंबई चेन्नई जैसे बड़े हवाई मार्गों पर 23 से 25 दिसंबर के बीच किराया पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले या तो कम है अथवा बढ़ा भी है तो बहुत मामूली। एक विमानन विश्लेषक ने बताया कि नवंबर में दीवाली से पहले बढ़ी मांग को देखते हुए एयरलाइंस ने किरायों में बेतहाशा वृद्धि कर दी थी। इसका नतीजा यह हुआ कि मांग एकदम गिर गई और एयरलाइंस यात्रियों के लिए तरस गईं। नतीजतन, उन्हें सीटें भरने के लिए अंतिम समय तक टिकट बिक्री जैसे कदम उठाने पड़े। उन्होंने बताया कि इस महीने ऐसी हालत नहीं है। एयरलाइंस यात्रियों को लुभाने के लिए किराया तार्किक स्तर पर बनाए रखने को प्राथमिकता दे रही हैं। यदि किराये में कमी या बढ़ोतरी होती है तो यह अंतर बहुत ही मामूली रहता है। हवाई किराया कम होने का एक कारण यह भी है कि पिछले कुछ महीनों से हवाई ईंधन की कीमतों में गिरावट आई है। दिल्ली में 1 अक्टूबर को एटीएफ का मूल्य 1,18,000 प्रति किलोलीटर था, जो 1 दिसंबर को कम होकर 1,06,000 प्रति किलोलीटर पर आ गया। यात्री भार के लगातार एक जैसा रहने के कारण भी हवाई किरायों को वृद्धि नहीं हुई है। दिल्ली-मुंबई देश का सबसे व्यस्त हवाई मार्ग है, जिस पर हर सप्ताह 730 से अधिक फ्लाइट का संचालन होता है। ट्रैवल पोर्टल इजीगो के अनुसार दिल्ली-मुंबई मार्ग 23 से 25 दिसंबर के बीच औसत हवाई किराया पिछले साल के मुकाबले मात्र 0.51 फीसदी बढ़ा है। ऐसा तब

है जब उड़ान से एक से तीन दिन पहले टिकट बुक कराया जाए। मुंबई-चेन्नई भी व्यस्ततम हवाई मार्ग में शामिल है। इस मार्ग पर 23 से 25 दिसंबर के बीच हवाई किराया 22.92 फीसदी कम हुआ है। यदि उड़ान से एक से तीन दिन पहले टिकट बुक किया जाता है तो एक टिकट के लिए 5,615 रुपये खर्च करने होंगे।

इनोवा हाईक्रॉस मारुति की इन्विक्टो एसयूवी पर आधारित

-एसयूवी का प्रोडक्शन हो रहा सीमित संख्या में

नई दिल्ली ।

टोयोटा ने इसी साल इनोवा हाईक्रॉस हाइब्रिड एसयूवी को लॉन्च किया था। ये 7-सीटर कार एसयूवी मारुति की इन्विक्टो एसयूवी पर आधारित है। फिलहाल कंपनी इस एसयूवी का प्रोडक्शन सीमित संख्या में कर रही है जिसके चलते सेल्स कम होने के बावजूद भी इस एसयूवी का वेटिंग पीरियड बढ़ता ही जा रहा है। टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस के हाइब्रिड वैरिएंट पर फिलहाल 65 सप्ताह (455 दिन) का वेटिंग पीरियड चल रहा है। अगर आपको इस कार का हाइब्रिड वैरिएंट खरीदना है तो 1 साल से भी ज्यादा का इंतजार करना पड़ेगा। वहीं, पेट्रोल वैरिएंट खरीदने के लिए ग्राहकों को 26 हफ्ते तक का वेटिंग पीरियड दिया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह वेटिंग पीरियड पूरे भारत में है और वेटिंग बुकिंग डेट से लागू है। टोयोटा की एमपीवी दो इंजन विकल्पों के साथ आती है जिसमें 2-लीटर पेट्रोल और 2-लीटर हाइब्रिड इंजन शामिल है। हाइब्रिड इंजन 183.7 बीएचपी की पॉवर और 188 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं पेट्रोल इंजन 172.9 बीएचपी की पॉवर और 209 एनएम का टॉर्क जनरेट कर सकता है। हाइब्रिड इंजन को ई-सीवीटी गियरबॉक्स से जोड़ा गया है जबकि पेट्रोल इंजन को सीवीटी गियरबॉक्स का विकल्प मिलता है। यह एमपीवी मोनोकॉक चेसिस पर आधारित है और फ्रंट व्हील ड्राइव सिस्टम के साथ आती है। फीचर्स के लिहाज से ही यह एमपीवी काफी शानदार है। इनोवा हाईक्रॉस में 10-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट डिस्प्ले, डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, डुअल जोन क्लाइमेट कंट्रोल और वेन्टीलेटेड फ्रंट सीटें शामिल हैं। एमपीवी में पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस फोन चार्जिंग और कनेक्टेड कार तकनीक भी मिलती है। इसके सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग, ईबीडी के साथ एबीएस, वाहन स्थिरता नियंत्रण (वीएससी), टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस), 360-डिग्री कैमरा और फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर शामिल हैं। यह एमपीवी एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम यानी अडास से भी लैस है जिसमें लेन-कीप और डिपार्चर अस्सिटेंस, अडाप्टिव क्रूज कंट्रोल और ऑटो इमरजेंसी ब्रेकिंग जैसे फीचर्स शामिल हैं।अगर माइलेज की बात करें तो इसके पेट्रोल इंजन वेरिएंट में 16.13केएमपीएल की माइलेज मिलती है ।

ई-कारों पर 60,000 रुपये से 4 लाख रुपये तक छूट

-कंपनियां साल के आखिर में दे रही यह डिस्काउंट

नई दिल्ली ।

ई-कार पर साल के कई कंपनियां 31 दिसंबर तक 60,000 रुपये से 4 लाख रुपये तक छूट दे रही है। हालांकि पिछले साल के अंत में भी कंपनियों ने ई-वाहनों पर छूट दी थी मगर उस समय अधिक से अधिक 2-2.5 लाख रुपये की ही रियायत थी। महिंद्रा ऐंड महिंद्रा (एमऐंडएम), ह्युंडै मोटर इंडिया, एमजी मोटर और टाटा मोटर्स सबसे ज्यादा छूट दे रही हैं।वाहन डीलरों के संगठन फाडा में चेयरमैन (रिसर्च एवं एकेडमी) विंकेश गुलाटी ने कहा, 'इलेक्ट्रिक वाहनों पर कंपनियां और डीलर इस समय बहुत भारी छूट दे रहे हैं। इसीलिए हो सकता है कि लोग पेट्रोल-डीजल गाड़ियों के बजाय ई-वी खरीदना ही पसंद करें। महिंद्रा एक्सयूवी 400 ईवी को ही देख लीजिए। कीमत काफी कम होने के कारण महिंद्रा एक्सयूवी 300 खरीदने जा रहे कई लोग ईवी की तरफ मुड़ सकते हैं।' डीलरों का कहना है कि महिंद्रा और ह्युंडै की बैटरी वाली गाड़ियों पर छूट ज्यादा है और कुछ मॉडलों पर तो 4 लाख रुपये तक की छूट मिल रही है। ह्युंडै कोना पर इस महीने 3 लाख रुपये की छूट तो पहले ही मिल रही थी। एक डीलर ने बताया कि छूट और बढ़ा दी गई है। उसने कहा, 'ह्युंडै की गाड़ी सड़क पर करीब 25.13 लाख रुपये की पड़ती है और हम कंपनी तथा डीलर की तरफ से छूट जोड़कर कुल 4 लाख रुपये कम कर रहे हैं।' ह्युंडै मोटर इंडिया के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने इसी महीने कहा था कि रिटेल बिक्री के लिहाज से दिसंबर सबसे बढ़िया महीनों में शुमार रहता है। टाटा मोटर्स के कुछ डीलर भी नेक्सॉन, टियागो और टिगॉर के इलेक्ट्रिक मॉडलों पर इस महीने तगड़ी छूट दे रहे हैं। नेक्सॉन सबसे ज्यादा बिकने वाला ईवी है। उसका नया मॉडल आ गया है और पुराना मॉडल बनना बंद हो गया। मगर डीलरों के पास पुराना स्टॉक पड़ा है, इसलिए उस मॉडल पर 2.7 लाख रुपये तक छूट दी जा रही है। मुंबई और लुधियाना में टाटा मोटर्स के डीलरों ने बताया कि इस छूट में एक्सचेंज बोनस भी शामिल है। टियागो ईवी पर 1 लाख रुपये और टियागो ईवी पर 75,000 से 80,000 रुपये तक छूट मिल रही है। एमऐंडएम के डीलर एक्सयूवी 400 पर 3.5 लाख से 4 लाख रुपये तक छूट दे रहे हैं। एक डीलर ने बताया कि छूट का ऐलान करने के बाद उन्हें इस इलेक्ट्रिक कार के अच्छे खासे ऑर्डर मिल रहे हैं। डीलरों ने बताया कि महिंद्रा भी 2024 में एक्सयूवी 400 का नया संस्करण लाने की सोच रही है।

चालू वित्त वर्ष में हवाई यातायात 37.5 करोड़ पहुंचने की उम्मीदः रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

देश में अगले साल मार्च तक 200 विमानों को परिचालन से बाहर करने की आशंका को देखते हुए हवाई यात्री यातायात पर न्यूनतम प्रभाव पड़ेगा। एक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी की रिपोर्ट में यह बात कही गई। रिपोर्ट में कहा गया कि चालू वित्त वर्ष में हवाई यात्री यातायात लगभग 37.5 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है, जो महामारी से पहले के स्तर का 1.09 गुना है। एक शोध और सलाहकार फर्म ने पिछले महीने के अंत में कहा था कि भारतीय एयरलाइंस के बेड़े में गंभीर बाधा बनी हुई है और आपूर्ति श्रृंखला तथा रखरखाव से जुड़े मुद्दों के कारण वित्त वर्ष 2023-24 के अंत तक करीब 200 विमान परिचालन से बाहर हो सकते हैं। मार्च, 2024 तक लगभग 200 विमानों को खड़ा किए जाने की आशंका के बावजूद यातायात पर इसका 3-4 प्रतिशत असर होने का अनुमान है। उन्होंने

कहा कि पट्टों के विस्तार और यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी के कारण इसका न्यूनतम असर होगा।

शेयर बाजार की अंतरिम बजट पर रहेगी नजर

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति की समीक्षा कर चुकी है और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति अब सामने आ चुकी है, ऐसे में वित्तीय वर्ष 2023 के प्रमुख आर्थिक घटनाक्रम मोटे तौर पर पूरा होने के करीब हैं। विश्लेषकों ने कहा कि जहां तक देसी घटनाक्रम का सवाल है, अब नजरें अंतरिम बजट या अनुदान मांग और 2024 में होने वाले आम चुनाव पर टिकी हुई हैं, जो भारतीय बाजारों को दिशा देगा। इन दोनों घटनाक्रमों के साथ वैश्विक स्तर पर भूराजनीतिक प्रगति, ब्याज दर की चाल, तेल की कीमतें और बांड प्रतिफल के अलावा इस पृष्ठभूमि में विदेशी संस्थागत निवेशकों व देसी संस्थागत निवेशकों का निवेश अगले वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में बाजारों को आकार देगा। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक इक्विटी बाजार अब दरों का चक्र पूरा होने को लेकर आशावादी है। उनका कहना है कि बाजारों के लिए एकमात्र चिंता यह है कि क्या दुनिया भर में संचयी तौर पर हुई ब्याज बढ़ोतरी वृद्धि को धीमा कर देगी या फिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में खासा सुधार होगा। उन्होंने कहा कि तेल की कीमतों में आई हालिया गिरावट, राज्य विधानसभा चुनाव के नतीजे और इस वजह से राजनीतिक स्थिरता के अनुमान और आर्थिक वृद्धि के परिदृश्य के कारण बाजारों पर हमारा नजरिया अल्पावधि के लिहाज से तेजी का है। एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स साल 2024 में आम चुनाव से पहले 73,000 की ऊंचाई पर पहुंच सकता है, लेकिन अकेले तेल में संभावित तेजी ही देसी बाजारों के परिदृश्य को

पटरी से उतार सकती है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि निवेशकों के सेंटिमेंट में इस तरह की मजबूती देसी साइक्लिकल सेक्टर मसलन बैंक, इंडस्ट्रियल, बिजली, प्रॉपर्टी और मिडकैप के लिए बेहतर होगा। विशेषज्ञों ने कहा कि मजबूत बहुमत के साथ भाजपा की वापसी से मध्यम अवधि में नीतिगत निरंतरता और राजकोषीय एकीकरण का संकेत मिलेगा।

चीन के नए नियमों से 25 फीसदी तक गिरे नेटईज के शेयर

मुंबई । चीनी नियामक के ऑनलाइन गेम के लिए खर्च की सीमा निर्धारित करने का मसौदा जारी करते ही निवेशकों के बीच घबराहट पैदा हो गई। चीन की दो सबसे बड़ी गेमिंग कंपनियों का बाजार मूल्य करीब 6.64 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। दुनिया की सबसे बड़ी गेमिंग कंपनी टीनसेंट होल्डिंग्स के शेयरों में 16 फीसदी तक, जबकि इसके निकटतम प्रतिद्वंद्वी नेटइजी इंक के शेयरों में 25 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। निवेशकों को आंशका है की चीन के इस मसौदे से उनकी कमाई पर असर पड़ेगा। नए नियम के अनुसार गेम प्रकाशकों को अपने सर्वर को चीन के भीतर ही स्थापित करना होगा। हालांकि, नियामक ने इस नए मसौदे पर 22 जनवरी 2024 तक सार्वजनिक सुझाव और टिप्पणी करने की मांग की है। कठोर मसौदा नियम का असर वैश्विक स्तर पर गेमिंग शेयरों पर भी पड़ा। अमेरिकी गेमिंग स्टॉक रोब्लॉक्स, इलेक्ट्रॉनिक आर्ट्स और यूनिटी सॉफ्टवेयर शुक्रवार को 1.7 फीसदी और 3.1 फीसदी के बीच फिसल गए, जबकि यूरोप में फ्रांसीसी वीडियो गेम डेवलपर यूबीसॉफ्ट 3 फीसदी से अधिक नीचे खिसक गए।

फ्लिपकार्ट ने वॉलमार्ट से 60 करोड़ डॉलर जुटाए

मुंबई । ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने अमेरिका की दिग्गज खुदरा कंपनी वॉलमार्ट से लगभग पांच-10 प्रतिशत अधिक मूल्यांकन पर 60 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। कंपनी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उसने वॉलमार्ट से 60 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। सूत्रों के मुतो बिक यह राशि वास्तविक आंकड़ों का खुलासा किए बिना पांच-10 प्रतिशत की सीमा में उच्च मूल्यांकन पर आई है। फ्लिपकार्ट ने अपनी मूल कंपनी से हालिया धन जुटाने के बाद कंपनी के मूल्यांकन पर कोई टिप्पणी नहीं की। फ्लिपकार्ट का पिछली बार मूल्यांकन 2.79 लाख करोड़ रुपये किया गया था, जब इसने जीआईसी, कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड, सॉफ्टबैंक विजन फंड 2, वॉलमार्ट, डिसरप्टएडी, कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, टाइगर ग्लोबल आदि से लगभग 26,800 करोड़ रुपये जुटाए थे। एक अन्य सूत्र ने कहा कि कंपनी का मूल्यांकन अब भी 40 अरब डॉलर से नीचे है। कंपनी की बीते वित्त वर्ष में एकीकृद्ध शुद्ध कुल आय 9.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 56,012.8 करोड़ रुपये रही थी। वित्त वर्ष 2021-22 में यह 51,176 करोड़ रुपये थी। कुल आय में वृद्धि के बावजूद फ्लिपकार्ट का वित्त वर्ष 2022-23 में एकीकृत घाटा बढ़कर 4,890.6 करोड़ रुपये हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 3,371.2 करोड़ रुपये था।

बिजली मांग पूरी करने 88 गीगावाट तापीय क्षमता बढ़ाई जाएगीःआरके सिंह

नई दिल्ली । केन्द्रीय मंत्री आरके सिंह ने कहा है कि बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए देश में लगभग 88 गीगावाट अतिरिक्त तापीय क्षमता स्थापित किए जाने की संभावना है। बिजली मंत्री ने हाल ही में कहा कि भारत में बिजली की अधिकतम मांग वर्ष 2030-31 तक 3,50,670 मेगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है और सरकार बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए विभिन्न उपाय कर रही है। सिंह ने लोकसभा में कहा कि नवंबर 2022 में प्रकाशित 20वें इलेक्ट्रिक पावर सर्वे (ईपीएस) रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2030-31 में देश में बिजली की अधिकतम मांग 3,50,670 मेगावाट होने की उम्मीद है। हमने देश में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कदम उठाए हैं। मंत्री ने कहा कि 27,180 मेगावाट की तापीय क्षमता निर्माणाधीन है, 12,000 मेगावाट की बोली लगाई जा चुकी है और 19,000 मेगावाट की मंजूरी का काम जारी है। वर्ष 2031-2032 तक कुल तापीय क्षमता वृद्धि 87,910 मेगावाट होने की उम्मीद है। सिंह ने कहा कि इस प्रकार, ताप विद्युत, नवीकरणीय, जल विद्युत और परमाणु सहित निर्माणाधीन कुल क्षमता 1,32,148.5 मेगावाट है। इसको देखते हुए वर्ष 2031-32 तक कुल क्षमता वृद्धि 4,64,124 मेगावाट होने की संभावना है।

सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग आधा फीसदी की तेजी रही

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में बीते सप्ताह उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी की तेजी देखी गई। बाजारविशेषज्ञों ने कहा कि गिरावट पर खरीदारी की रणनी ति से शेयर बाजार में तेजी रही। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल में नरमी और अगले साल नी तिगत दरों में कटौती की उम्मीद से भी बाजार में तेजी आई। सप्ताह भर के कारोबार पर नजर डालें तो शेयर बाजार में बीते हफ्ते की रिकॉर्ड छलांग के बाद सोमवार को बड़ी मुनाफावसूली दिखी। सेंसेक्स 46 अंकों की तेजी के साथ 71,437.35 के लेवल पर खुला और 168 अंकों की गिरावट के साथ 71315 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी भी 22 अंकों की गिरावट के साथ 21,434.80 पर खुला और 38 अंकों की गिरावट के साथ 21418 अंकों पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को सपाट लेकिन पॉजिटिव शुरुआत हुई। इस दौरान शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 104.88 अंक टूटकर 71,165.56 के स्तर पर खुला और 122.10 अंकों की बढ़त के साथ 71,437.19 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी भी 32.56 फिसलकर 21,386.10 पर खुला और 34.45 की बढ़त के साथ 21,453.10 के स्तर पर बंद हुआ। जापान के बाद चीन की ओर से भी ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखने के बाद एशियाई बाजारों में बढ़त से भारतीय बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक बुधवार को नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर खुले। सेंसेक्स 384 अंकों की तेजी के साथ 71,821 के स्तर

पर खुला और 930 अंकों की गिरावट के साथ 70,500 पर बंद हुआ। निफ्टी 109 अंकों की तेजी के साथ 21,562 पर खुला और 302.95 अंक टूटकर 21,150.15 के लेवल पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स करीब 300 अंकों की गिरावट के साथ 70,200 पर खुला और 359 अंकों के उछाल के साथ 70,865 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी भी 100 अंक फिसलकर 21000 पर खुला और 105 अंकों के उछाल के साथ 21,255 अंकों पर बंद हुआ। वैश्विक बाजार से मिलेजुले संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार की शुक्रवार को सपाट स्तर पर शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स 168.38 अंकों की बढ़त के साथ 71,097.82 पर खुला और 241.86 (0.34 फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 71,106.96 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 अंक बढ़कर 21,280 पर खुला और 94.36 (0.44 फीसदी) अंक मजबूत होकर 21,349.40 के स्तर पर बंद हुआ।

डीटीसी अपने बेड़े में शामिल करेंगी 200 नई इलेक्ट्रिक बसें

नई दिल्ली । दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) नए साल में अपने बेड़े में 200 इलेक्ट्रिक बसें शो मिल कर सकती है। इससे उसके बेड़े में बसों की कुल संख्या 1,500 हो जाएगी। दिल्ली परिवहन निगम वर्तमान में राष्ट्रीय राजधानी में 1,300 इलेक्ट्रिक बसें संचालित करता है। इनमें से 500 को इस महीने की शुरुआत में हरी झंडी दिखाई गई थी। एक अधिकारी ने कहा कि दिल्ली इंटिग्रेटेड मल्टी-मॉडल ट्रांजिट सिस्टम लिमिटेड (डीआईएमटीएस) क्लस्टर बसों की निगरानी और प्रबंधन करता है। वैसे तो इलेक्ट्रिक बसें पहले ही डीटीसी बेड़े में शामिल हो चुकी हैं, लेकिन डीआईएमटीएस को जल्द ही 200 बसें मिलेंगी। अधिकारी ने कहा कि सौ बसें पहले ही आ चुकी हैं। हम 100 और बसों के आने की उम्मीद कर रहे हैं और इन्हें जनवरी के मध्य में हरी झंडी दिखाए जाने की संभावना है।

टाटा की दो एसयूवी को मिली 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग

-टाटा सफारी और हेरियर है ये दो एसयूवी

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की दो एसयूवी को 5 स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। ये एसयूवी है टाटा सफारी और हेरियर। दोनों ही एसयूवी को चाइल्ड प्रोटेके शन और एडल्ट प्रोटेके शन में 5 स्टार की रेटिंग मिली है। खुद केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के एमडी शैलेश चंद्रा को दोनों कारों का बीएनसीएपी सर्टिफिकेट दिया। फिलहाल क्रैश टेस्ट में किस कैटेगरी में दोनों कारों को कितने नंबर मिले हैं इसका खुलासा होना बाकि है।अपनी खुद की कार क्रैश टेस्टिंग एजेंसी रखने वाला भारत अब दुनिया का पांचवा देश हो गया है। इससे पहले अमेरिका, दक्षिण कोरिया, चीन और जापान में क्रैश टेस्ट किए जाते थे। वहीं भारत

की गाड़ियों को जीएनसीएपी की ओर से ही टेस्ट किया जाता था। बीएनसीएपी के क्रैश टेस्ट के दौरान फ्रंट इम्पैक्ट, साइड पोल इम्पैक्ट, साइड बैरियर इम्पैक्ट और इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल को चेक किया गया है। बीएनसीएपी को कई और ऑटो मैन्युफैक्चरर्स ने अपनी गाड़ियों को क्रैश टेस्ट के लिए दिया है। आने वाले समय में और कई कारों के क्रैश टेस्ट के रिजल्ट सामने आएंगे। वहीं 2024 में लॉन्च होने वाली कई कारों को भी कंपनियों ने पहले ही क्रैश टेस्ट के लिए बीएनसीएपी को सौंप दिया है। इससे कार लॉन्च होने से पहले ही ग्राहकों को उनकी सेफ्टी रेटिंग के बारे में पता चल सकेगा।

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने जियोमार्ट से किया समझौता

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के उत्पादों के लिए बाजार पहुंच बढ़ाने के लिए रिलायंस रिटेल की जियोमार्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसी से जुड़े कार्यक्रम में ग्रामीण आजीविका मिशन के अतिरिक्त सचिव चरणजीत सिंह ने कहा कि इस गठजोड़ से एसएचजी ई-कॉमर्स मंच पर विक्रेता के तौर पर शामिल हो सकेंगे और बड़े ग्राहक आधार तक अपने उत्पादों को पहुंचा सकेंगे। सिंह ने कहा कि यह साझेदारी एसएचजी की आय बढ़ाने की दिशा में मंत्रालय के प्रयासों को आगे बढ़ाएगी। मिशन सतत आधार पर एसएचजी की आय बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। मंत्रालय और जियोमार्ट के बीच साझेदारी के तौर पर दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) से जुड़े सभी एसएचजी विक्रेताओं को अपने व्यवसाय को ऑनलाइन बढ़ाने में लाभ और मार्गदर्शन मिलेगा।

ईडी ने तारा कॉरपोरेशन और अन्य की 35.1 करोड़ की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 40.92 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में तारा कॉर्पोरेशन लिमिटेड और अन्य की 35.10 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने बताया कि कुर्क की गई अचल संपत्ति पंजाब के मलेरकोटला में स्थित है। जांच के मुतो बिक ऋण राशि को तारा कॉर्पोरेशन से विभिन्न फर्जी फर्मों में स्थानांतरित कर दिया गया था और उसके बाद इसे तारा हेल्थ फूड लिमिटेड (टीएचएफएल) और तारा सेल्स लिमिटेड नाम से एक अन्य सहयोगी कंपनी में एकीकृत कर दिया गया था। ईडी ने कहा कि टीएचएफएल में प्राप्त राशि का उपयोग उन उद्देश्यों के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए किया गया था जिनके लिए कर्ज लिया गया था। जसवंत सिंह के व्यक्तिगत खातों में 3.12 करोड़ रुपये और टीएचएफएल को 33.99 करोड़ रुपये की रकम भेजी गई थी। इससे पहले ईडी ने तारा कॉर्पोरेशन और तारा हेल्थ फूड के पूर्व निदेशक जसवंत सिंह गज्जन माजरा को इसी साल 6 नवंबर को गिरफ्तार किया था। ईडी का मामला एसीबी, सीबीआई (चंडीगढ़) द्वारा दर्ज एफआईआर पर आधारित है।

हंसगुल्ले

मोहन : सोहन तुम मुझे एक हजार रुपए उधार दे दो तो मैं तुम्हारा जिंदगी भर ऋणी रहूंगा।
सोहन: नहीं यार मोहन। मैं तुम्हें इतने लंबे समय के लिए ऋण नहीं दे सकता हूं।

••••

एक आदमी टैक्सी में बैठा और ड्राइवर से बोला : जरा तेज चलो वरना मेरा चित्रहार निकल जाएगा।
ड्राइवर: अगर मैं ज्यादा तेज चला तो ऐसा न हो कि आपके और मेरे चित्रों पर हार चढ़ जाए।

••••

एक यात्री किसान से: अगर मैं तुम्हारे खेत से होकर जाऊं तो क्या पांच बजे वाली गाड़ी पकड़ सकता हूं।
किसान : बिल्कुल पकड़ लोगे और यदि तुम्हें मेरे कुत्ते ने देख लिया तो तुम चार बजे वाली गाड़ी भी पकड़ सकते हो।

••••

एक लड़का आंखों के डॉक्टर के पास गया और बोला, मुझे चश्मा बनवाना है।
डॉक्टर : किसके लिए बनवाना है।
लड़का : मास्टरजी के लिए। उन्हें मैं गधा दिखाई देता हूं।

••••

किसी के सुतली में बंधे रुपए गिरे हैं क्या। एक आदमी ने बाजार में खड़े होकर पूछा।
मेरे गिरे हैं। एक साथ कई लोग बोले। आदमी बोला : मुझे तो सिर्फ सुतली ही मिली है।

••••

मेहमान : क्या बात है, मैं जब भी खाना खाता हूं, आपका कुत्ता मुझे घूरने लगता है।
मेजबान : क्योंकि हमारा कुत्ता अपनी प्लेट पहचानता है।

••••

संजय : मदन तुम बात करते समय हमेशा अपने मुंह में शकर क्यों रख लेते हो।
मदन : क्योंकि मास्टरजी ने हमेशा मीठा बोलने को कहा है।

••••

सेठजी कार से जा रहे थे। अचानक ड्राइवर ने ब्रेक लगा दिए। धक्का लगा तो उन्होंने ड्राइवर से पूछा। ड्राइवर बोला : सामने एक पत्थर आ गया था।
सेठजी : तो हार्न क्यों नहीं बजाया।

••••

छड़ी का जादू

सुजान नगर में लखपतराय नाम का एक धनी व्यापारी रहता था। उसका बेटा था करोड़ीमल, जो बहुत ही होनहार और मेहनती था। बहुत छोटी उम्र से ही व्यापार में अपने पिता का हाथ बंटाने लगा।

एक दिन अचानक सेठ लखपतराय का निधन हो गया। अब घर और व्यापार की जिम्मेदारी करोड़ीमल पर आ गई। मेहनती करोड़ीमल ने अपनी दुकानों की बिक्री में कोई कमी नहीं आने दी, लेकिन जब भी साल के अंत में वो हिसाब लगाता था, घाटा ही उसके हाथ लगता।

साल दर साल हो रहे इस घाटे से वो परेशान हो गया। अब उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर किया क्या जाए? इस चिन्ता में वो कमज़ोर होता जा रहा था। उसे किसी ने ज्योतिषी से अपनी ग्रह-दशा दिखाने को कहा, सो उसने किया। ज्योतिष ने उससे कहा कि शनि की वक्रदृष्टि की वजह से ये सब हो रहा है। जिसका निवारण भी करोड़ीमल ने किया। इसके बावजूद उसे कोई फायदा नहीं हुआ।

एक दिन नगर में सिद्ध महात्मा जी का आगमन हुआ। इसकी जानकारी करोड़ीमल को मिली। वो उनसे मिलने पहुंच गया। महात्मा जी से उसने अपना सारा हाल बताया। साथ ही यह भी कहा कि शनि की वक्रदृष्टि की वजह से ये सब समस्याएं आई हुई हैं। शनि की इस दशा से मुक्ति के लिए कोई कारगर उपाय मांगा।

करोड़ीमल की सारी बात गम्भीरता से महात्मा जी ने सुनी, जिसके बाद वे समझ गए कि करोड़ीमल को समस्या क्या है?

महात्मा जी ने उसे अगले दिन आने को कहा। दूसरे दिन जब वो महात्मा जी से मिलने गया, तो उन्होंने उसे एक छड़ी दी और कहा 'वत्स, ये करामाती छड़ी है। इसे अपने पास रखो। इससे तुम्हें व्यापार में मुनाफा होने लगेगा। पर एक बात ध्यान रखना इस छड़ी को अपने कार्यस्थलों पर एक-एक बार ज़रूर ले जाना। सबसे खास बात यह है कि ये सिर्फ एक साल के लिए ही तुम्हें दे रहा हूं।'

करोड़ीमल सिर झुकाकर आभार व्यक्त करते हुए चला गया। अब वो बहुत प्रसन्न था। घर आया तो उसे बहुत तेज़ भूख लगी, सो वो रसोईघर में चला गया। वहां देखा कि रसोईयों के साथ अन्य नौकर मिलकर आटा, दाल, चावल, चाय आदि सामान अपने घर ले जाने के लिए निकालकर गठरियों में बांध रहे हैं।

करोड़ीमल के अचानक आ जाने से सबके होश उड़ गए। नौकरी जाने के डर से सभी नौकर करोड़ीमल से माफी मांगने लगे। करोड़ीमल ने आइंदा ऐसा न करने की हिदायत देकर उन्हें छोड़ दिया। अनायास ही चोरी पकड़े जाने की वजह से छड़ी से वो बेहद प्रभावित हुआ।

दूसरे दिन वो छड़ी को अपने साथ दुकान ले जा रहा था, तभी रास्ते में गोदाम पर रुक गया। गोदाम में भीतर जाने पर उसने पाया कि नौकर पीछे के दरवाज़े से गोदाम का अनाज गाड़ी में रखवा रहे हैं। करोड़ीमल को अचानक वहां पाकर नौकर सकते में आ गए। सभी हाथ जोड़कर माफी मांगने लगे। करोड़ीमल ने चोरी न करने की शपथ दिलवाकर छोड़ दिया। गोदाम से सीधे वो दुकान पहुंचा, तो देखा कर्मचारी माल तो बेच रहे हैं, पर धन अपनी जेब में रख रहे थे। करोड़ीमल ने उनपर गुस्से की नज़र डाली। दोपहर बाद वो दुकान से फलों के बगीचे में जा पहुंचा। वहां उसने देखा कि बागवान और अन्य नौकर सोए पड़े हैं। जानवर पेड़-पौधे व फलों को खा रहे हैं। पिछले दो-तीन दिनों से पेड़ों में पानी भी नहीं दिया गया था। उसने कान पकड़कर नौकरों को उठाया और उनको खूब डांटा-फटकारा। वहां से चलकर जब वह अपनी दूसरे नम्बर की दुकान पर पहुंचा, तो वहां का दृश्य देखकर ठगा-सा रह गया। मैनेजर अपने यार-दोस्तों के साथ दुकान के अंदर ही जुआ खेल रहा था और नौकर ग्राहकों को सस्ते भाव में सौदा बेच रहे थे। आधे पैसे गल्ले में तो आधे अपनी जेबों में भर रहे थे।

करोड़ीमल को लगा ये सब तो महात्मा जी की जादुई छड़ी का कमाल है। इसलिए वह इस छड़ी को लेकर दुकान, गोदाम, रसोईघर और बगीचे में रोज़ तीन-चार बार चक्कर लगाने लगा। मालिक के बार-बार आने-जाने और ध्यान रखने की वजह से नौकर भी सम्भल गए और चोरी करना छोड़ दिया। अब वर्ष के अंत में जब हिसाब हुआ तो करोड़ीमल को मुनाफा हुआ। हुए मुनाफे को देखकर वो बहुत ही खुश हो गया। उसने सोचा इस छड़ी ने शनि के बुरे प्रभाव को नष्ट कर दिया, लेकिन जैसे ही महात्मा जी की शर्त याद आई वो बहुत दुखी हो गया। उसे डर था कि छड़ी के जाने के बाद उसे फिर से घाटा होने लगेगा। छड़ी लौटाने की घड़ी भी आ ही गई और वो महात्मा जी के पास पहुंचा और बोला 'इस छड़ी की जादुई शक्तियों और आपकी कृपा की वजह से मुझे इस वर्ष मुनाफा हुआ है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि ये छड़ी एक और वर्ष के लिए मेरे पास रहने दीजिए। अगले वर्ष मैं इसे अवश्य ही लौटा दूंगा।'

करोड़ीमल की बात सुनकर महात्मा जी मुस्कुराते हुए बोले 'वत्स, इस छड़ी में कोई जादुई शक्ति नहीं है। ये तो एक सामान्य सी छड़ी है। चमत्कार तुम्हारी नई सोच की वजह से हुआ है। पहले अपने काम को दूसरों के भरोसे छोड़ दिया करते थे। और दूसरे तुम्हारे साथ धोखा किया करते थे, वस्तुत: तुमको नुकसान सहना पड़ता था। जब तुमने खुद घूमना शुरू किया तो तुम्हारे कर्मचारियों ने चोरी करना छोड़ दिया। और फिर तुम्हारा घाटा मुनाफे में तब्दील हो गया। असल बात तुमको समझ में आ गई। बीते साल की तरह ही कार्य करो, मुनाफा होगा।'

महात्मा जी बात करोड़ीमल की समझ में आ गई। अब वो अपने कार्य किसी के भरोसे नहीं छोड़ता, हर जगह खुद ही घूमता और देखभाल करता। अब उसे दिन दोगुना और रात चौगुना मुनाफा होने लगा।

पहेलियाँ

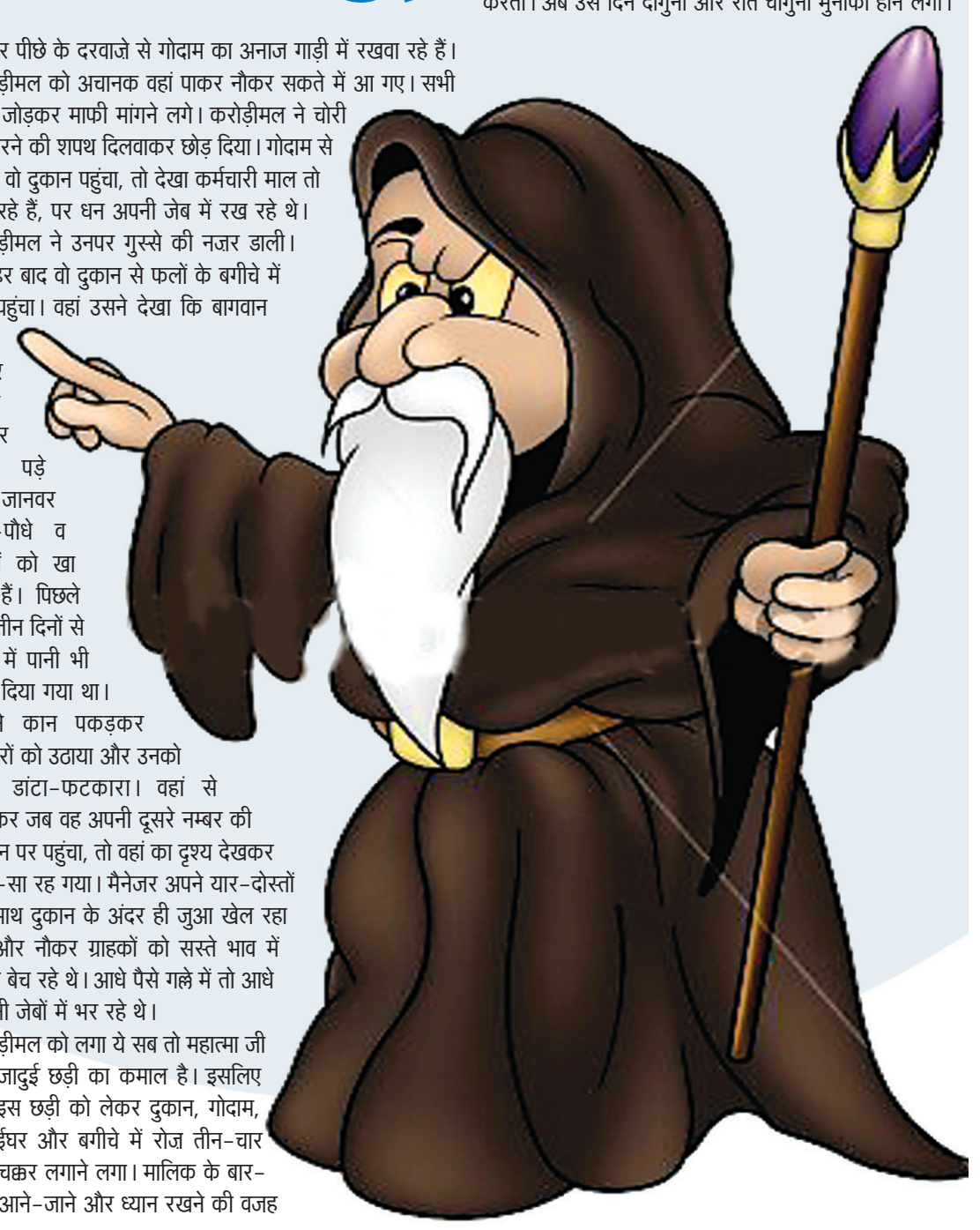

दूध की कटोरी में
काला पत्थर,
जल्दी से तुम बताओ
सोच कर।

•••

पाँच अक्षर का मेरा
नाम,
उल्टा सीधा एक
समान।

•••

चाची के दो कान,
चाचा के नहीं कान,
चाची अति सुजान,
चाचा को कुछ ना
ज्ञान।

•••

तीन अक्षर का मेरा
नाम,
उल्टा सीधा एक
समान,
मैं हूं एक जाति का
नाम।

•••

वायुमण्डल की
ऊपरी सतह पर,
भाईयों में पाई जाती
हूं,
सूर्य की कॉस्मिक
विकिरण से,
सभी जीव की जान
बचाती हूं।

•••

उत्तर - आँख, मलयालम, तवा और कढ़ाई, ईसाई, वायुमंडल की ओजोन परत

रंग भरो

बिंदु मिलाओ

रास्ता खोजो

अपनी सुरक्षा खुद ही कर लेती हैं मधुमक्खियां

हमें शहद देने वाली और फूलों पर मंडराकर उस शहद को इकट्ठा करने वाली मधुमक्खियां अपनी रक्षा करना भी जानती हैं। इसके लिए वे प्रकृति का सहारा लेती हैं। एक प्रकार के पौधे में पाया जाने वाला द्रव उनका सुरक्षा कवच बनता है, जो उनके छत्ते यानी निवास को फफूंद से बचाता है।

मधुमक्खियां कालोनी बनाकर रहती हैं, जिसमें एक रानी मधुमक्खी, कई नर मधुमक्खियां और बहुत सारी श्रमिक मधुमक्खियां होती हैं। मधुमक्खियों को अपनी कालोनी पर फफूंद के संक्रमण का बहुत खतरा रहता है, इस संक्रमण की मार से कैसे बचा जाए इसके लिए वे अपनी कालोनी को सुरक्षित रखने का पूरा ध्यान रखती हैं। कालोनी को फफूंद के संक्रमण से बचाने के लिए वे उन पौधों का सहारा लेती हैं जिनमें प्रोपोलिस पाया जाता है। प्रोपोलिस रेजिन और मोम का मिश्रण होता है जिससे पौधे फफूंद के संक्रमण से बचे रहते हैं। मधुमक्खियां पौधों से इस प्रोपोलिस को कालोनी में एकत्र करती हैं और उससे फफूंद विरोधी कवच तैयार करती हैं। इस कवच से वे संक्रमण के खतरे से काफी हद तक बच पाती हैं। पौधों में पाया जाने वाला प्रोपोलिस मधुमक्खियों की कालोनी को फफूंद के संक्रमण से बचाने में अच्छी भूमिका निभाता है। संक्रमण का खतरा भांपते ही मधुमक्खियां पौधों से प्रोपोलिस एकत्र करने में जुट जाती हैं, इस स्थिति में वे अपनी प्रोपोलिस एकत्र करने की गति को 45 प्रतिशत तक बढ़ा देती हैं। जब कभी वे पाती हैं कि लार्वा फफूंद से संक्रमित हो गया है तो वे उसे भी अपनी कालोनी से हटाने से नहीं चूकती क्योंकि वे जानती हैं कि संक्रमित लार्वा से फफूंद तेजी से फैलता है। मधुमक्खियों पर यह अध्ययन हाल ही में मिन्सोटा विश्वविद्यालय के मार्ला सिपवैक व नार्थ कैरोलिना स्टेट विश्वविद्यालय के माइकल सिमोन-फिंसटोर्म ने संयुक्त रूप से किया। अवश्य ही मधुमक्खियों पर वैज्ञानिकों का किया यह अध्ययन गौर करने योग्य है। फफूंद का संक्रमण एक बहुत ही जटिल समस्या है। संक्रमण से बचने के लिए मधुमक्खियों के इस तरीके का इस्तेमाल और भी बहुत जगह फफूंद रोकने में उपयोगी होगा।

संसद सुरक्षा चूक मामले के आरोपी महेश कुमावत पांच जनवरी तक हिरासत में

नई दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने संसद सुरक्षा चूक मामले के आरोपी महेश कुमावत की हिरासत शनिवार को पांच जनवरी तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश हरदीप कौर ने दिल्ली पुलिस की अर्जी पर आरोपी कुमावत की हिरासत अवधि बढ़ा दी। पुलिस ने अदालत को बताया कि पूरी साजिश का पता लगाने के लिए कुमावत से पूछताछ की जरूरत है। अभियोजन ने अदालत से पहले कहा था कि आरोपी ''देश में अराजकता फैलाना चाहता था ताकि वे सरकार को उनकी अवैध और अनुचित मांगों को मानने के लिए मजबूर कर सकें। पुलिस ने कहा, ''हमले के पीछे के वास्तविक कारण और दुश्मन देश और आतंकवादी संगठनों के साथ उसके संबंध का पता लगाने के लिए हिरासत की आवश्यकता है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, कुमावत सह-आरोपी ललित झा के साथ थाने आया था और दोनों को विशेष प्रकोष्ठ को सौंप दिया गया था। पुलिस ने बताया कि तब से उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने कहा कि वह 'भगत सिंह फैन क्लब पेज का सदस्य था जिसे अब हटा दिया गया है। कुमावत को सबूत नष्ट करने और आपराधिक साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

देश के इन राज्यों में आज भारी बारिश की संभावना....ओले भी गिर सकते हैं

नई दिल्ली । जहां उत्तर भारत में ठंड पड़ रही है, वहीं कुछ राज्यों में भारी बारिश की भी चेतावनी जारी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, कम से कम छह राज्यों में मौसम का मिजाज बदलने वाला हैं, यानी रविवार को जमकर बारिश होगी। इसके अलावा इन राज्यों में ओले भी गिरने की संभावना हैं। मौसम विभाग ने बताया है कि असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा के लिए ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, नॉर्थवेस्ट राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश, साउथ राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और इंटीरियर ओडिशा के इलाकों में न्यूनतम तापमान छह से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रिकॉर्ड किया जा सकता है। न्यूनतम तापमान औसत से अधिक रहने की संभावना है। इसके अलावा, शनिवार की सुबह के समय हरियाणा, पंजाब, पूर्वी उत्तर प्रदेश में घना कोहरा दर्ज किया गया, जबकि नॉर्थ मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी घना कोहरा देखने को मिला। तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, माहे, लक्षद्वीप में अगले पांच दिनों तक हल्की से मध्यम और कुछ जगह पर भारी बारिश होगी। इसके अलावा, पंजाब, उत्तर प्रदेश में 25 दिसंबर को घने से बहुत घने कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। वहीं हरियाणा में 25-28 दिसंबर, पंजाब में 26-28 दिसंबर, नॉर्थ राजस्थान और ओडिशा में 24 और 25 दिसंबर, उत्तर प्रदेश में 26 दिसंबर, उत्तरी मध्य प्रदेश में 24 दिसंबर, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में 27 और 28 दिसंबर को सुबह के समय कुछ इलाकों में कोहरा छाया रहेगा।

सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, 3-4 नक्सली ढेर

सुकमा । छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच मुठेभड़ हो रही है। जानकारी के मुताबिक मुठभेड़ में अब 3 से 4 नक्सली मारे जा चुके हैं। मुठभेड़ काफी देर से जारी है। ये मुठभेड़ सुकमा के गोगुंडा इलाके में हो रही है। सुरक्षाबलों की फायरिंग में 3-4 नक्सली ढेर हो चुके हैं, जबकि कुछ घायल भी हुए है। वहीं सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। सुकमा के एसपी किरण चव्वाण और सीआरपीएफ डीआईजी अरविंद राय ने बताया कि उन्होंने मुठभेड़ पर नजर बनाई हुई है। वहीं सुरक्षाबल नकस्लियों को घरने की कोशिश में लगे हुए हैं। सुकमा में एनकाउंटर की खबर उस समय में सामने आई है जब छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और अरुण साव के साथ दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने पहुंचे हैं। हाल ही में सीएम साय ने नक्सलियों को दो टूक चेतावनी देकर कहा था कि अब छत्तीसगढ़ में डबल इंजन की सरकार है। इसके बाद नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। सीएम ने नक्सली हमलों को लेकर बैठक भी की थी और अधिकारियों को नक्सलियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया था।

भारत में बीते 24 घंटे में कोरोना के 752 नए मामले

नई दिल्ली। भारत में बीते 24 घंटे में कोरोना के 752 नए मामले दर्ज हुए और उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 3,420 हो गई है। बता दें कि देश में 21 मई 2023 के बाद से एक दिन में सामने आए कोरोना संक्रमण के ये सबसे अधिक मामले हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में अब तक सामने आए कोरोना के मामलों की कुल संख्या 4.50 करोड़ (4,50,07,964) है। देश में बीते 24 घंटे में संक्रमण से चार लोगों की मौत होने के कारण इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,33,332 हो गई है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में केरल में दो और राजस्थान और कर्नाटक में कोविड-19 से एक-एक मरीज की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,44,71,212 हो गई है। स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है, वहीं मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। मंत्रालय के अनुसार, देश में अभी तक कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत 220.67 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। आंकड़ों के अनुसार, 58 देशों में कोविड-19 के कुल 22 हजार 205 पॉजिटिव मामलों में से 45 फीसदी (9,930) नमूने बीए.2.86 या इसके उपस्वरूप जैसे जेएन.1 के लिए सकारात्मक मिले हैं। इनमें आठ देशों डेनमार्क, स्पेन, सिंगापुर, बेल्जियम, नीदरलैंड, फ्रांस, यूनाइटेड किंगडम और आयरलैंड में इकट्ठा किए गए 50 फीसदी से अधिक पॉजिटिव नमूनों में यह वेरिएंट मिला है।

सुरंग में 41 श्रमिकों की जान बचाने वालों ने इनाम लेने से किया इंकार

देहरादून । सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को निकालने वाले रैट होल माइनर्स ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा इनाम के तौर पर दिए गए 50,000 रुपये लेने से इनकार कर दिया है। माइनर्स ने कहा कि सीएम द्वारा दी जाने वाली यह राशि उनकी भूमिका के हिसाब से नहीं है। रैट होल माइनिंग की टीम को नेतृत्व करने वाले अधिवक्ता हसन ने कहा कि यह एक निराशाजनक स्थिति थी। जब मशीनें फंसे हुए श्रमिकों तक पहुंचने में विफल थीं, तब हमने बिना किसी शर्त के अपने जीवन को खतरे में डालते हुए मलबे में मैन्युअल रूप से ड्रिलिंग की। हम मुख्यमंत्री के कदम की सराहना करते हैं, लेकिन हमें जो राशि दी गई है, उससे संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सम्मानित 12 माइनर्स ने सामूहिक रूप से चेक का भुगतान न लेने का फैसला किया है। जिस दिन हमें चेक सौंपे गए थे, उसी दिन मैंने मुख्यमंत्री को अपना असंतोष व्यक्त किया था। उस वक्त अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिया कि हमारे संबंध में कुछ घोषणा एक-दो दिनों में की जाएगी, जिसके बाद हम वहां से लौट आए। उन्होंने कहा कि हालांकि, अगर वादा पूरा नहीं किया गया तो हम चेक वापस कर देंगे। ऑपरेशन में मदद करने वाले रैट-होल माइनर्स अपने लिए स्थायी नौकरी की राज्य सरकार से उम्मीद करते हैं। हासन की अध्यक्षता वाली कंपनी रॉकवेल इंटरप्राइजेज के लिए काम करने वाले और फंसे हुए श्रमिकों तक पहुंचने वाले पहले व्यक्ति मुन्ना ने कहा कि फंसे हुए श्रमिकों को बचाने के लिए किए गए प्रयासों को देखते हुए उन्हें दी गई राशि पर्याप्त नहीं थी। उन्होंने आगे कहा कि फंसे हुए श्रमिकों को बचाने के लिए हम सचमुच मौत के मुंह में चले गए। हमने अपने परिवार के सदस्यों की बात नहीं सुनी क्योंकि, मानव जीवन को बचाना था। हमारी भूमिका को स्वीकार करने के लिए 50,000 रुपये का चेक बहुत मामूली राशि है। हम सरकार से एक स्थायी नौकरी या रहने के लिए घर मिलने की उम्मीद कर रहे हैं।

बजट का 25 प्रतिशत शिक्षा में निवेश करना केजरीवाल सरकार का निवेश : आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली की केजरीवाल सरकार में शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि हर साल बजट का 25 प्रतिशत शिक्षा में निवेश करना मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नीत सरकार के लिए खर्च नहीं बल्कि एक निवेश है। आतिशी ने कहा कि इस संस्थान की सफलता ने अन्य राज्यों को योगशाला जैसे कार्यक्रम शुरू करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने कहा, डीपीएसआरयू को देश के पहले भेषज विज्ञान अनुसंधान विश्वविद्यालय में बदलना शिक्षा के प्रति केजरीवाल सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हर साल शिक्षा में बजट का 25 प्रतिशत निवेश करना दिल्ली सरकार के लिए निवेश है, न कि कोई खर्च।

पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को दिए वोट प्रतिशत बढ़ाने के मंत्र

-भाजपा की राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में 4 जातियों पर किया फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का शीतकालीन सत्र समाप्त होने के बाद भाजपा ने शुक्रवार को राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दो दिवसीय बैठक आयोजित की। इस दौरान पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं को वोट प्रतिशत बढ़ाने के मंत्र भी दिए। बैठक के पहले ही दिन आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों एवं लगातार तीसरी जीत दर्ज करने के लिए आवश्यक भावी कार्यक्रमों की रुपरेखा तय करने के लिए मंथन किया। तकरीबन साढ़े चार घंटे तक चली इस मैराथन बैठक के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी पूरे समय मौजूद रहे। इस बैठक की शुरुआत उस दिन हुई जब जंतर-मंतर पर विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस यानी इंडिया का विरोध प्रदर्शन हुआ। जहां से केंद्र सरकार पर तीखे हमले किए गए और देश में लोकतंत्र को खत्म किए जाने का आरोप लगाते हुए इसे बचाने के पक्ष में आवाज बुलंद की गई। हालाकि भाजपा की बैठक को लेकर पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया लेकिन सूत्रों ने बताया कि यह बैठक संगठनात्मक ढांचे को आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सक्रिय करने और मोदी की गारंटी को जनता के बीच अधिक से अधिक पहुंचाने पर केंद्रित रही। इस बैठक की अध्यक्षता जे पी नड्डा ने की।

बैठक में मौजूद एक सूत्र ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के वोट 10 प्रतिशत और बढ़ाने के लिए बूथ स्तर पर बेहद सक्रियता से काम करने के संबंध में एक विषय रखा। बूथ प्रबंधन को चुनौती के रूप में लेने का सुझाव देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके लिए मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश का बूथ प्रबंधन उदाहरण हैं। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाएं यदि गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं तक सही से पहुंच जाएं तो इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। जाति आधारित जनगणना के विषय को तूल देने की विपक्षी दलों की कोशिशों की काट के लिए हाल के दिनों गरीब, युवा, किसान और महिलाएं ही चार जातियां हैं। पीएम का कहना है कि अगर इनका कल्याण हो जाए तो 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र होने से कोई नहीं रोक सकता।प्रधानमंत्री ने पदाधिकारियों को विकसित भारत संकल्प यात्रा पर जोर देने की सलाह दी।

पीएम मोदी ने नए व युवा मतदाताओं को साधने के लिए एक ऐसा अभियान आरंभ करने का भी सुझाव दिया जिससे उन्हें पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार और वर्तमान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के कामकाज का फर्क पता चल सके। भाजपा की संगठन शक्ति का हवाला देते हुए पार्टी नेताओं से पूरी तैयारियों के साथ जनता के बीच जाने का आह्वान भी किया। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल ने विकसित भारत संकल्प यात्रा को जनता से मिल रही प्रतिक्रिया की जानकारी प्रदेश अध्यक्षों और राज्यों प्रभारियों द्वारा केंद्रीय नेतृत्व को देने का सुझाव भी दिया।

दवाई खरीदी मामले में दिल्ली सरकार की मुश्किलें बढ़ीं, एलजी ने दिए सीबीआई जांच के आदेश

नई दिल्ली। अस्तपतालों में दवाई खरीदी मामले में दिल्ली सरकार की मुश्किलें फिर बढ़ने वाली है। एलजी ने सीबीआई जांच के आदेश दे दिए हैं। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने एक और मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच के आदेश दिए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक एलजी ने दिल्ली सरकार द्वारा अस्पतालों के लिए खरीदी गई दवाइयों के मामले में जांच के आदेश दिए हैं। बताया जा रहा है कि मुताबिक लोगों की शिकायतों पर आप सरकार के अस्पतालों ने बेतरतीब ढंग से दवाइयां खरीदी। ये दवाइयां सरकारी और निजी परीक्षण प्रयोगशालाओं में परीक्षण के दौरान फेल पाई गई हैं। एक एजेंसी के ट्वीट के मुताबिक सीएम अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा खरीदी गई अप्रामाणिक दवाएं हो लेकर एलजी ये आदेश दिए हैं। एजेंसी की रिपोर्ट की मुताबिक लोगों की शिकायतों पर आप सरकार ने अस्पतालों के लिये बिना नियमों के दवावाओं की खरीद की थी। ये दवाएं सरकारी और निजी परीक्षण प्रयोगशालाओं में टेस्ट के दौरान विफल साबित हुई हैं। गौरतलब है ?कि सीएम अरविंद केजरीवाल को कुछ दिनों पहले प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में दूसरी बार समन जारी किया था। ईडी ने सीएम से इस मामले में पूछताछ के लिए दफ्तर में पेश होने को कहा था। इसके जवाब में दिल्ली के सीएम ने ईडी के समन को पहली बार की तरह गैर कानूनी करार दिया था। उन्होंने का था कि मुझे ईडी किस हैसियत से पूछताछ के लिए बुलाना चाहती है, पहले यह स्पष्ट करे। इस सवाल का जवाब ईडी ने मुझे अभी तक नहीं दिया है।

भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन... राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर फिर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन धन कुछ हाथों में केंद्रित हो रहा है और बेरोजगारी की चुनौती जारी है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों के साथ बातचीत में उनसे पिछले 10 वर्षों में भारत की आर्थिक वृद्धि के बारे में पूछा गया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि जब आप आर्थिक विकास की बात करते हैं तो आपको यह सवाल पूछना होगा कि आर्थिक विकास किसके हित में है।

पूछने का प्रश्न यह है कि उस वृद्धि की प्रकृति क्या है और उससे किसे लाभ हो रहा है। भारत में विकास के आंकड़े के ठीक बगल में आपके पास भारत में बेरोजगारी का आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि इसलिए भारत बढ़ रहा है, लेकिन जिस तरह से यह बढ़ रहा है वह बड़े पैमाने पर बहुत कम लोगों की ओर धन केंद्रित कर रहा है। गांधी ने आगे कहा कि हम ऋण मॉडल पर काम कर रहे हैं और अब हम उत्पादन नहीं कर रहे हैं। हमारे पास दो या तीन व्यवसाय हैं जो लगभग संपूर्ण व्यवसाय हैं। उन्होंने कहा, भारत में असली चुनौती यह है कि हम ऐसी उत्पादन अर्थव्यवस्था कैसे स्थापित करें जो बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार देने में सक्षम हो।

उन्होंने कहा कि हमारे पास मिस्टर अडानी हैं, हर कोई जानता है कि वह सीधे प्रधानमंत्री से जुड़े हुए हैं। वह हमारे सभी बंदरगाहों, हवाई अड्डों, हमारे बुनियादी ढांचे के मालिक हैं! इस तरह की एकाग्रता के साथ, आपको विकास मिलेगा, लेकिन आपको कोई वितरण नहीं मिलेगा। यह पूछे जाने पर कि यह चुनावी नतीजे या लोगों की लामबंदी में तब्दील क्यों नहीं हुआ, गांधी ने कहा कि बड़े पैमाने पर लामबंदी है, लेकिन चुनाव लड़ने के लिए बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है।

पहलवान साक्षी मलिक से मिली प्रियंका गांधी, समर्थन का दिया आश्वासन

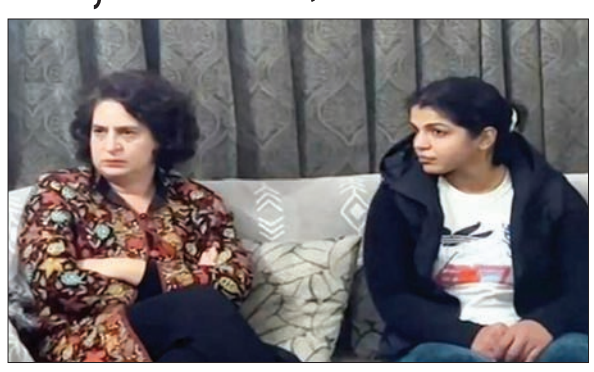

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपियन पहलवान साक्षी मलिक से कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने एकजुटता व्यक्त कर उन्हें न्याय की लड़ाई में हर तरह से समर्थन देने का आश्वासन दिया। बता दें कि प्रियंका गांधी साक्षी मलिक के आवास पर पहुंचीं और उनसे तथा अन्य पहलवानों से मुलाकात की। इस दौरान प्रियंका गांधी ने साक्षी मलिक को न्याय की लड़ाई में हर तरह से समर्थन देने का आश्वासन देते हुए यह भी कहा, दुनिया भर में देश का नाम रोशन करने वाली महिला खिलाड़ियों ने भाजपा सांसद और तत्कालीन डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था, लेकिन भाजपा सरकार ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की और उल्टे पीड़ितों को तरह-तरह से प्रताड़ित किया गया। प्रियंका गांधी ने कहा कि बीजेपी अभी भी आरोपी के साथ खड़ी है और उसे हर तरह से पुरस्कृत कर रही है। देश की महिलाएं इस अत्याचार को देख रही हैं।

इस पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक जैसे खिलाड़ियों का अपमान सिर्फ उनका नहीं बल्कि पूरे देश का अपमान है। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया में भारत का मान बढ़ाने वाले खिलाड़ियों का अपनी ही सरकार के सामने इस तरह बेबस होना काफी शर्मनाक है। प्रधानमंत्री को कम से कम इस मामले में तो अपना अहंकार त्यागकर देश को गौरवान्वित करने वाले खिलाड़ियों को एक बार न्याय का भरोसा दिलाना चाहिए था।

2024 के चुनाव में किसान नहीं देंगे सरकार का साथ : राकेश टिकैत

प्रयागराज । भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और निराकरण कराने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने 2024 के चुनाव में सरकार का खुला विरोध करने की बात कही। किसान नेता राकेश टिकैत ने एक बड़ी कार्यशाला में किसानों की मूलभूत समस्याओं पर मंथन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन किसानों का हितैषी हमेशा रहा है और रहेगा। किसानों की समस्याओं पर उन्होंने कहा कि किसानों की सबसे बड़ी समस्या भूमाफियाओं का है। जो लगातार किसान की जमीन को अधिकृत कर रहे है। किसानों की जमीनों को औने पौने दामों पर खरीद कर 10 से 50 गुना ज्यादा मूल्य पर बेचने का काम कर रहे हैं। उन्होंने विकास के नाम पर कहा कि सरकार जमीनों को खरीदने का काम कर रही है। जिसका हम पूर्णतया विरोध करते हैं। राकेश टिकैत ने कानपुर में किसान द्वारा किए गए आत्महत्या के मामले पर कहा कि बिना सरकार की मिली भगत के ये कृत्य नहीं हो सकते है। उन्होंने 2024 में होने वाली लोकसभा चुनाव को लेकर कहा है इस बार किसान किसी भी तरीके से सरकार का साथ नहीं देंगे। उन्होंने कहा पिछली बार सरकार ने हमें लुभावने सपने दिखाए हैं। जिस वजह से इस बार के चुनाव में हम केंद्र या राज्य सरकार के किसी भी झांसे में नहीं आएंगे।

संतों को सनातन धर्म के लिए सक्रिय काम करना चाहिए : भागवत

-सुरक्षा में हुई चूक, पुलिस ने दी सफाई

नई भागलपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि संतों को सनातन के प्रचार के लिए सक्रिय होकर काम करना चाहिए। उन्होंने भागलपुर के कुप्पा घाट स्थित महर्षि मेहीं आश्रम में संतों से संवाद करते हुए कहा कि सनातन धर्म के लिए यदि कोई चुनौती है तो उसे प्रभावी ढंग से और एकजुट होकर निपटाया जाना चाहिए। इस दौरान मोहन भागवत की सुरक्षा में चूक की बात भी कही जा रही है। भागवत शुक्रवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे महर्षि मेंही आश्रम पहुंचे। आश्रम में भागवत का भव्य स्वागत एवं सत्कार किया गया। भागवत के दौरे को देखते हुए भागलपुर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इस बीच, आरएसएस प्रमुख के आश्रम पहुंचने पर कथित सुरक्षा चूक हुई, जब एक व्यक्ति अचानक आया और भागवत को एक पुस्तक सौंपने का प्रयास किया। कहा गया कि आरएसएस प्रमुख का स्वागत करने वाले लोगों की सूची में उसका नाम नहीं था। मुन्ना बाबा नाम के इस व्यक्ति ने आरएसएस प्रमुख के पैर छूने की भी कोशिश की। सुरक्षाकर्मियों ने उसे तुरंत रोका और जांच की। पत्रकारों से बात करते हुए भागलपुर के पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) रोशन गुप्ता ने स्पष्ट किया कि मुन्ना बाबा को वास्तव में आश्रम द्वारा आमंत्रित किया गया था। अखिल भारतीय संत सत्संग संघ के महासचिव दिव्य प्रकाश ने कहा कि मुन्ना बाबा भी आश्रम में नियमित आमंत्रित अतिथि थे। महर्षि में हीं आश्रम भागलपुर के बरारी इलाके में कुप्पा घाट नामक प्राचीन गुफा क्षेत्र के पास स्थित है। कुप्पाघाट में एक गुफा है जहां संतमत महर्षि में हीं ने कई महीनों तक योग और ध्यान का अभ्यास किया था।

जेडीयू और आरजेडी के बीच चल रही तनातनी का कारण बने ललन सिंह की हो सकती है छुट्टी ?

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में काफी उठा पटक होने वाली है। इस तरह के संकेत इसलिए मिल रहे हैं कि यहां आरजेडी और जेडीयू भले ही मिलकर सरकार चला रहे हैं लेकिन भीतर ही भीतर सबकुछ ठीक नहीं है। वजह एक नहीं कई है लेकिन जिस तरह से ललन सिंह को अध्यक्ष पद से हटाने की खबरें चल रहीं है उसके यही मायने निकाले जा रहे हैं जेडीयू में भी दिक्कतें हैं। जिसके चलते जेडीयू में बड़े बदलाव की सुगबुगाहट तेज हो चुकी है। सूत्रों ने बताया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को जेडीयू अध्यक्ष के पद से हटा सकते हैं। यह फैसला 29 दिसंबर को दिल्ली में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान लिए जाने की संभावना है। कयासों के बीच सूत्रों ने कहा कि नीतीश कुमार खुद पार्टी प्रमुख का पद संभाल सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, नीतीश कुमार को उनके करीबी विश्वासपात्रों ने सलाह दी है कि उन्हें पार्टी अध्यक्ष का पद संभालना चाहिए, क्योंकि इससे पार्टी के भीतर किसी भी तरह की कलह से बचने में मदद मिलेगी। ललन सिंह की जगह किसी नए चेहरे को अध्यक्ष बनाने से कलह शुरू हो सकती है।

सूत्रों के मुताबिक, नीतीश कुमार ललन सिंह के कामकाज के तरीके और खासकर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ उनकी बढ़ती नजदीकियों को लेकर नाराज हैं। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि ललन सिंह 2024 का लोकसभा चुनाव फिर से मुंगेर से लड़ने के इच्छुक हैं और वह आरजेडी के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं।रिपोर्टों में कहा गया है कि नीतीश अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए इंडिया गठबंधन भागीदारों के साथ अच्छा समन्वय करने में विफलता के कारण भी ललन सिंह से नाराज हैं। ललन सिंह को अगर जेडीयू प्रमुख के पद से हटा दिया जाता है तो वह जॉर्ज फर्नांडिस, शरद यादव, आरसीपी सिंह, उपेंद्र कुशवाहा और चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की लीग में शामिल हो जाएंगे। इन नेताओं को पहले नीतीश कुमार के बेहद करीबी होने के बावजूद पद से हटा दिया गया था। बता दें कि इंडिया गठबंधन की बैठक के दौरान नीतीश कुमार ने जनवरी तक सीट-बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप देने की आवश्यकता पर जोर दिया। जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव और नीतीश कुमार के करीबी नेता संजय झा ने पार्टी कार्यालय में मीडिया को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार ने विचार व्यक्त किया कि सीट बंटवारा जनवरी तक पूरा हो जाना चाहिए। सभी पार्टियों को एक सामान्य न्यूनतम कार्यक्रम के साथ काम करना चाहिए।

भाजपा का आरोप...कर्नाटक में शरिया कानून लागू कर रही कांग्रेस सरकार

-हिजाब पर फिर राजनीति शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने पर लगी पाबंदी को हटा दिया है। कांग्रेस सरकार के फैसले पर भाजपा राज्य सरकार पर हमलावर है। मालूम हो कि हिजाब को लेकर पिछली भाजपा सरकार की ओर से 2022 में प्रतिबंध लगाया गया था। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में हिजाब प्रतिबंध हटाने से राज्य में शरिया कानून लागू होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष सत्ता में आया तब पूरे देश में इस्लामिक कानून लागू होगा। एक बार फिर हिजाब को लेकर राजनीति शुरु हो गई है।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा, यह महज हिजाब पर प्रतिबंध हटाना ही नहीं है, बल्कि राज्य में शरिया कानून की स्थापना है। अगर राहुल गांधी, कांग्रेस और इंडिया गंठधन की देश में सरकार बनी तब पूरे देश में इस्लामी कानून लागू होगा। यह सुनियोजित योजना का हिस्सा है। यह सनातन धर्म को नष्ट करने की साजिश है। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने इस लेकर राज्य की कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया वोट-बैंक की राजनीति कर रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में अल्पसंख्यकों के वोट पाने के लिए हो रहा है।

पूर्व सीएम बोम्मई ने कहा, हिजाब हर जगह पहना जाता है, मगर यहां यह ड्रेस कोड का मुद्दा है। सिद्धारमैया स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों के बीच भेदभाव पैदा करना चाहते हैं। वह वोट बैंक की राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस पर ध्यान भी नहीं दिया। वह अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए ऐसा कर रहे हैं और उनकी नजर लोकसभा चुनाव पर है। हम इस फैसले की निंदा करते हैं।

वहीं कांग्रेस की ओर से भाजपा के आरोपों पर पलटवार हुआ है। कांग्रेस की ओर से कहा गया कि यह कदम कानून के तहत उठाया गया है, इस लेकर राजनीति नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे व राज्य मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा, मुझे नहीं लगता कि बीजेपी को संविधान के बारे में जानकारी है। उन्हें संविधान पढ़ने की जरूरत है। कोई भी ऐसा कानून या नीति जो कर्नाटक की प्रगति के लिए सही नहीं है, उस नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। अगर जरूरत पड़ी तब हम उस कानून या नियम को हटाएंगे और यही किया भी गया है।

खालिस्तानियों की करतूत- अमेरिकी मंदिर में तोड़फोड़ लिखे आपत्तिजनक नारे

कैलिफोर्निया। खालिस्तान समर्थक कनाडा और आस्ट्रेलिया के अलावा अब अमेरिका में भी मंदिरों को निशाना बनाने लगे हैं। उन्होंने हाल ही कैलिफोर्निया के नेवार्क में खालिस्तान समर्थकों ने हिंदू मंदिर की बाहरी दीवारों पर भारत विरोधी और खालिस्तान समर्थन में नारे लिखे हैं साथ ही उन्हें क्षतिग्रस्त भी किया है। ये मंदिर स्वामीनारायण मंदिर है। जिसकी दीवारों पर काले रंग से आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं। घटना की जानकारी मिलते ही नेवार्क पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई। अमेरिका के हिंदू-अमेरिकन फाउंडेशन ने सोशल मीडिया पर मंदिर की कुछ तस्वीरों को शेयर किया है। इसके साथ ही फाउंडेशन ने कैप्शन में लिखा कि स्वामीनारायण मंदिर वासना संस्था को खालिस्तान समर्थकों ने निशाना बनाकर शकी दीवारों पर खालिस्तानी नारे लिखे हैं, साथ ही उसे क्षतिग्रस्त भा किया है। फाउंडेशन ने इस मामले की जानकारी पुलिस के साथ ही न्याय विभाग के नागरिक अधिकारों को भी दी है। फाउंडेशन का कहना है कि वो चाहती है कि इस घटना की जांच पुलिस इसे हेट क्राइम मानकर करे। वहीं खालिस्तान आतंकवादी भिंडरावाले का जिक्र करते हुए कहा है कि उसने हत्या के लिए हिंदुओं को निशाना बनाया है अब मंदिर को निशाना बनाया जा रहा है ताकि लोगों में खौफ पैदा हो सके। फाउंडेशन का कहना है कि इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि पुलिस इसे घृणा अपराध मानकर जांच करे। इस मामले पर सैन फ्रांसिस्को में मौजूद भारतीय वाणिज्य दूतावास ने कड़ी आपत्ति जताई है। दूतावास ने स्वामीनारायण मंदिर पर भारत विरोधी नारे लिखे जाने की कड़ी निंदा करते हुए बयान दिया है कि इस घटना से भारतीय समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। वैसे ये कोई पहला मौका नहीं है जब विदेशी सरजमी पर हिंदुओं के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया गया हो। इससे पहले भी कई बार इस तरह के मामले सामने आए हैं। ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में भी खालिस्तानियों ने मंदिरों को निशाना बनाया है। इस तरह की घटनाओं पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताते हुए सरकार ने कई राजनयिक मंचों पर इस मुद्दे को उठाया है। इसी साल अगस्त में खालिस्तानी समर्थकों ने कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया शहर में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की थी। साथ ही मंदिर के दरवाजे पर खालिस्तानी पोस्टर चिपका दिए थे। ये सारी घटना परिसर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई थी। वहीं ऑस्ट्रेलियाके मेलबर्न में भी इसी साल जनवरी में ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां स्वामीनारायण मंदिर पर भी खालिस्तान समर्थकों ने भारत विरोधी नारे लिखे थे।

सांता बनकर 250 फीट ऊपर बिल्डिंग से गिरा शख्स, देखने वाले ताली बजाते रहे

मास्कों। रूस के चेलियाविंस्क शहर में सांता क्लॉज बना एक शख्स उस समय जान से हाथ धो बैठा जब वह बच्चों को क्रिसमस की बधाई देने के लिए एक इमारत पर चढ़ने लगा। शख्स के अपने बेटे और पत्नी समेत ढेरों बच्चे और आम लोग पास में लगे क्रिसमस ट्री के नजदीक खड़े होकर उसे चीयर कर रहे थे तभी बड़ा हादसा हो गया। मिली जानकारी के अनुसार हाल में रूस में एक शख्स ने कुछ ऐसा ही किया वह रूसी सांता (ग्रैंडफादर फ्रॉस्ट) बनकर बच्चों के बीच पहुंचा लेकिन उसके साथ दर्दनाक हादसा हो गया था। दरअसल ये शख्स बच्चों के क्रिसमस की बधाई देने के लिए एक इमारत पर चढ़ने लगा। इस दौरान अचानक उसके हाथ से रस्सी छूट गई और वह लगभग 250 फीट नीचे जा गिरा और उसकी उसी समय मौत हो गई। ये दिल दहलाने हादसा था, लेकिन वहां खड़े लोगों को देर तक लगता रहा कि सांता का गिरना उसके एक्ट का ही हिस्सा है लेकिन तब तक वह दम तोड़ चुका था। एक महिला ने बताया वहां खड़े सभी लोग सदमे में हैं। हर कोई मजे कर रहा था, और कोई सोच भी नहीं सकता था कि ऐसा होगा। मैंने खुद भी आखिरी मिनट तक सोचा कि यह कोई एक्ट है और सेलिब्रेशन चलता रहा। कार्यक्रम का आयोजन करने वाली रेजिडेशियल मैनेजमेंट कंपनी ने घटना के लिए माफ़ी मांगी और कहा कि क्लाइंबर काफी एक्सपीरिएंस्ड था इसलिए उसे ये काम दिया गया था। आज के सेलिब्रेशन ने दुखद रूप ले लिया। कंपनी ने कहा कि हम पुलिस को हादसे के कारणों को समझने में मदद करेंगे और ऐसे एक्ट दोबारा कभी आयोजित नहीं करेंगे। एक महिला ने कहा मेरे पति और बेटा वहां थे जिन्होंने ये दर्दनाक मंजर देखा। सांता बने ये वही क्लाइंबर है जो हमारे अपार्टमेंट ब्लॉक में खिड़कियाँ धोते रहे हैं लेकिन कभी कुछ ऐसा नहीं हुआ। रूसी राज्य जांचकर्ता घटनास्थल पर पहुंचे और जांच कर रहे हैं कि क्या एक्ट के समय सुरक्षा नियमों में कोई उल्लंघन हुआ था।

एआई बताएगा कब होगी इंसान की मौत और कैसा रहेगा भविष्य

वॉशिंगटन। जैसे-जैसे इंसान तरक्की कर रहा है, उसके नतीजे और ज्यादा भयानक हो रहे हैं। भयानक इसकारण क्योंकि जो चीजें इंसान से छुपी थीं, उनका भी पता इंसान को लगने लगा है। आखिर इंसान के सामने कोई भी चीज राज जैसी नहीं रहेगी। वैज्ञानिकों ने एक ऐसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित मॉडल बनाया है, जो इंसान का डाटा लेकर उसके भविष्य के बारे में सटीक जानकारी दे सकता है, इसमें उसकी मौत का समय भी शामिल है। इस एआई मॉडल का नाम है, लाइफ2 वीईसी जिसे काफी ज्यादा मात्रा में डाटा के साथ तैयार किया गया है और इसके जरिए ये भविष्य का पता लगाता है। इस डेनमार्क और यूएस के वैज्ञानिकों ने मिलकर बनाया है। इस मॉडल को पहले 60 लाख डैनिश लोगों के डाटा दिए गए, जैसे जन्म की तारीख, स्कूल, शिक्षा, सैलेरी, हाउसिंग और स्वास्थ्य. इस आधार पर एआई मॉडल ने अंदाजा लगाया कि आगे क्या हो सकता है। इसके निर्माताओं का कहना है कि इस आधार पर लोगों की मौत का पता भी लगा सकता है। इस मॉडल को 35 से 65 साल के लोगों पर टेस्ट किया गया जिनमें से आधे लोग 2016 से 2020 के बीच मर चुके थे, तब इस मॉडल ने 78 फीसदी सटीक उत्तर देकर बता दिया कि कौन मरेगा और कौन जीएगा। उन्होंने बताया कि मॉडल को डेनमार्क के डाटा के आधार पर तैयार किया गया था, तब मुमकिन है कि ये दूसरे देशों के डाटा को सही ना जांच पाए। उन्होंने कहा कि इसतरह के मॉडल कंपनियों के हाथों में नहीं जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि गौर करने वाली बात ये है कि हमारे मॉडल का उपयोग किसी इंश्योरेंस कंपनी द्वारा नहीं किया जाना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि बीमा कंपनियां इसी आधार पर लोगों के पैसे चुकाती हैं। फिलहाल ये मॉडल आम जनता के इस्तेमाल के लिए नहीं है।

चीन के सीक्रेट प्लेन ने अंतरिक्ष में छह अज्ञात वस्तुएं छोड़ी

- एक अमेरिकी रिपोर्ट में किया गया दावा

वाशिंगटन। चीन के सीक्रेट प्लेन ने अंतरिक्ष में छह अज्ञात वस्तुएं छोड़ दी हैं। यह दावा किया गया है एक ताजा अमेरिकी रिपोर्ट में। चीन के रहस्यमय पुन- प्रयोज्य अंतरिक्ष विमान, शेनलोंग उर्फ 'डिवाइन ड्रैगन' ने अपने तीसरे मिशन में केवल चार दिन में रहस्य की एक और परत जोड़ दी है। दुनिया भर के शौकिया पर्यवेक्षक इसके प्रक्षेपण के बाद से अंतरिक्ष यान पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने अब खुलासा किया है कि चीनी अंतरिक्ष यान ने कथित तौर पर छह अज्ञात वस्तुओं को पृथ्वी की कक्षा में छोड़ा था। किस लिए? यहां वह सब कुछ है जो आपको जानना आवश्यक है। शौकिया तौर पर, अंतरिक्ष यान ट्रैकर जो इन रहस्यमय वस्तुओं पर नजर रख रहे हैं, वे उत्सर्जन उत्सर्जित कर रहे हैं। जिन ऑब्जेक्ट पर वो नजर रख रहे हैं, उन्हें ऑब्जेक्ट ए, बी, सी, डी, ई और एफ नाम दिया गया है। स्कॉट टिली एक शौकिया खगोलशास्त्री हैं, जो अपनी उपग्रह ट्रैकिंग विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं, इन वस्तुओं की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। एक्स पर टिली ने वस्तुओं को 'रहस्यमय विंगमैन' के रूप में संदर्भित किया। उन्होंने कहा, 'ऑब्जेक्ट ए या उसके आस-पास का उत्सर्जन पहले के चीनी अंतरिक्ष विमान 'विंगमैन' के उत्सर्जन की याद दिलाता है, इस अर्थ में कि सिग्नल सीमित मात्रा में डेटा के साथ संशोधित होता है। ऐसी अटकलें हैं कि ऑब्जेक्ट ए से उत्सर्जन उसके करीब की किसी वस्तु से हो सकता है, लेकिन यह अटकलें हैं, किसी भी सबूत पर आधारित नहीं है जिसके बारे में मुझे जानकारी है।' स्कॉट टिली ने कहा, 'यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि चीनी अंतरिक्ष विमान मिशन 1 और 2 के शुरुआती उत्सर्जन के विपरीत, ये उत्सर्जन बहुत रुक-रुक कर होते हैं और लंबे समय तक नहीं रहते हैं।

चेक गणराज्य में एक मैमोरियल में एकत्र लोग चार्ल्स यूनीवर्सिटी में मारे गये लोगों को याद करते हुए।

सिंगापुर भी कोविड 19 की गिरफ्त में, लगातार बढ़ रहा संक्रमण

सिंगापुर। सिंगापुर भी कोविड 19 की गिरफ्त में चल रहा है। यहां पर कोविड के लगातार मामले बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ओंग ये कुंग ने कहा है कि कोविड-19 की नई लहर में सिंगापुर में संक्रमण के मामले संभवत: चरम पर पहुंच चुके हैं, इसलिए मास्क पहनने को अनिवार्य करने जैसे अतिरिक्त उपायों को लागू करने की आवश्यकता नहीं है। मी ?डिया की एक खबर में शुक्रवार को उत्तरी सिंगापुर के वुडलैंड्स में एक स्वास्थ्य परिसर के उद्घाटन के अवसर पर ओंग के हवाले से कहा कि मामलों में थोड़ी वृद्धि हो सकती है, लेकिन मुझे लगता है कि इस लहर का यह चरम है। मंत्री ने कहा, 'हमारे पास अस्पताल में 10,000 बिस्तरों वाली मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली हैं। 600 या 700 बिस्तर पर मरीजों के होने का मतलब है कि छह-सात प्रतिशत बिस्तर पर संक्रमित मरीज हैं, जो कम नहीं है। यह हमारे स्वास्थ्य कर्मियों और हमारे तंत्र पर काम के अच्छे खासे दबाव जैसा है। ओंग ने कहा कि हम आकलन कर रहे हैं, कि क्या हम अतिरिक्त एसएमएम (सुरक्षित प्रबंधन उपायों) के बिना इसका सामना कर सकते हैं। पिछले कुछ दिनों में संक्रमितों की अनुमानित संख्या में कमी आई है। ऐसे संकेत हैं कि मामले थम गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अस्पताल में भर्ती होने और गहन देखभाल की आवश्यकता संक्रमण के मामलों से कम रहती है। मामले लगातार चार सप्ताह से बढ़ रहे हैं। 12-18 नवंबर में संक्रमितों की संख्या 10,726 थी जबकि 10-16 दिसंबर में यह बढ़कर 58,300 हो गई। मंत्री ओंग ने स्वीकार किया कि क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के दौरान संक्रमण फैलने की आशंका है। उन्होंने सिंगापुरवासियों को बीमार होने पर मास्क पहनने और घर पर रहने तथा टीकाकरण कराने के लिए कहा। वरिष्ठ नागरिकों या गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए साल में एक बार टीकाकरण कराना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

यूक्रेन के पास नहीं बचे गोला बारुद, अब रुस के आगे सरेंडर कर सकते हैं जेलेंस्की!

मॉस्को (एजेंसी)। रुस और यूक्रेन के बीच करीब दो सालें से युद्ध चल रहा है। सैनिक भी लड़ते लड़ते थकने लगे हैं और अर्थव्यवस्था भी चौपट होने लगी है। इसी बीच खबर आ रही है कि यूक्रेन के पास आगे की लड़ाई के लिए गोला बारुद नहीं बचे हैं। ऐसे में संभावना यह भी जताई जाने लगी है कि, हो सकता है कि जल्द ही जेलेंस्की रुस के आगे सरेंडर कर सकते हैं। यूक्रेन को अमेरिका और नाटो देशों से मिले हथियार अब खत्म होने की कगार पर है। रिपोर्ट की मानें तो रूस से लड़ने के लिए यूक्रेन के पास सिर्फ 7 दिन तक के लिए बड़े हथियार बचे हैं। यूक्रेन के हथियारों की एक लिस्ट जारी करते हुए पश्चिमी देशों से नए हथियार और गोला बारूद मांगे हैं, लेकिन जेलेंस्की के मददगारो ने हाथ खड़े कर दिए हैं। तो क्या इसका मतलब ये निकाला जाए कि जनवरी में यूक्रेन की हार तय हो चुकी है।

माना जा रहा है कि हथियारों के बिना रूस के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा यूक्रेन लाचार हो जाएगा। यूक्रेन के पास अब इन हथियारों के लिए गोला-बारूद नहीं बचा है। जिन देशों ने यूक्रेन को और ज्यादा हथियार देने से मना कर दिया है, उनमें अमेरिका, ब्रिटेन और जर्मनी भी हैं, जो जंग में यूक्रेन के बड़े मददगार रहे हैं। यूक्रेन ने दूसरे देशों से मिले जिन 24 हथियारों की लिस्ट जारी की है उनमें अमेरिका का एम 142 हिमारस रॉकेट सिस्टम, टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम एटीएसीएमएस, हारपून मिसाइल, ब्रिटेन का स्टॉर्म शैडो क्रूज मिसाइल, ब्रिटेन का लेंजर-2 टैंक, अमेरिका का ब्रैडली लड़ाकू वाहन, स्वीडन का सीवी-90 लड़ाकू वाहन, फ्रांस और डेनमार्क से मिली सेजार- सेल्फ प्रोपेल्ड तोप, अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया से मिले एम 777 तोप जैसे कई खतरनाक हथियार शामिल हैं।

हथियारों के खत्म होने के बाद सवाल यह है कि बिना हथियारों के यूक्रेन रूस से कैसे लड़ेगा यूक्रेन? क्या यूक्रेन के हथियारों का खत्म होते जाना जेलेंस्की के सरेंडर की तैयारी है? इस समय यूक्रेन को बड़े स्तर पर हथियारों की जरूरत है। खासकर जमीनी जंग लड़ने के लिए आज यूक्रेन को अच्छी आर्टिलरी की निहायत जरुरत है, लेकिन नाटो से मिले तोपखाने बेकार होते जा रहे हैं। क्योंकि नाटो देशों के पास भी गोला बारूद की कमी होती जा रही है। यूरोपीय देशों ने यूक्रेन को हथियार देना या तो बहुत कम कर दिया है या फिर लगभग बंद कर दिया है। हथियारों की कमी होने से यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की की चिंताएं बढ़ गई हैं। रूस के खिलाफ अगर जंग में टिके रहना है तो यूक्रेन के गोला-बारूद की जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार यूरोपीय देशों द्वारा यूक्रेन को मदद करने में असमर्थता जताने की वजह के पीछे उनके खुद के हथियार भंडारों में कमी आ जाना है। इस बीच यूरोप के 130 से अधिक सांसदों ने अमेरिका से अपना समर्थन जारी रखने का आग्रह किया।

ट्रंप को फिर झटका, कोर्ट ने जल्द सुनवाई वाली याचिका कर दी खारिज

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में अगले साल होने जा रहे चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मैदान में उतर पाएंगे या नहीं, इसको लेकर संशय की स्थिति बन रही है। दरअसल, कोलोराडो कोर्ट ने 2024 का चुनाव लड़ने के लिए उन्हें अयोग्य ठहरा दिया था। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा कि ट्रंप अगले साल अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में भाग नहीं ले सकते हैं। हालांकि, कोर्ट के आदेश को पलटने के लिए डोनाल्ड ट्रंप के पास समय है। वह चार जनवरी तक सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर सकते हैं।

ट्रंप को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई करने के ट्रंप के आवेदन को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले में जल्द सुनवाई नहीं करेगा। दरअसल, ट्रंप ने निचली अदालत के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी और इस मामले में जल्द सुनवाई की अपील की थी। मगर शीर्ष अदालत ने ट्रंप के रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया।अगर सुप्रीम कोर्ट निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखता है तो डोनाल्ड ट्रंप अगले साल राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। बता दें कि यह पूरा मामला 6 जनवरी 2021 का है, जब ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। नतीजे आने के बाद उन्होंने कैपिटल हिल पर धावा बोल दिया था। भारी संख्या में ट्रंप के समर्थन अमेरिकी संसद में घुस गए थे। इस दौरान उनके समर्थकों ने हिंसा भी की थी।

बता दें कि इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई थी। बाद में उन पर कैपिटल हिल में हिंसा भड़काने का आरोप लगा। बता दें कि कोलाराडो कोर्ट ने इस मामले पर 4-3 से फैसला सुनाते हुए ट्रंप को चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित किया था। अमेरिका के इतिहास में शायद ऐसा पहली बार हुआ है, जब किसी राष्ट्रपति उम्मीदवार को व्हाइट हाउस की रेस में शामिल होने से पहले अयोग्य करार दे दिया गया हो।

सनम जावेद ने जेल से भरी हुंकार, कहा शहबाज शरीफ के खिलाफ लड़ेंगी चुनाव

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में होने जा रहे चुनाव की सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। 8 फरवरी को यहां आम चुनाव है और नेताओं ने एक दूसरे के खिलाफ कमर कस ली है। इसी बीच जेल में बंद सनम जावेद ने ऐलान किया है कि वे पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के खिलाफ चुनाव लड़ेगी। पीटीआई की सनम जावेद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पीएमएल-एन चीफ मरियम नवाज के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। सनम के चुनाव लड़ने की घोषणा उनके पिता जावेद इकबाल ने की है। इकबाल ने दावा किया कि उन्हें अपनी बेटी से नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर कराने में सात दिन लग गए। इस बीच, पीटीआई कार्यकर्ता की मां ने कहा कि वह अपनी बेटी के लिए चुनाव अभियान चलाएंगी। एंटी टेररिज्म कोर्ट ने 2 दिसंबर को जमान पार्क के बाहर पुलिस हमले के मामले में पीटीआई कार्यकर्ता सनम जावेद की जमानत को मंजूरी दे दी थी और उसे 2 लाख रुपये का जमानत बॉन्ड जमा करने का निर्देश दिया था।

पीटीआई कार्यकर्ता के वकील ने कोर्ट में कहा कि एक मामले में जमानत मिलने के बाद पुलिस ने सनम जावेद को दूसरे मामले में गिरफ्तार कर लिया।सनम जावेद पर आरोप है कि उन्होंने 9 मई को प्रदर्शन के दौरान सेना से जुड़ी संपत्तियों पर हमला किया और नुकसान पहुंचाया। हाल ही में सनम जावेद को कोर्ट ने जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था, लेकिन वह जैसे ही लाहौर की कोट लखपत जेल से बाहर निकलीं, पुलिस ने उन्हें एक दूसरे मुकदमे में गिरफ्तार कर लिया और उसे दोबारा सलाखों के पीछे भेज दिया।वकील ने कोर्ट से सनम जावेद को जमानत देने का अनुरोध किया। बता दें कि 9 मई की घटनाओं को लेकर सनम जावेद सहित पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी की लगभग एक दर्जन से अधिक महिलाएं पिछले पांच महीने से अलग-अलग जेलों में बंद हैं। वहीं, पीटीआई कार्यकर्ता के वकील ने कोर्ट में कहा कि एक मामले में जमानत मिलने के बाद पुलिस ने सनम जावेद को दूसरे मामले में गिरफ्तार कर लिया।

भारत के दरवाजे तक पहुंची हूतियों की हिंसा! गुजरात के पास टैंकर जहाज पर हमला, मोदी ने भेजे इंडियन नेवी के युद्धपोत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तट के पास हिंद महासागर में लाइबेरिया के झंडे वाले टैंकर पर ड्रोन से हमला किया गया है। अरब सागर में हुए इस हमले की कई रिपोर्टों में पुष्टि हुई है। एएफपी ने दो समुद्री एजेंसियों के हवाले से बताया कि शनिवार को एक ड्रोन हमले में भारत के तट पर एक व्यापारी जहाज क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। इनमें से एक जहाज इजराइल से संबद्ध व्यापारिक जहाज है, जिस पर भारत के पश्चिमी तट के पास अरब सागर में मानवरहित ड्रोन ने हमला कर दिया, जिससे जहाज में आग लग गई। भारतीय रक्षा अधिकारियों ने कहा कि भारतीय तटरक्षक जहाज आईसीजीएस विक्रम पोरबंदर तट से 217 समुद्री मील दूर अरब सागर में एक व्यापारिक जहाज एमवी केम प्लूटो की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि इसमें ड्रोन हमले के कारण आग लगने की घटना की आशंका है। रक्षा अधिकारियों ने यह भी कहा कि जहाज में कच्चा तेल है और यह सऊदी अरब के एक बंदरगाह से मैंगलोर की ओर जा रहा था। भारतीय नौसेना के अधिकारियों ने बताया कि अरब सागर में एमवी केम प्लूटो के आसपास भारतीय नौसेना के युद्धपोत भी बाहरी भारतीय ईईजेड में व्यापारी जहाज की ओर बढ़ रहे हैं। भारतीय तट रक्षक जहाज आईसीजीएस विक्रम पोरबंदर लागत से 217 समुद्री मील दूर अरब सागर में एक व्यापारिक जहाज एमवी केम प्लूटो की ओर बढ़ रहा है। भारतीय नौसेना के अधिकारियों ने बताया कि इसमें ड्रोन हमले के कारण आग लगने की घटना की आशंका है। जहाज में कच्चा तेल है और यह सऊदी अरब के एक बंदरगाह से मैंगलोर की ओर जा रहा था।

60 साल बाद चीन फिर से करने जा रहा परमाणु हथियारों की टेस्टिंग

बीजिंग। चीन 60 साल बाद फिर से परमाणु हथियारों का परीक्षण करने वाला है। इस मीडिया रिपोर्ट ने दुनियाभर के देशों को परेशान कर डाला हैं। सैटेलाइट तस्वीरें सामने आने के बाद इसकी आशंका को और बल मिला है। चीन के शिनजियांग में स्थित लोप नूर न्यूक्लियर टेस्ट फैसिलिटी में एक्टिविटी दिखाई पड़ रही है। तस्वीरों से अनुमान लगाया जा रहा है कि चीन जल्द ही परमाणु परीक्षण करने की फिराक में है। तस्वीरें संकेत करती प्रतीत होती हैं कि चीन जल्द ही पूर्ण परमाणु परीक्षण या, संभवत: सबक्रिटिकल परमाणु विस्फोट करने की स्थिति में हो सकता है। एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय भू-स्थानिक खुफिया विशेषज्ञ डॉ। रेनी बेबियार्ज़ द्वारा उपलब्ध कराए गए सबूतों पर यह सूचना आधारित है। पेंटागन के पूर्व विश्लेषक डॉ। बार्बियार्ज़ ने लोप नूर सुविधा की उपग्रह इमेजरी का अध्ययन करने में वर्षों बिताए, जहां चीन ने 16 अक्टूबर, 1964 को अपना पहला परमाणु परीक्षण किया था।

हमास-इस्राइल युद्ध : जंग के बीच सोशल मीडिया पर जारी घटना और मौत के झूठे दावे

तेल अवीव (एजेंसी)। मानवीय त्रासदी को नकारने या कम दिखाने के लिए ग़ज़ा में 'पैलीवुड' शब्द का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसे पैलेस्टाइन और हॉलीवुड को मिलाकर बनाया गया है। इसे फैलाने वालों का दावा है कि हताहतों के हालात को बढ़ा-चढ़ा कर दिखाने के लिए फ़लस्तीनी क्राइसिस एक्टर बनावटी फुटेज प्रसारित करते हैं। इस दावे को ऑनलाइन लगातार शेयर किया जाता है ताकि जनमानस को प्रभावित किया जा सके और अंतरराष्ट्रीय मीडिया को गफ़लत में डाला जा सके । इस संबंध में दिसम्बर के पहले सप्ताह में युद्धविराम ख़त्म होने के बाद दोबारा शुरू हुए संघर्ष के दौरान एक अस्पताल के सामने पांच महीने की फ़लस्तीनी बच्ची मोहम्मद हानी अल-ज़ाहर के शव को लेकर उनकी मां और दादा खड़े थे। लेकिन अपनी बच्ची का शव हाथों में लिए परिवार का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो एक इसराइली अख़बार ने मोहम्मद की एक फ़ोटो जारी करते हुए लिखा कि उनके हाथों में एक गुड़िया थी। तीखी आलोचनाओं के बाद अख़बार ने अपनी वेबसाइट से इस लेख को हटा लिया और सोशल मीडिया पर खेद व्यक्त करते हुए लिखा कि यह लेख ग़लत स्रोतों के आधार पर लिखा गया था। कुछ सप्ताह पहले इसराइली किशोर रोटेम माथियास (16) और उनकी दो बहनों शाक्केड और शीर का एक वीडियो वायरल हुआ। रोटोम ने बयान दिया था कि सात अक्टूबर को हमास के हमले में उनके माता पिता मारे गए थे। हमले के समय वे ग़ज़ा की सीमा से लगे किबुत्ज़ के अपने घर में थे।

हमले के कई दिन बाद मीडिया ने इन बच्चों ने साक्षात्कार दिया था। इस साक्षात्कार का एक एडिटेड क्लिप वायरल हो रहा है, जिसमें झूठा दावा किया गया कि वीडियो में वो एक्टिंग कर रहे थे और अपने माता पिता की मौत के बारे में झूठ बोल रहे थे। वो कैमरे के सामने अपनी हंसी छिपाने की कोशिश कर रहे थे। ये सिर्फ दो उदाहरण हैं, जिन्हें दसियों लाख लोगों ने सोशल मीडिया देखा। यह गज़ा युद्ध को लेकर सोशल मीडिया में गहरे विभाजन को दिखाता है।

एक विश्लेषण से पता चलता है कि अकेले एक्स पर ही, पिछले 10 दिनों में पैलीवुड शब्द के इस्तेमाल में सबसे अधिक वृद्धि हुई है। इससे पहले जब 2014, 2018 और 2021 में इसराइल और फ़लस्तीन के बीच संघर्ष भड़का था, उस वक्त एक्स पर एक महीने में ही पैलीवुड के इस्तेमाल में लगातार वृद्धि देखी गई, मसलन एक महीने में ये 9,500 से 13,000 बार तक। सात अक्टूबर के बाद नवंबर में पैलीवुड शब्द का इस्तेमाल 2.2 लाख बार किया गया। विश्लेषण में पाया कि एक्स, फ़ेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर जो लोग बड़े पैमाने पर पैलीवुड शब्द इस्तेमाल कर रहे हैं, उनमें इसराइली सरकार के अधिकारी, सेलिब्रिटी और अमेरिका और इसराइल के मशहूर ब्लॉगर हैं। दूसरी तरफ़ सात अक्टूबर को हमास के अत्याचार को खारिज करने वाले फलस्तीनी समर्थकों द्वारा किसी एक शब्द का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है।

हालांकि सोशल मीडिया पर ऐसी पोस्टों पर दसियों लाख व्यूज़ हैं। कुछ झूठा दावा करते हैं कि हमास ने उस दिन नागरिकों की हत्या नहीं की थी, कुछ कहते हैं कि हताहतों की संख्या को बढ़ा-चढ़ा कर दिखाया गया। कुछ तो यहां तक झूठे दावे करते हैं कि अधिकांश पीड़ितों को इसराइली सेना ने मारा था, हमास ने नहीं। सुलह कराने के लिए होमे वाली बातचीत का अनुभव रखने वाले एक्सपर्ट आशंकित हैं कि दूसरी तरफ़ के नुकसान को कम दिखाने वाले वायरल दुष्प्रचार का असर दोनों पक्षों के बीच संबंध सामान्य बनाने की दीर्घकालिक संभावनाओं पर पड़ सकता है। संघर्षों, राजनीतिक हिंसा और चरमपंथी कार्रवाईयों के पीड़ितों का समर्थन करने वाली एनजीओ 'टिम पैरी एंड जोनाथनल

बाल फ़ाउंडेशन फ़ॉर पीस' में प्रोग्राम प्रमुख हैरिएट वाइकर्स ने कहा, सबसे बड़ा ख़तरा है भरोसे और सहानुभूति का खत्म होना। वो कहती हैं, यह सुलह समझौते की कोशिशों के शुरू होने में भी बड़ी बाधा पैदा करता है।'ग़लत सूचनाएं और अमानवीय जुमलेबाज़ियों' का हिंसा से पड़ने वाले सीधे प्रभावों से भी ज़्यादा असर पड़ सकता है और ये पीड़ितों को और नुकसान पहुंचा सकते हैं।

भारत / ऑस्ट्रेलिया महिला टेस्ट

हरमनप्रीत ने दिलाई भारत को वापसी, ऑस्ट्रेलिया को मामूली बढ़त

मुंबई (एजेंसी)। कप्तान हरमनप्रीत कौर (23 रन देकर 2 विकेट) ने तीसरे दिन शनिवार को यहां अंतिम क्षणों में दो विकेट लेकर भारत का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र महिला टेस्ट क्रिकेट मैच में पलड़ा भारी रखा। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 233 रन बनाए थे और इस तरह से उसने 46 रन की बढ़त हासिल कर ली है।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 219 रन के जवाब में अपनी पहली पारी में 406 रन बनाकर 187 रन की बढ़त हासिल की थी। हरमनप्रीत ने ताहलिया मैकग्रा (177 गेंदों में 73 रन, 10 चौके) को क्लीन बोल्ड किया और फिर खतरनाक दिख रही एलिसा हिली (32) को पगबाधा आउट किया। स्टंप उखड़ने के समय एनाबेल सदरलैंड 12 और एशलीग गार्डनर सात रन पर खेल रही थी। तीसरा दिन ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा।

भारत ने सुबह अपनी पारी सात विकेट पर 376 रन से आगे बढ़ाई और उसने आधे घंटे के खेल में ही 30 रन जोड़कर अपने बाकी बचे तीन विकेट गंवा दिए। सदरलैंड (41 रन देकर दो विकेट) ने भारत के निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कल की अविजित बल्लेबाज पूजा वस्त्राकर (47) और रेणुका सिंह (08) को जबकि किम गार्थ ने दीप्ति शर्मा (78) को आउट किया लेकिन इससे पहले भारतीयों ने दो नए रिकॉर्ड बनाए।

दीप्ति ने अपनी पारी में 171 गेंद का सामना किया और नौ चौके लगाए। भारत का 406 रन का योग ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक स्कोर है। दीप्ति और वस्त्राकर के बीच आठवें विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी भारत की तरफ से नया रिकॉर्ड है। ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी (33) और फोएबे लीचफील्ड (18) ने सतर्क शुरुआत की लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने उन्हें बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया।

रिचा घोष ने मूनी को रन आउट करके भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद स्नेह राणा (54 रन देकर दो विकेट) ने लीचफील्ड को बोल्ड किया जो रिवर्स स्वीप करने से चूक गई थी। एलिस पेरी बड़ी पारी खेलने के मूड में दिख रही थी लेकिन भारतीय विकेटकीपर यास्तिका भाटिया ने राणा की गेंद पर उनका शानदार कैच लेकर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। पेरी ने 91 गेंद पर पांच चौकों की मदद से 45 रन बनाए।

उन्होंने मैकग्रा के साथ तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की। राणा ने राजेश्वरी गायकवाड़ की गेंद पर पहली स्लिप में मैकग्रा का कैच छोड़ा जिसका फायदा उठाकर यह ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज अर्धशतक बनाने में सफल रही। इसके बाद जब वह 52 रन पर खेल रही थी तब हरमनप्रीत की पहली गेंद पर उन्हें पगबाधा आउट दे दिया गया था, लेकिन डीआरएस की मदद से वह क्रीज पर टिकी रही।

लेकिन हरमनप्रीत कुछ देर बाद ही उनका विकेट लेने में सफल रहीं। उनकी गेंद मैकग्रा के बल्ले का अंदरूनी किनारा लेकर विकटों में समा गई थी। विकेट से स्पिनरों को खास मदद नहीं मिल रही थी जिसके कारण भारतीय गेंदबाजों को संघर्ष करना पड़ा। राजेश्वरी गायकवाड़ ने 27 ओवर किए लेकिन उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। उनकी गेंद पर हालांकि हीली को दो जीवनदान मिले थे।

आईपीएल 2024 से बाहर हो सकते हैं हार्दिक

– मुम्बई इंडियंस की मुश्किलें बढ़ीं

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस के नये कप्तान हार्दिक पंड्या आईपीएल के अगले सत्र से बाहर हो सकते हैं। इससे उनकी टीम मुम्बई इंडियंस की परेशानी और बढ़ गयी है। मुम्बई ने हाल ही में ट्रेडिंग विंडो के जरिये गुजरात टाइटंस से पंड्या को लिया था। मुम्बई ने भविष्य की संभावनाओं को देखते हुए रोहित शर्मा को हटाकर हार्दिक को कप्तानी दी थी पर अब उसका ये फैसला नुकसान साबित हो सकता है क्योंकि एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक चोट के कारण आईपीएल सत्र नहीं खेल पायेंगे। हार्दिक अभी तक इस चोट के लिए हुई सर्जरी से नहीं उबरे हैं। इसी कारण वह अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर हो गये हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, हार्दिक की फिटनेस पर अभी तक कोई जानकारी नहीं आयी है। इससे आईपीएल के लिए उनका उपलब्ध होना संदिग्ध है। मालूम हो कि हार्दिक को एकदिवसीय विश्वकप में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले के दौरान बाएं पैर के टखने में चोट लगी थी जिससे उनका लिगामेंट फट गया था। इसी कारण हार्दिक विश्वकप से भी बाहर हो गये थे। इसके अलावा वह ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से भी बाहर थे।

सूर्यकुमार चोटिल होने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से बाहर हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हो गये हैं। सूर्या इस कारण अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से बाहर हो गये हैं। सूर्या के टखने में चोट लगी है और इससे उबरने में उन्हें छह सप्ताह लगने की संभावना है। वहीं अगले साल जून में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए सूर्या की चोट से भारतीय टीम की मुश्किलें और बढ़ गयी हैं क्योंकि टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पहले ही चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। हार्दिक कब तक फिट हो पायेंगे इसकी अभी कोई जानकारी नहीं है।

सूर्यकुमार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी एकदिवसीय मैच के दौरान गेंद को रोकने समय ये चोट लगी थी। इस दौरान उनका पैर मुड़ गया था और इस कारण मेडिकल स्टाफ उन्हें

बाहर लाया था। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'सूर्यकुमार अभी रिहैब के लिए नेशनल क्रिकेट एकेडमी में ही रहेंगे। मेडिकल साइंस टीम के अनुसार अभी वह डेढ़ से दो माह तक नहीं खेल पायेंगे। इसी कारण वह अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से भी बाहर हो गये हैं।' माना जा रहा है कि सूर्या को ठीक होने में तकरीबन छह सप्ताह का समय लगेगा। ऐसे में आईपीएल में खेलने से पहले वह फिटनेस टेस्ट के लिए फरवरी में रणजी ट्रॉफी में मुंबई की ओर से खेलेंगे।'

भारत की अंडर-19 टीम विश्व कप से पहले त्रिकोणीय श्रृंखला खेलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अंडर-19 टीम अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप से पहले जोहानिसबर्ग में मेजबान दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला खेलेगी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के बयान के अनुसार त्रिकोणीय श्रृंखला जोहानिसबर्ग में खेली जायेगी जिसमें प्रत्येक टीम एक दूसरे से दो बार आमने सामने होगी। भारत की अंडर-19 टीम अपना अभियान 29 दिसंबर को अफगानिस्तान की अंडर-19 टीम के खिलाफ शुरु करेगी और फिर दो जनवरी को दक्षिण अफ्रीका अंडर-19 टीम से भिड़ेगी। फाइनल 10 जनवरी को खेला जायेगा। अंडर-19 विश्व कप दक्षिण अफ्रीका के ब्लोमफोंटेन में 19 जनवरी से शुरू होगा। भारत को ग्रुप ए में बांग्लादेश, आयरलैंड और अमेरिका के साथ रखा गया है और टीम अपना अभियान 20 जनवरी को बांग्लादेश के खिलाफ शुरू करेगी।

पहलवानों के विरोध प्रदर्शन पर भड़के बृजभूषण , हम इसमें क्या कर सकते हैं

लखनऊ। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने पहलवानों के विरोध प्रदर्शन को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। बृजभूषण के करीबी संजय सिंह के नये अध्यक्ष बनते ही पहलवानों में जबरदस्त नाराजगी है। इसी कारण पहलवान साक्षी मलिक ने जहां संन्यास ले लिया है, वहीं बजरंग ने सम्मान वापस लौटाने की बात कही है। बृजभूषण ने कहा कि इन पहलवानों के साथ देश का एक भी पहलवान नहीं है। अब उनके विरोध पर क्या मैं फांसी लगा लूं? कुश्ती को एक ग्रहण लगा था। 11 महीने और तीन दिनों तक यह ग्रहण रहा। चुनाव हुआ और पुराने महासंघ के समर्थित प्रत्याशी संजय सिंह उर्फ बबलू को जीत मिली है। जीत भी 40 और 7 के अंतर से हुई जो कुश्ती का काम है उसको अब आगे बढ़ाना हमारा लक्ष्य है। वहीं साक्षी के सन्यास लेने पर उन्होंने कहा कि पहलवान अगर अभी विरोध कर रहे हैं या साक्षी ने अलविदा कह दिया है कुश्ती को तो इसमें मैं क्या कर सकता हूं, इसमें हम क्या उनकी मदद करें। ये पहलवान जो पिछले एक साल से हमारे खिलाफ अपशब्द बोल रहे है आज भी वही कर रहे हैं। 12 महीने से हमें इस प्रकार से अपशब्द कहने का अधिकार उन्हें किसने दिया है। आज वह चुनाव पर ही सवाल खड़ा कर रहे हैं।

पाक स्पिनर नोमान सर्जरी के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बचे हुए मैचों से बाहर हुए

सिडनी (ईएमएस)। पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली सर्जरी के कारण मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बचे हुए दोनो टेस्ट मैचों से बाहर हो गये हैं। नोमान चोटिल होने के कारण पाक टीम से बाहर होने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद भी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण सीरीज से बाहर हो गये थे। नोमान इस सीरीज में पहले टेस्ट में भी नहीं खेल पाये थे। इन दोनो खिलाड़ियों के बाहर होने के कारण पाक टीम को करारा झटका लगा है। पाक को पहले टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा था। नोमान को अपेंडिसाइटिस का दर्द उठने के कारण मेलबर्न के एक अस्पताल में उनकी सर्जरी करायी गयी है। पाक टीम प्रबंधन ने अपने एक बयान में कहा, ''नोमान ने कल अचानक ही पेट में तेज दर्द की शिकायत की जिसके बाद उनकी जांच की गयी और स्कैन में पता चला कि यह दर्द 'अपेंडिक्स के कारण हो रहा है, इसके बाद उनकी सर्जरी करायी गयी। साथ ही कहा, ''सर्जरी के बाद उनकी हालत अब ठीक हैं।

चानू अब विश्वकप से ही वापसी करेंगी

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू अब विश्वकप से ही वापसी करेंगी। चानू अगले साल फरवरी में होने वाली एशियाई चैम्पियनशिप से भी बाहर रहेंगी। चानू अभी पटियाला में 'रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया से गुजर रही हैं। वह अगले साल फरवरी में अमेरिका जाकर डाक्टर आरोन होर्शिंग से भी सलाह लेंगी हैं। चानू ने कहा, 'चोट के कारण मैंने विदेश की यात्रा नहीं की। लेकिन उम्मीद है कि फरवरी में अपने फिजियोथेरेपिस्ट के पास मांसपेशियों की मजबूती और कुछ 'हाई परफोरमेंस ट्रेनिंग के लिए अमेरिका की यात्रा करूं। उन्होंने कहा, 'वह मेरी काफी मदद करते हैं जिससे मेरा प्रदर्शन बेहतर भी होता है। विदेशी कोच की जरूरत नहीं है। एक अच्छा फिजियोथेरेपिस्ट आपको अच्छी ट्रेनिंग में मदद कर सकता है। एशियाई चैम्पियनशिप में नहीं खेलने से चानू की क्वालीफिकेशन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वह इस समय ओलंपिक क्वालीफिकेशन रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं। पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियमों के अनुसार एक भारोत्तोलक को 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2024 विश्व कप (थाईलैंड के फुकेट में 31 मार्च से 11 अप्रैल तक) में हिस्सा लेना अनिवार्य है। इन दोनों टूर्नामेंट के अलावा एक भारोत्तोलक को 2023 और 2024 महाद्वीपीय चैम्पियनशिप, 2023 ग्रां प्री एक और 2023 ग्रां प्री दो में से किसी तीन में हिस्सा लेना जरूरी है।

मैनचेस्टर सिटी ने पहला क्लब विश्व कप खिताब और 2023 की 5वीं ट्राफी जीती

जेद्दा (सऊदी अरब) (एजेंसी)। मैनचेस्टर सिटी ने शुक्रवार को यहां क्लब विश्व कप फाइनल में फ्लूमिनेसे को 4-0 से हराकर 2023 में पांचवां खिताब अपने नाम किया। मैनचेस्टर सिटी ने महज 40 सेकेंड के अंदर ही बढ़त बना ली थी जब जूलियन अल्वारेज ने गोल दागा। फ्लूमिनेसे के कप्तान निनो के 27वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल से मैनचेस्टर सिटी की बढ़त दोगुनी हो गई और फिर फिल फोडेन ने 72वें मिनट में टीम का तीसरा गोल किया।

अल्वारोज ने 88वें मिनट में अपने दूसरे गोल से मैनचेस्टर सिटी को 4-0 पर ला दिया। इससे मैनचेस्टर सिटी ने पहला क्लब विश्व कप खिताब अपनी झोली में डाला और उसने यूरोप को फीफा की इस क्लब प्रतियोगिता के 17 चरण में 16वीं ट्राफी दिलाई। मैनचेस्टर सिटी इस साल एफए कप, प्रीमियर लीग, चैम्पियंस लीग और सुपर कप खिताब जीत चुका है।

पेप गुआर्डियोला इस जीत से तीन विभिन्न टीमों के साथ क्ल विश्व कप जीतने वाले पहले कोच बन गए। उन्होंने बार्सिलोना को 2009 और 2011 में यह खिताब दिलाया था। फिर 2013 में बायर्न म्यूनिख को भी यह ट्राफी दिलाई थी। गुआर्डियोला ने शांति से इस जीत का जश्न मनाया, वह फ्लूमिनेसे के कोच फर्नांडो डिनिज को सांत्वना देने पहुंचे, उनसे हाथ मिलाया और उनके कंधों पर हाथ रखा। फिर वह फेलिपो मेलो के साथ गले मिलते और मुस्कुराते दिखे।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से वापसी करेंगी ओसाका

ब्रिस्बेन। जापान की महिला टेनिस स्टार नाओमी ओसाका इस माह के अंत में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से वापसी करेंगी। ओसाका ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले 31 दिसंबर से शुरु हो रहे ब्रिस्बेन वार्म-अप टूर्नामेंट में खेलेंगी। टूर्नामेंट के अधिकारियों ने कहा है कि ओसाका का खेलना तय है। वह 2024 सत्र की शुरूआत में सात स्पर्धाओं में भाग लेंगी। दो बार की ऑस्ट्रेलियन और अमेरकी ओपन विजेता ओसाका ने पिछले साल गर्भवती होने के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन से नाम वापस ले लिया था। वहीं ओसाका ने अपने एक बयान में कहा कि मैं कोर्ट पर वापस आने और प्रतिस्पर्धा करने को लेकर उत्साहित हूं। मुझे हमेशा ब्रिस्बेन में अपना सत्र शुरू करना पसंद है और मैं वापसी का इंतजार नहीं कर सकती।

आकाश चौपड़ा का खुलासा, सीएसके में ट्रेविस हेड का कोई रोल रहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि सीएसके की टीम में ट्रेविस हेड का कोई रोल रहीं था। अच्छा हुआ जो उन्हें नहीं लिया गया। बता दें कि इंडियन प्रीमियर लीग के अगले साल खेले जाने वाले एडिशन के लिए दुबई में 19 दिसंबर को नीलामी हुई। इसमें कई खिलाड़ियों पर जमकर पैसों की बारिश हुई तो कई अनसोल्ड भी रहे। ट्रेविस हेड को सनराइजर्स हैदराबाद ने भारी रकम देकर अपनी टीम में शामिल किया। हालांकि चेन्नई सुपर किंग्स भी हेड पर बोली लगाती दिखाई दे रही थी। लेकिन बाद में वह पीछे हट गए थे। सीएसके के इस फैसले पर पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि अच्छा हुआ सीएसके ने उन्हें नहीं लिया। उनका टीम में कोई यूज नहीं। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि सीएसके की टीम ट्रेविस हेड की ओर जा रही थी। हम थोड़ा हैरान थे। वे शायद उसे मोईन अली के बैकअप के रूप में रखने की कोशिश कर रहे थे। व्यक्तिगत रूप से मेरी राय यही है कि उनका टीम में कोई रोल नहीं था। वह मोईन अली के बैकअप के रूप में इस्तेमाल नहीं किए जा सकते थे।

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि डेवोन कॉनवे ओपनिंग करते हैं, ट्रैविस हेड भी ओपनिंग करते हैं। अगर ट्रैविस हेड को मध्य क्रम में भेज दिया होता तो वो रन नहीं बना पाते। इसलिए यह अच्छा है कि आपने उन्हें नहीं लिया। हैदराबाद ने उन्हें लिया और सीएसके को मोइन अली के स्थान पर रचिन रवींद्र मिल गए। जिसे उन्होंने सिर्फ 1.80 करोड़ में लिया। ट्रेविस हेड 2016 और 2017 के आईपीएल में उतर चुके हैं। वे आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स में भी रह चुके हैं। रन रिकार्ड की बात करें तो हेड ने आईपीएल के 10 मैच में 29 की औसत से 205 रन बनाए हैं। एक अर्धशतक जड़ा है। उनका स्ट्राइक रेट 139 का रहा है।

मेसी और रोनाल्डो की टीमों के बीच फरवरी में होगा मुकाबला

फोर्ट लॉडरडेल। अगले साल फुटबॉल प्रशंसकों को लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीमें के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। मेसी की टीम सउदी अरब में रियाद में सीजन कप खेलेगी। इसमें उसका मुकाबला रोनाल्डो की टीम अल नासर से एक फरवरी को होगा। सउदी प्रो लीग में ये दोनों क्लब शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं इंटर मियामी के खेल निदेशक क्रिस हेंडरसन ने कहा, 'इन मैचों से हमें नये सत्र के लिए तैयारी में सहायता मिलेगी। अल हिलाल के खिलाफ हमें अपनी क्षमताओं के आंकलन का अवसर मिलेगा। मेसी और रोनाल्डो क्लब के बीच अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 35 बार मुकाला हुआ है। इसमें से मेसी की टीम ने 16 और रोनाल्डो की टीम ने 10 मैच जीते हैं। इन मैचों में मेसी ने 21 गोल किए जबकि 12 गोल करने में उन्होंने सहायता की। रोनाल्डो ने 20 गोल किए और एक में उनकी भूमिका रही। मेसी और रोनाल्डो के बीच बार्सीलोना और रीयाल मैड्रिड की ओर से खेलते हुए कई बार मुकाबला हुआ है।

ओलंपिक क्वालीफायर हॉकी के लिए हमारी प्रतिबद्धता दिखाने का मौका : मिडफील्डर सलीमा टेटे

रांची (एजेंसी)। शीर्ष भारतीय मिडफील्डर सलीमा टेटे ने शनिवार को कहा कि 13 जनवरी से यहां शुरू होने वाले ओलंपिक क्वालीफायर सिर्फ 2024 पेरिस खेलों के लिए कट हासिल करने के लिए नहीं है बल्कि महिला हॉकी टीम के लिए यह खेल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने का मौका भी है। भारत सहित 8 टीम यहां पेरिस ओलंपिक के लिए दाव पर लगे तीन स्थान हासिल करने की कोशिश करेंगी जिसमें मेजबानों की भिड़ंत शुरूआती दिन अमेरिका से होगी।

सलीमा टेटे ने कहा कि रांची में यह टूर्नामेंट सिर्फ क्वालीफिकेशन के लिए ही नहीं है बल्कि यह उस खेल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और जज्बे को दिखाने का मौका भी होगा जिसे हम पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, उम्मीद है कि हम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लेंगे। भारत को पूल बी में अमेरिका, न्यूजीलैंड और इटली के साथ रखा गया है जबकि पूल ए में जर्मनी, जापान, चिली और चेक गणराज्य की टीम हैं।

भारतीय टीम हांगझोउ एशियाई खेलों के दौरान ओलंपिक के लिए स्वत-क्वालीफाई करने का मौका चूक गयी थी और यहां पेरिस के लिए कट हासिल करने का एक और प्रयास करेगी। तोक्यो ओलंपिक के लिए भारतीय टीम का हिस्सा रहीं 21 साल की खिलाड़ी ने कहा कि घरेलू मैदान पर दर्शकों के समर्थन से टीम को अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।

झारखंड के सिमडेगा जिले की खिलाड़ी सलीमा ने कहा कि रांची लौटना हमेशा ही घर वापसी जैसा लगता है। इस शहर का मेरे दिल में एक विशेष स्थान है, जहां हॉकी के प्रति मेरा लगाव बढ़ा और मैंने अपना कौशल निखारा। उन्होंने कहा कि दर्शकों का समर्थन और उनकी ऊर्जा शानदार है, उनके उत्साह से मैदान पर हमारा भी उत्साह बढ़ता है। हम मैदान पर दर्शकों के लिए ऐसा पल बनाने का प्रयास करेंगे जो वे संजोकर रखें।

भारतीय टीम ने साल के शुरू में रांची में ही महिलाओं की एशियाई चैम्पियंस ट्राफी हासिल की थी। भारत 14 जनवरी को न्यूजीलैंड से खेलेगा जबकि पूल के अंतिम मैच उसकी भिड़ंत 16 जनवरी को इटली से होगी।

पेरिस ओलंपिक में भाग लेना चाहती है दीपा

कोलकाता। भारतीय महिला जिम्नास्ट दीपा करमाकर का लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में भाग लेने के साथ ही पदक जीतना है। दीपा सर्जरी से भी अब उबर गयी हैं और फिर हैं। दीपा ने कहा कि मैं अब पूरी तरह से फिट हूं। मैं अपना शत प्रतिशत दे रही हूं और अपने कोच बिश्वेश्वर नंदी के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन के लिए मेहनत कर रही हूं। अक्टूबर में बेल्जियम में विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं ले पाने के कारण दीपा के लिए पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई करन कठिन रहेगा पर वह इसको लेकर सकारात्मक रहना चाहती हैं और अपने प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना अब बहुत कठिन है। मैं प्रशिक्षण में अपना सर्वश्रेष्ठ दे रही हूं। गौरतलब है कि पिछली बार सितंबर में हंगरी में विश्व चैलेंज कप में हिस्सा लेने वाली दीपा अब अगरतला में नंदी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं।

नई पीढ़ी के कलाकारों को लेकर रोहित ने दी प्रतिक्रिया

करण जौहर का लोकप्रिय चैट शो कॉफी विद करण का सीजन आठ फैंस के बीच धमाल मचा रहा है। कॉफी विद करण के नए एपिसोड में अभिनेता अजय देवगन और निर्देशक रोहित शेट्टी नजर आए। बता दें कि अजय और रोहित लंबे समय से एक-दूसरे के अच्छे दोस्त हैं। करण के शो में दोनों स्टार्स ने अपनी दोस्ती से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री से जुड़ी बातों पर खुलकर बात की। तो आइए जानते हैं उनके दिलचस्प खुलासों के बारे में...

करण जौहर के नए एपिसोड में अजय देवगन और रोहित शेट्टी दिलचस्प खुलासे करते नजर आए। करण जौहर ने दोनों स्टार्स से नई पीढ़ी के कलाकारों के बारे में पूछा? रोहित ने जवाब देते हुए कहा, नए पीढ़ी के कलाकारों को सोशल मीडिया से दूर रहने की जरूरत है। अक्सर देखा जाता है कि सोशल मीडिया पर उन्हें छोटी-छोटी चीजों को लेकर नेटिजंस द्वारा ट्रोल किया जाता है। मुझे लगता है कि वे सोशल मीडिया पर असुरक्षित हैं। हालांकि, मुझे सही से नहीं पता है। कॉफी विद करण के होस्ट ने आगे पूछा कि क्या नए कलाकार जरूरत से ज्यादा सोचते हैं? रोहित ने करण की बात से सहमत होते हुए कहा, हां बिल्कुल आज की पीढ़ी के कलाकार कुछ ज्यादा ही सोचते है। करण ने आगे कहा, आप ने पहले आसानी से दो-तीन हीरो वाली फिल्में की हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता ऐसी फिल्में आप आगे कर सकते हैं। इस पर अजय ने चुटकी लेते हुए कहा, मुझे नहीं लगता कि रोहित के पास सोलो करने की भी सुरक्षा है। उन्हें यह तय करने में तीन साल लग जाते हैं कि उन्हें यह करना है या वह करना है। करण ने पुरानी और नए पीढ़ी के कलाकारों के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए कहा, फिल्मों में अभी भी हम लोग अभिनेता के चयन के लिए अजय, शाहरुख, सलमान और अक्षय के पास जाते हैं। मेरा मतलब है कि हम लोग प्रवृत्ति के अनुसार ही पुराने कलाकारों के पास जाते हैं, क्योंकि वे 20 मिनट में ही कहानी को सुनकर पूरी फिल्म को समझ जाते हैं, क्योंकि उन्हें समझ और अनुभव है। करण ने नए कलाकारों को लेकर कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि वे गलत हैं, लेकिन वे हर दृश्य, संवाद में घुसना चाहते हैं। नए कलाकार पूरी कहानी को डिटेल्स में जाना चाहते हैं। कहानी सुनने के बाद भी फिल्म में काम करने के लिए निर्णय लेने में भी बहुत समय लगता है, लेकिन पुरानी पीढ़ी के कलाकार से आपको तुरंत जवाब मिल जाता है।

हिंदी सिनेमा ने 2023 में नेगेटिव नैरेटिव को खत्म कर दिया है

मुझे बेहद खुशी है कि हिंदी सिनेमा ने नेगेटिव नैरेटिव को खत्म कर दिया है और इसका श्रेय सभी लेखकों, निर्देशकों और निर्माताओं को जाता है जिन्होंने अपना सिर झुकाया और यह साबित करने के लिए बहुत मेहनत की कि हिंदी सिनेमा को हमेशा प्यार मिलेगा, बशर्ते दर्शकों के आनंद, अनुभव और जुड़ाव के लिए सिनेमा को हम सर्वश्रेष्ठ बनाएं।

हिंदी फिल्म उद्योग ने 2023 को ऐतिहासिक रूप से अपना सबसे बड़ा साल दर्ज किया है, युवा बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना 100 करोड़ हिट देने वाले सितारों की सूची में हैं! रणबीर कपूर और रणवीर सिंह के साथ आयुष्मान भी केवल तीन युवा सितारों में शामिल हैं जिन्होंने 100 करोड़ से अधिक सफलता की कहानियाँ दर्ज की हैं! आयुष्मान इस बात से रोमांचित हैं कि उनकी ड्रीम गर्ल 2, 2023 की बड़ी हिट फिल्मों में से एक है। वह कहते हैं, यह हिंदी सिनेमा के लिए अविश्वसनीय साल रहा है। इस कहानी से कि हिंदी सिनेमा का बहिष्कार किया जाता है, इसे लेने वाला कोई नहीं है, हमारे उद्योग ने संभवत: अपने सबसे बड़े थिअट्रिकल वर्ष को दर्ज करने के लिए 2023 में कंटेंट गेम में सफलता हासिल की है। हमने अपने सिनेमा के लिए दर्शकों से अविश्वसनीय समर्थन और प्रतिक्रिया देखी है, यही कारण है कि हमारे पास 2023 में पहले से ही 3 ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्में हैं।

वह आगे कहते हैं, मुझे बेहद खुशी है कि हिंदी सिनेमा ने नेगेटिव नैरेटिव को खत्म कर दिया है और इसका श्रेय सभी लेखकों, निर्देशकों और निर्माताओं को जाता है जिन्होंने अपना सिर झुकाया और यह साबित करने के लिए बहुत मेहनत की कि हिंदी सिनेमा को हमेशा प्यार मिलेगा, बशर्ते दर्शकों के आनंद, अनुभव और जुड़ाव के लिए सिनेमा को हम सर्वश्रेष्ठ बनाएं। मुझे ड्रीम गर्ल 2 के साथ थिएटरिकल बिजनेस में अपने तरीके से योगदान देने की खुशी है! आयुष्मान इस बात से खुश हैं कि थिएटर में बड़े पैमाने पर दर्शक वापस आ गए हैं! जिस तरह एक्शन एंटरटेनर्स ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा है, आयुष्मान एकमात्र ऐसे अभिनेता हैं जिन्होंने कॉमेडी शैली में 100 करोड़ की हिट दी है! वह कहते हैं, एक अभिनेता के रूप में, जो अपने अनुभव के लिए सिनेमाघरों में फिल्में देखना पसंद करता है, मुझे एक हिट फ्रेंचाइजी के साथ दर्शकों के लिए एक थिअट्रिकल अनुभव प्रदान करने में अधिक खुशी नहीं हो सकती है। मुझे अभी भी याद है कि लोग इस बात से कितने खुश थे कि कॉमेडी शैली की एक फिल्म ने भारत में 100 करोड़ से अधिक की कमाई की, जब एक्शन फिल्मों का बोलबाला था! आयुष्मान कहते हैं, मैं वास्तव में खुश हूं कि हमने इस साल कई शैलियों में सफलता का स्वाद चखा है। यह एक स्वस्थ संकेत है कि हमारा उद्योग फल-फूल रहा है और बहुत महत्वाकांक्षी है।

श्रिया पिलगांवकर ने अपना पहला बॉलीवुड डांस नंबर फिल्म ड्राई डे में किया

ताजा खबर में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीतने वाली श्रिया पिलगांवकर ने आगामी फिल्म ड्राई डे में अपने पहले बॉलीवुड डांस नंबर से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। ताजा खबर, ब्रोकन न्यूज से लेकर गिल्टी माइंड्स तक की पिछली भूमिकाओं में अपने किरदारों से बिल्कुल अलग, श्रिया ने लोकप्रिय लठ मार होली की जीवंत भावना को स्क्रीन पर लाकर एक नया आयाम अपनाया है और हम इसे पसंद कर रहे हैं। उसका अंदाज़ आपको किनारे पर रखता है। यह पहली बार है जब हम श्रिया को मसाला बॉलीवुड डांस नंबर की धुन पर नाचते हुए देख रहे हैं और हम पहले से ही देसी अवतार में एक साथ रखे गए ठुमकों और होली के माहौल को पसंद कर रहे हैं। इस डांस नंबर के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, श्रिया ने साझा किया, कान से कान तक मुस्कुराते हुए, श्रिया ने अपने डांस नंबर पर राज़ बिखेरते हुए कहा, हमारी फिल्म ड्राई डे और मैं में मेरा अपना होली गीत होना एक सपना सच होने जैसा है। मैं बहुत खुश हूं कि प्रतिक्रिया अद्भुत रही। भोपाल में इसकी शूटिंग में मुझे बहुत मजा आया। कोरियोग्राफी और कला निर्देशन ने जीवंतता को बढ़ाया और वास्तव में लट्ठ मार होली की भावना को कैद किया। मैं हमेशा से स्क्रीन पर नृत्य करना चाहता था और कर सका। मैंने एक बेहतर ट्रैक की मांग की है। हल्ला मचा एक ऐसा गाना है जो हर पार्टी में बजाया जाएगा और लोगों को डांस फ्लोर पर ला देगा। यह वास्तव में एक जीवन भर का अनुभव था। निखिल आडवाणी की एम्मे एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित अमेज़ॉन मूल फिल्म 22 दिसंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है, जिसमें जितेंद्र कुमार, अन्नू कपूर और श्रिया पिलगांवकर प्रमुख भूमिका में हैं।

56 की उम्र में फिर दुल्हा बनेंगे अरबाज खान

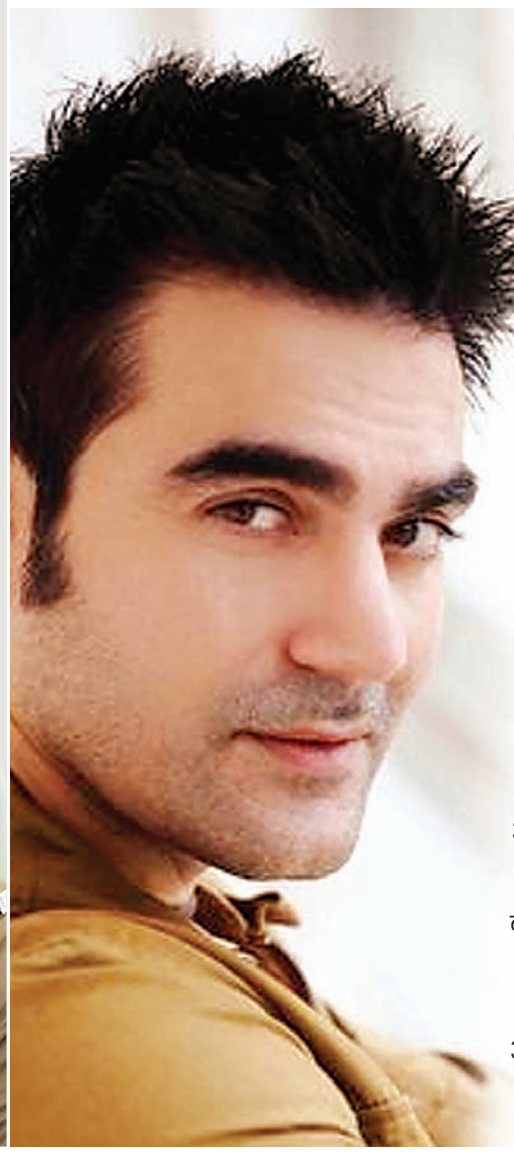

खबर है कि अरबाज खान गर्लफ्रेंड शौरा खान से 24 दिसंबर को मुंबई में शादी करने जा रहे हैं। इस शादी में करीबी दोस्त और परिवार वाले शामिल होंगे। अरबाज पहले जॉर्जिया एंड्रियानी को डेट कर रहे थे। जॉर्जिया से पहले वह मलाइका अरोड़ा के साथ थे और 2017 में उनका तलाक हो गया था। सलमान खान के भाई और एक्टर-डायरेक्टर अरबाज खान अब नई गर्लफ्रेंड शौरा खान के साथ शादी करने जा रहे हैं। अरबाज पिछले काफी समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। करीब सालभर पहले अरबाज का गर्लफ्रेंड जॉर्जिया एंड्रियानी से ब्रेकअप हुआ था। जॉर्जिया ने कुछ समय पहले ही ब्रेकअप के बारे में बात की थी। अब अरबाज खान की जिंदगी में एक नई लड़की आ चुकी है और खबर है कि वह उनसे शादी करने जा रहे हैं। इस लड़की का नाम शौरा खान है। अरबाज खान और शौरा खान की शादी की डेट भी सामने आ चुकी है। अरबाज और शौरा खान की पहली मुलाकात फिल्म पटना शुक्ला के सेट पर हुई थी। इस फिल्म में अरबाज खान नजर आएंगे। शौरा खान पेशे से एक मेकअप आर्टिस्ट हैं और बॉलीवुड में ही सक्रिय हैं। उन्होंने रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा के साथ भी काम किया है।

जॉर्जिया एंड्रियानी से पहले उन्होंने मलाइका अरोड़ा से शादी की थी। उनका एक बेटा भी है। लेकिन 2016 में अरबाज खान और मलाइका ने एक-दूसरे से अलग होने का ऐलान किया और फिर 2017 में तलाक ले लिया। अरबाज और मलाइका की शादी 1998 में हुई थी।

सीधी-प्यारी लड़की वाली इमेज तोड़नी थी

फिल्म जाने तू या जाने ना की मेघना के रूप में दिल जीतने वाली एक्ट्रेस मंजरी फडनिस बीच में हिंदी सिनेमा से दूर हो गई थीं। लेकिन इन दिनों वह ओटीटी पर अपने किरदारों के साथ खूब प्रयोग कर रही हैं। बरोट हाउस, मियां बीवी और मर्डर के बाद वह नीरज पांडे की सीरीज द फीलांसर में नजर आ रही हैं।

मंजरी कहती हैं कि वो फिल्मों से बहुत कम समय के लिए ही दूर रही हैं, क्योंकि वह एक जैसे रोल से उकता चुकी थीं। वहीं, ओटीटी के आने के बाद उन्हें फिर से बतौर एक्टर खेलने के लिए भरपूर मैदान मिल गया है। जाने तू या जाने ना के बाद स्क्रीन से दूरी के सवाल पर मंजरी का कहना हैं, मैं कभी भी गायब नहीं हुई। मैं लगातार काम करती रही हूं। मैंने पिछले 15 साल में करीब 30 प्रोजेक्ट किए हैं, लेकिन हर चीज जाने तू या जाने ना जितनी बड़ी नहीं होती। मेरी बहुत सारी चीजें रिलीज हुई थी, जिसे प्यार भी मिला, लेकिन कोई भी फिल्म जाने तू या जाने ना जितनी बड़ी नहीं थी। इसके अलावा, ईमानदारी से कहूं तो ओटीटी के आने से पहले जो काम मुझे मिल रहे थे, उससे मैं बोर हो गई थी तो मैंने दो साल का ब्रेक लिया और थिएटर किया। क्रिएटिवली अपने को उस चीज में डुबा लिया, जो मुझे पसंद है। मैंने उससे काफी सीखा। उन दो साल को छोड़कर मैं लगातार सक्रिय रही हूं। बाकी, सबका सफर एक रफ्तार से नहीं चलता। मेरी चाल थोड़ी धीमी रही है, लेकिन मैं निरंतर काम करती रही हूं। हालांकि, ओटीटी के आने से पहले जो काम मुझे ऑफर हो रहे थे, उससे मैं ज्यादा खुश नहीं थी, लेकिन अभी जो काम आ रहा है, उससे मैं बहुत एक्साइटेड हूं। मैंने हाल में ओटीटी पर जो वेब सीरीज कीं, बरोट हाउस, मासूम, मिया बीवी और मर्डर, द फीलांसर सभी को बहुत तारीफें मिलीं।

मंजरी यह भी मानती है कि जाने तू... के बाद उन्हें वैसे ही प्यारी लड़की वाले रोल में टाइपकास्ट कर दिया गया था। वह कहती हैं, हमारी कर्मशियल फिल्मों में कोई एक्टर एक तरह के कैरेक्टर में पसंद आ गया तो उसे वैसे ही रोल मिलते हैं। जैसे मैं स्वीट गर्ल नेक्स्ट डोर यानी प्यारी, भोली लड़की वाले किरदार में टाइपकास्ट हो गई थी। मुझे परफॉर्म करने के लिए कुछ ज्यादा एक्साइटिंग नहीं मिल रहा था। आपको वही रोल ऑफर होते हैं, जिसमें आप चल चुके हैं, क्योंकि तब फॉर्मूला फिल्मों का दौर था, मगर ओटीटी आने के बाद हमारी ऑडियंस भी बदल गई है। वे वर्ल्ड सिनेमा, इंटरनेशनल कॉन्टेंट देख रहे हैं, इसलिए राइटर्स भी फॉर्मूला चीजें लिखने के बजाय अलग लिखने लगे तो ओटीटी से क्रिएटिवली सबको बहुत फायदा हुआ है।

लंबाई कितनी भी हो, रोल अच्छा होना चाहिए सीरीज द फीलांसर में वो डिसोसिएटिव डिसॉर्डर से जूझ रही महिला की भूमिका में हैं। यह किरदार चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन स्क्रीन पर कम देर के लिए दिखता है। लेकिन मंजरी का कहना है कि वह इतनी सिक्योर एक्टर हैं कि रोल अच्छा हो तो उन्हें उसकी लंबाई से फर्क नहीं पड़ता। बकौल मंजरी सीरीज में मेरा किरदार प्रभावी है। फीलांसर की जिंदगी में उसका रोल बहुत अहम है तो मेरे मन में जरा सी भी दुविधा नहीं रही कि वो करूं या नहीं। मैं बहुत सिक्योर एक्टर हूं। अगर मेरा रोल अच्छा है तो मुझे छोटे या बड़े से फर्क नहीं पड़ता। मेरे लिए यह एक बहुत ही बढ़िया प्रोजेक्ट रहा।

नीसा की ट्रोलिंग से परेशान हैं पिता अजय देवगन

अजय देवगन और काजोल की बेटी नीसा देवगन बॉलीवुड के पॉपुलर स्टार किड्स में से एक हैं। हालांकि निसा ने शोबिज में प्रवेश नहीं किया है, लेकिन वे लगातार यूजर्स के दायरे में रहती है और अक्सर मीडिया में स्पॉट भी हो जाती हैं। सोशल मीडिया पर उन्हें कई वजहों से ट्रोलिंग का भी शिकार होना पड़ता है। हाल ही में, कॉफी विद करण 8 के दौरान, अजय देवगन ने साझा किया कि कैसे निसा ट्रोलिंग से निपटती है और साझा किया कि क्या वे जल्द ही इंडस्ट्री में प्रवेश करेंगी।

सोशल मीडिया पर बेटी की ट्रोलिंग से हैं परेशान

कॉफी विद करण 8 के सेट पर अजय ने बताया कि कैसे नीसा को ट्रोल किए जाने से परिवार नाखुश है। बेशक, उसे यह पसंद नहीं है और मुझे भी, लेकिन आप इसे बदल नहीं सकते। इसलिए आप ट्रोलिंग के साथ रहना सीख जाते हैं। ट्रोल्स ने नीसा जो हैं वही रहेंगी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। कुछ लोग आपके बारे में बकवास करते हैं. इसका मतलब यह नहीं है कि पूरी दुनिया आपके बारे में ऐसा ही सोचती है। अगर किसी को ट्रोल नहीं किया जाता तो सोशल मीडिया काम नहीं करता। अगर आप अच्छी चीजें लिख रहे हैं तो उसे पढ़ने में किसी की दिलचस्पी नहीं है।

बॉलीवुड में एंट्री को लेकर कही यह बात

अभिनेता ने इंडस्ट्री में प्रवेश करने की नीसा की योजनाओं के बारे में भी खुलासा किया। अजय ने कहा, मुझे नहीं लगता कि वह ऐसा चाहती है। लेकिन कल अगर कुछ बदल गया तो वे 20 साल पुराना इंटरव्यू चलाएंगे कि अजय देवगन ने ऐसा कहा था। इसलिए अभी कुछ भी कहना बेवकूफी है। जाहिर है कि बच्चों को जो पसंद आएगा, वे वही करेंगे।

पोर्न पसंद है लेकिन उसमें काम नहीं करूंगा

फिल्म 'एनिमल' जबसे रिलीज हुई है चर्चा में बनी है। हर कोई इसे लेकर बत कर रहा है। हाल ही में अरशद वारसी, मनोज बाजपेयी और अपारशक्ति खुराना ने भी फिल्म को लेकर अपने विचार बताये। उन्होंने ये भी बताया कि अगर उन्हें 'एनिमल' के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा के साथ काम करने का मौका मिले तो क्या वह करेंगे? सभी ने फिल्म की जमकर तारीफ की। अरशद वारसी ने बताया कि अगर उन्हें फिल्म में काम करने का मौका मिलता तो वह क्या करते। बात करते हुए अरशद ने कहा, सभी सीनियर एक्टर्स को फिल्म नापसंद हो सकती है, लेकिन मुझे फिल्म पसंद है। यह 'किल बिल' के मेल वर्जन है। मेरा पूरा नजरिया अलग है, मैं फिल्मों को फुल एंटरटेनमेंट की तरह देखता हूं और जब आप थिएटर जाते हैं तो आप यही देखना चाहते हैं। मैं बहुत ज्यादा सोचना नहीं चाहता, मुझे मत सिखाओ, मुझे सबक मत दो, मैंने इसे स्कूल में सीख लिया था। अरशद ने कहा, ऐसी बहुत सी चीजें होती हैं जो आप देखते हैं लेकिन करते नहीं हैं। 'एनिमल' उसी ब्रैकेट में ही आती है। जब इंद्र कुमार ने मुझे 'ग्रैंड मस्ती' के लिए कॉल किया था, मुझे उस तरह की फिल्में पसंद नहीं। मुझे सेक्स कॉमेडी नहीं पसंद। मुझे ये फिल्में देखने में परेशानी नहीं है, ये मजाकिया होती हैं लेकिन मैं इस तरह की फिल्में करना नहीं चाहता। तो दर्शक के तौर पर मैं इसे देखना पसंद करता हूं। लेकिन बतौर एक्टर मुझे ये करना पसंद नहीं। मुझे पोर्न पसंद है लेकिन मैं उसमें काम नहीं करना चाहता। एनिमल इस साल की सबसे अधिक ध्रुवीकरण वाली फिल्म रही है। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म भारत में 528 करोड़ से अधिक और वर्ल्डवाइड 851 करोड़ का बिजनेस कर चुकी है।